देशबन्धु

वर्ष – 8 । अंक–187 । सागर, शुक्रवार, 25 अगस्त 2023 । पृष्ठ –8 । मूल्य – 3.00 रुपए

तहसील कार्यालय में भारी भ्रष्टाचार, अधिवक्ता एवं जनता परेशान पृष्ठ 2

- क्या भारत ग्लासनोस्ट या पेरेस्त्रोइका के लिए तैयार है?
- सीबीआई, ईडी को पीएमओ की निगरानी में लाना सत्ता का खुला दुरुपयोग पृष्ठ 4

- पात्र मतदाता का नाम मतदाता सूची में दर्ज होने से नहीं रहे शेषः भदौरिया पृष्ठ 6

भाजपा सरकार के बहुमुखी विकास का आइना है गरीब कल्याण का रिपोर्ट कार्डः शैलेंद्र जैन पृष्ठ 8

सार-समाचार

कांग्रेस ने राजस्थान में नियुक्त किए 4 समन्वयक

नई दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस ने राजस्थान विधानसभा चुनाव के मद्देनजर चार समन्वयक नियुक्त करके अन्य दो सचिवों को चुनाव पर्यवेक्षक के साथ संबद्ध किया है। कांग्रेस महासचिव केसी वेणुगोपाल ने गुरुवार को बताया कि पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने सांसद रंजिता रंजन, पूर्व मंत्री हरक सिंह रावत, विधायक किरन चौधरी तथा पूर्व सांसद श्मशेर सिंह दुल्लो को यह जिम्मेदारी सौंपी है और उन्हें तत्काल प्रभाव से अपना काम शुरु करने के लिए कहा है।

नेपाल में बस पलटने से 6 भारतीय सहित 7 की मौत

काठमांडू, एजेंसी। नेपाल में गुरुवार तड़के एक सड़क दुर्घटना में छह भारतीय तीर्थयात्रियों सहित सात लोगों की मौत हो गई। काठमांडू से जनकपुर की तरफ जा रही बस रात 2 बजे चुरियामाई मंदिर के दक्षिण में एक नदी तट पर पलट गई। हादसे में बस सड़क से लगभग 50 मीटर नीचे गिर गई। 'काठमांडू पोस्ट' ने सिमारा के क्षेत्रीय पुलिस कार्यालय के उपाधीक्षक प्रदीप बहादुर छेत्री के हवाले से बताया कि मृतकों में महोत्तरी जिले के लोहारपट्टी का रहने वाला एक नेपाली और राजस्थान के छह भारतीय नागरिक शामिल हैं।

पंजाब में बीएसएफ ने 360 ग्राम हेरोइन जब्त की

नई दिल्ली, एजेंसी। सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) ने पंजाब पुलिस के साथ एक संयुक्त अभियान में 360 ग्राम हेरोइन जब्त की है। हेरोइन को पंजाब के तरन तारन में ड्रोन से गिराया गया था। बीएसएफ के एक अधिकारी ने कहा कि सुबह के समय हमें ड्रोन के माध्यम से गिराए गए प्रतिबंधित वस्तुओं की खेप की मौजूदगी के बारे में विशेष जानकारी मिली।

छिंदवाड़ा में राज्य स्तरीय रोजगार दिवस और महिला सम्मेलन में शामिल हुए मुख्यमंत्री की घोषणा

पांढुर्णा प्रदेश का 55 वां जिला बनेगा

- महाकाल लोक की तर्ज पर जाम सांवली में होगा हनुमान लोक का निर्माण
- छिंदवाड़ा को एक और महाविद्यालय और ऑडिटोरियम मिलेगा

भोपाल, देशबन्धु। छिंदवाड़ा में मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने घोषणा की है कि पांढुर्णा प्रदेश का 55 वां जिला बनाया जाएगा। इसके साथ ही उन्होंने उज्जैन के महाकाल लोक की तर्ज पर जाम सांवली हनुमान मंदिर में श्री हनुमान लोक के निर्माण की घोषणा की। मुख्यमंत्री छिंदवाड़ा में राज्य स्तरीय रोजगार दिवस और महिला सम्मेलन में बोल रहे थे। उन्होंने छिंदवाड़ा को एक और सौगात दी, बताया कि छिंदवाड़ा में एक और महाविद्यालय की स्थापना की जाएगी तथा शानदार ऑडिटोरियम का निर्माण होगा। सरकार छिंदवाड़ा के विकास में कोई कसर नहीं छोड़गी।

श्री चौहान ने 8 लाख 34 हजार व्यक्तियों को रोजगार दिवस कार्यक्रम के तहत 5 हजार करोड़ से अधिक राशि के ऋण वितरण की शुरूआत भी की। श्री चौहान ने विभिन्न जिलों में हितग्राहियों को शुभकामनाएं दीं। श्री चौहान ने कहा कि हर गांव के हर घर में नल से पेयजल उपलब्ध कराया जा रहा है। उन्होंने कहा कि बेटा-बेटी के बीच भेदभाव मिटाने के लिए लाड़ली लक्ष्मी और कन्या विवाह जैसी योजनाएं शुरू हुईं। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि श्री महाकाल लोक की तर्ज पर जामसांवली हनुमान मंदिर में श्री हनुमान लोक का निर्माण किया जाएगा। लगभग 26.50 एकड़ क्षेत्र में पहले चरण में 35 करोड़ रुपए से अधिक की लागत से श्री हनुमान लोक के निर्माण का कार्य शुरू होगा। इसने छिंदवाड़ा के प्रसिद्ध हनुमान मंदिर जाम सांवली में श्री हनुमान लोक का विधि-विधान से भूमि पूजन कर यह घोषणा की। उन्होंने मंदिर में बजरंगवली के दर्शन-पूजन कर प्रदेशवासियों की सुख-समृद्धि और उन्नति की कामना की। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस माह की 27 तारीख को राखी का त्यौहार मनाया जाएगा। बहनों की जिंदगी में हम कभी अंधेरा नहीं रहने देंगे। बहनों का जीवन सुख-चैन, आत्म-विश्वास और सम्मान से भरपूर हो। मुख्यमंत्री ने माचागोरा समूह जल प्रदाय योजना से लाभान्वित 711 ग्रामों की जल कलश यात्रा के 711 कलशों का पूजन कर मुख्यमंत्री श्री चौहान ने माचागोरा समूह जल प्रदाय योजना का भूमिपूजन किया। आजीविका मिशन की स्वसहायता समूह और लाडली बहना योजना की हितग्राही बहनों ने मुख्यमंत्री श्री चौहान को विशाल राखी भेंट की। जनप्रतिनिधियों ने मुख्यमंत्री श्री चौहान का विशाल पुष्प माला से स्वागत किया। इसके पहले छिंदवाड़ा में आज जनदर्शन के दौरान अपार जनसमूह ने पुष्पों की वर्षा कर मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान का आत्मीय स्वागत और सम्मान किया। घरों की छतों, स्वागत मंचों से निरंतर पुष्पवर्षा की गई। लाड़ली बहनों सहित अन्य हितग्राहियों ने जन-कल्याणकारी शासकीय योजनाओं के नाम और धन्यवाद भैय्या लिखी तख्तियां लहराकर मुख्यमंत्री का आभार जताया।

रोवर व लैंडर के सौर पैनल खोले गए

चांद पर अपनी छाप छोड़ रहा भारत का रोवर

चेन्नई, एजेंसी। भारतीय अंतरिक्ष एजेंसी के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि भारत का चंद्रमा रोवर अब चांद पर घूम रहा है और मिट्टी पर अपनी छाप छोड़ रहा है। गुरुवार को रात लगभग 12.30 बजे रोवर लैंडर से चंद्रमा की सतह पर आकर चारों ओर घूम रहा है।

विक्रम साराभाई अंतरिक्ष केंद्र (वीएसएससी) के निदेशक डॉ. एस. उन्नीकृष्णन नायर ने को बताया, यह चंद्रमा की सतह पर अपनी छाप छोड़ रहा है। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) का लोगो और राष्ट्रीय प्रतीक को रोवर के पहियों पर उकेरा गया है, ताकि जब यह चारों ओर घूमे तो अपनी छाप छोड़ सके। उन्नीकृष्णन के अनुसार, रोवर के सौर पैनल और लैंडर के सौर पैनल खोल दिए गए हैं। उन्होंने कहा कि रोवर चंद्रमा के नमूने एकत्र करेगा और प्रयोग करेगा और डेटा लैंडर को भेजेगा। यह पूछे जाने पर कि क्या लैंडर योजना के अनुसार उतरा है या इसमें कोई भिन्नता है, उन्नीकृष्णन ने कहा कि मौजूदा उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार, सब कुछ योजना के ■ शेष पृष्ठ 7 पर

सोरेन ईडी के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट पहुंचे

रांची, एजेंसी। झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने ईडी के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में रिट पिटिशन दायर की है। उन्होंने ईडी के समन पर गुरुवार को उसके रांची स्थित जोनल ऑफिस में उपस्थित होने के बजाय इसकी सूचना मैसेंजर के जरिए भिजवा दी है। अभी यह पता नहीं हो पाया है कि उन्होंने ईडी के समन को चुनौती दी है या उसकी पूरी कार्रवाई पर सवाल उठाया है। हेमंत सोरेन के रुख से यह जरूर साफ हो गया है कि वे जांच एजेंसी के साथ अब आर-पार की लड़ाई के लिए तैयार हैं।

इसके पहले ईडी ने जब उन्हें 14 अगस्त को हाजिर होने का समन भेजा था, तब उन्होंने इसके जवाब में ईडी के असिस्टेंट डायरेक्टर देवव्रत झा को लिखे पत्र में कहा था कि आप और आपके पॉलिटिकल मास्टर अच्छी तरह जानते हैं कि मुख्यमंत्री को 15 अगस्त को ध्वजारोहण करना होता है। इसकी तैयारी एक सप्ताह पहले से शुरू हो जाती है। यह जानने के बावजूद 14 अगस्त को बुलाया गया। इससे साफ है कि जानबूझकर न सिर्फ उनकी बल्कि लोकतांत्रिक रूप से चुनी गई सरकार और झारखंड के लोगों की प्रतिष्ठा धूमिल करने की कोशिश की जा रही है। उन्होंने ईडी की ओर से भेजे गए समन वापस लेने को कहा था। सीएम ने पत्र में लिखा था कि ऐसा न होने पर वे कानून का सहारा लेने को बाध्य होंगे। सोरेन के इस पत्र के बाद ईडी ने उन्हें दूसरा समन भेजते हुए 24 अगस्त यानी गुरुवार को उपस्थित होने के लिए कहा था। ईडी ने समन में कहा है कि वह ■ शेष पृष्ठ 7 पर

कावेरी विवाद : कर्नाटक सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में तमिलनाडु की याचिका को गलत बताया

नई दिल्ली,एजेंसी। कर्नाटक सरकार ने गुरुवार को सुप्रीम कोर्ट को बताया कि कावेरी नदी से पानी छोड़ने की मांग करने वाली तमिलनाडु सरकार की याचिका को पूरी तरह से गलत है, क्योंकि यह गलत धारणा पर आधारित है कि यह जलवर्ष सामान्य है, न कि संकटग्रस्त जलवर्ष। कर्नाटक सरकार ने सुप्रीम कोर्ट के समक्ष कहा कि वह सामान्य जलवर्ष के लिए निर्धारित पानी सुनिश्चित करने के लिए बाध्य नहीं है, क्योंकि दक्षिण-पश्चिम मानसून की विफलता के कारण कावेरी बेसिन में संकट की स्थिति पैदा हो गई है।

सार-समाचार

झूलेलाल चालिहा का समापन आज

सागर, देशबन्धु। सिंधी कॉलोनी में चल रहे वरुण अवतार भगवान झूलेलाल चालिहा उत्सव के दौरान 40 दिनों तक सिंधी समाज सुबह और शाम के समय भगवान झूलेलाल की आरती और पूजन अरदास करता रहा। आज चालिहा के समापन पर निकलेगी भव्य शोभायात्रा। संस्थापक लालचंद मेठवानी, मंडली अध्यक्ष दयाराम बहरानी, उपाध्यक्ष प्रेम प्रथ्यानी ने बताया की सिंधी समाज में चालिहा उत्सव महामहोत्सव 40 दिनों तक सिंधी कॉलोनी में धूम मची रही। 40 दिन तक उपवास कर भगवान की आराधना और आस्था कुंड का जल समाज के लोग घरों व दुकानों में छिड़कते रहे जिससे धन धान्य की कमी नहीं रहे। 40 दिनों का उपवास नियम भी काफी कठिन है। उत्सव के दौरान दोनों समय पूरा समाज मंदिर में एकत्र होता है और साज सज्जा कर आरती और पूजन होता है। चालिहा हाल में प्रात: 8 बजे से विभिन्न जोड़ों की उपस्थिति में समाज के पं शिवा शर्मा के मंत्रोच्चारण के मध्य हवन यज्ञ आयोजित होगा। पश्चात सुबह 9 बजे से भगवान श्री झूलेलाल का चल समारोह बहराणा साहब बैंड बाजे एवं सिंध की शहनाई की मधुर सुरलहरियों व डमरू दल के मध्य सिंधी कॉलोनी से विभिन्न मार्गों से होकर माता बहनों की कलश यात्रा के साथ बहराणा साहिब की शोभायात्रा निकाली जाएगी। दोप 12 बजे अखंड ज्योति बहराणा साहिब की शोभायात्रा नया बाजार जाएगी वहां सभी सिंधी समाज के व्यपारीजन अखंड ज्योति के दर्शन करेंगे। लालाराम मेठवानी द्वारा पल्लव व अरदास होगी सभी सिंधी समाज से निवेदन है समय का विशेष ध्यान रखे। वहां से अखंड ज्योति को चितौरा नदी में विसर्जित किया जायेगा।

श्रद्धालुओं ने किया पूजन अभिषेक

सागर, देशबन्धु। पशुपतिनाथ मंदिर में चल रहे पार्थिव शिवलिंग निर्माण और पूजन अभिषेक कार्यक्रम के चतुर्थ दिवस बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने शामिल होकर रुद्रीनिर्माण एवं पूजन अभिषेक किया। पं. शिवप्रसाद तिवारी ने बताया कि गुरुवार को बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने रूद्री निर्माण और पूजन अभिषेक किया पार्थिव शिवलिंग निर्माण का समय सुबह 8 बजे से 11 बजे और पूजन अभिषेक का समय 11.30 बजे से 1 बजे तक है। शिवलिंग निर्माण और पूजन अभिषेक में केपी गांधी, राघवेंद्र सिंह राजपूत, सुजीत सिंह ठाकुर, गुड्डू साह, प्रदीप तिवारी, कमल सोनी, राधा दुबे, आभा नायक, मनीषा गांधी, सीमा तिवारी, पिंकी गुप्ता सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित थे।

पीएमएफएमई अंतर्गत प्रशिक्षण कार्यक्रम संपन्न

बण्डा, देशबन्धु। उद्यानिकी तथा खाद्य प्रसंस्करण विभाग अंतर्गत प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य उद्यम उन्नयन योजना अंतर्गत प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन शेनसव एज्यूकेयर लिमिटेड कंपनी द्वारा आयोजित किया गया। जिसमें बण्डा एवं शाहगढ राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के स्व सहायता समूह सम्मिलित हुए, उपरोक्त योजना अंतर्गत स्वरोजगार हेतु ऋण सुविधा उपलब्ध कराई गई। प्रशिक्षक के रूप में उद्यानिकी विभाग से सावन कनौजें एवं संस्था मास्टर ट्रेनर्स रूपेश रोशन खरे उपस्थित रहे। श्री कनौजे द्वारा योजना की विस्तृत जानकारी दी गई। उन्होंने बताया कि भारत सरकार द्वारा आत्मनिर्भर अभियान के तहत इस योजना को शुरू किया गया है इसका उद्देश्य खाद्य प्रसंकरण उद्योग के संगठित क्षेत्र में मौजूद व्यक्तिगत सूक्ष्म उद्योगों की प्रतिस्पर्धा को बढ़ाना है इस योजना में लाभान्वित हितग्राहियों को विभाग द्वारा पूर्ण सहयोग एवं समय-समय पर प्रशिक्षण दिए जाएंगे। इस योजना का लाभ कृषक सहायता समूह एनजीओ एवं व्यक्तिगत दिया जाता है खरे द्वारा योजना अंतर्गत आवेदन की प्रक्रिया एवं दस्तावेज संबंधी जानकारी दी गई प्रशिक्षण कार्यक्रम में स्व सहायता समूहो एवं व्यक्तिगत ऋण प्राप्त हितग्राही एवं संस्था समन्वयक राहुल भाईजी एवं दीपेन्द्र सिंह, ज्योति साहू आदि उपस्थित रहे।

तहसील कार्यालय में भारी भ्रष्टाचार, अधिवक्ता एवं जनता परेशान

बण्डा, देशबन्धु। तहसील कार्यालय जाने वाली आम जनता एवं अधिवक्ता तहसील कार्यालय के विभागों में भ्रष्टाचार के चलते काफी परेशान हैं आज हद उस समय हुई जब तहसील कार्यालय में न ही अनु. अधिकारी उपस्थित थे जो की शाहगढ़ गए हुए थे और बंडा तहसीलदार अस्वस्थ के चलते तहसील कार्यालय में उपस्थित नहीं मिली जिसके कारण तहसील कार्यालय में विभागीय कर्मचारी मनमानी पर उतारू है आम जनता एवं अधिवक्ताओं से पैसों की मांग की जाती है और तो और तहसील कार्यालय के एक बाबू सौरभ पचौरी ने अधिवक्ता के साथ अभद्रता की जिससे अधिवक्ता गण भड़क गए और बंडा न्यायालय के समस्त अधिवक्ता एकत्रित होकर तहसील कार्यालय पहुंचे और जमकर नारेबाजी की अधिवक्ताओं के साथ यह हाल है तो आम जनता के साथ कैसा हाल होता होगा अधिवक्ता संघ अध्यक्ष सीके मिश्रा के साथ आये अधिवक्ताओं ने चेतावनी दी है कि यदि शीघ्र ही कार्यशैली नहीं सुधारी गई और भ्रष्टाचार पर रोक नहीं लगाई गई तो तहसील कार्यालय के अधिकारियों के खिलाफ आंदोलन के लिए बाध्य होंगे। अधिवक्ता अफजल वेग, हरिओम स्वरूप चतुर्वेदी, धर्मेंद्र पांडे एवं अन्य अधिवक्ताओं ने जानकारी देते हुए बताया कि जब भी कोई अधिवक्ता न्यायालय के किसी भी काम के लिए कर्मचारियों के पास जाते हैं जो कि तहसीलदार एवं एसडीएम कोर्ट से संबंधित कार्य रहते हैं तो कर्मचारियों द्वारा पैसों की मांग की जाती है जिससे अधिवक्ता एवं उनके पक्षकार दोनों काफी परेशान होते हैं। बगैर पैसे लिए तहसील कार्यालय में एसडीएम कार्यालय में पदस्थ कर्मचारी, तहसील कार्यालय में पदस्थ सौरभ पचौरी द्वारा कोई भी कार्य आम जनता तो ठीक वकीलों के भी नहीं किया जा रहे जिससे आम जनता एवं वकील काफी परेशान है। तहसील परिसर में पदस्थ कर्मचारियों द्वारा तहसील परिसर में आने वाले पक्षकारों से अभद्रता एवं पैसों की मांग की जाती है। ज्ञापन सौंपने आए रासबिहारी श्रीवास्तव, राघवेंद्र मिश्रा, पीडी तिवारी, राजेंद्र तिवारी, अशोक पांडे, भरत अग्निहोत्री, भानु गौर, भूपेंद्र राजपूत, नीरज मिश्रा, राजुल अग्निहोत्री सहित बड़ी संख्या में अधिवक्ता उपस्थित रहे।

भगवान भोलेनाथ सपरिवार और भगवान लव कुश की प्राण प्रतिष्ठा का हुआ शुभारंभ

सवा करोड़ की लागत से बांदकपुर के जागेश्वर धाम की तर्ज पर बड़े महादेव मंदिर का हुआ है नवनिर्माण

जैसीनगर, देशबन्धु। क्षेत्र का सबसे प्राचीन और प्रसिद्ध बड़े महादेव मंदिर का नव निर्माण कर मंत्री गोविंद सिंह राजपूत, हीरा सिंह राजपूत और क्षेत्रवासियों के सहयोग से पूरा हो गया है और अब मंदिर में भगवान भोलेनाथ सपरिवार और भगवान लवकुश की प्राण प्रतिष्ठा का समारोह प्रारंभ हो गया है, वहीं दोपहर के समय श्री गणेश पूजन के साथ ही भव्य कलश यात्रा जैसीनगर बड़े महादेव मंदिर से गाजे बाजे अखाड़े के साथ प्रारंभ हुई। कलश यात्रा ने पूरे जैसीनगर का भ्रमण किया। नगर वासियों ने भी पुष्प वर्षा कर कलश यात्रा का स्वागत किया। कलश यात्रा में जिला पंचायत अध्यक्ष हीरा सिंह राजपूत भी शामिल हुए वही कथा वाचक नवीन बिहारी के मुखारविंद से पंचामृत कथा का शुभारंभ हुआ। जहां बड़ी संख्या में महिला पुरुष श्रद्धालुओं ने उपस्थित होकर कथा का श्रवण किया। हीरा सिंह राजपूत ने कहा कि लोगों की भावनाओं को ध्यान में रखकर यह कार्य किया है साथ ही उन्होंने कहा कि अब तो ऐसा लग रहा है कि यही वस जाए। बता दें कि मंत्री गोविंद सिंह राजपूत और हीरा सिंह राजपूत ने बड़े महादेव मंदिर के कार्यकाल का संकल्प लिया था लगभग 33 महीने बाद मंदिर बनकर तैयार हो गया। मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा महंत रेवा दास बाबा के सानिध्य में यज्ञआचार्य बलराम शास्त्री ओरिया के निर्देशन में किया जा रहा है। पंचामृत कथा पं. विपिन बिहारी और शिव पुराण कथा पं. नवीन बिहारी के मुखारविंद से की जा रही है।

भाजपा की रीति नीति ही जनमानस की सेवा: यश अग्रवाल

सागर, देशबन्धु। भाजयुमो द्वारा जिले की आठों विधानसभा में भाजयुमो जिला अध्यक्ष यश अग्रवाल के नेतृत्व में आज से सदस्यता अभियान शुरू करने जा रही है। इसके तहत नवमतदाताओं को भाजपा की रीति नीतियों और जनकल्याणकारी योजनाओं से अवगत कराया जाएगा। वहीं संगठन में शामिल कर टीम को और मजबूत किया जाएगा। यश अग्रवाल ने बताया कि युवा मोर्चा, संगठन वो कड़ी हैं, जो दूर दराज के बूथ स्तर पर पहुंचकर संगठन को मजबूत करने का काम करने में अहम भूमिका निभा रही है। अब मोर्चा का एक-एक कार्यकर्ता की जिम्मेदारी है कि संगठन विस्तार के साथ अपने-अपने क्षेत्रों के बूथ को और सशक्त करें। भाजपा की रीति नीति ही जनमानस की सेवा है। इस दिशा में हम सभी युवा कार्यकर्ताओं और पदाधिकारी को मेहनत के साथ काम करना हैं। पं. दीनदयाल उपाध्याय, श्यामा प्रसाद मुखर्जी और कुशाभाऊ ठाकरे कहते है कि व्यक्ति नहीं विचार हमारे लिए महत्वपूर्ण हैं। सभी ने सम्पूर्ण जीवन संगठन को गढ़ने व मजबूत करने में बिताया है। अब हम सभी की बारी है कि उन सभी के द्वारा दी गई प्रेरणा को आगे बढ़ाएं और संगठन को मजबूत करें। पार्टी ने जो भी जिम्मेदारियां हम सभी को दी हैं, उसे ईमानदारी, परिश्रम और सेवाभाव से पूरा करना ही हमारा एक मात्र लक्ष्य है।

मिठाई दुकानों का किया निरीक्षण

दमोह, देशबन्धु। डीओ खाद्य सुरक्षा प्रशासन राकेश अहिरवाल के मार्गदर्शन में खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम 2006 के अंतर्गत खाद्य सुरक्षा अधिकारी माधवी बुधौलिया ने तेंदूखेड़ा एवं पथरिया नगर में मिठाई एवं नमकीन दुकानों का निरीक्षण किया। निरीक्षण कार्यवाही में तेंदूखेड़ा नगर में थाना रोड स्थित सचिन नेमा खोवा भंडार से खोवा, बस स्टैंड स्थित राजा मिष्ठान भंडार से मावा बर्फी एवं गठिया नमकीन, पथरिया नगर में संजय चौराहा स्थित चौरसिया स्वीट्स से खोवा पेड़ा एवं गोपाल स्वीट्स से कलाकंद के नमूनें जांच हेतु लिए। इन मिठाइयों एवं नमकीन के नमूनों को गुणवत्ता परीक्षण हेतु राज्य खाद्य परीक्षण प्रयोगशाला भोपाल भेजा गया है। जांच रिपोर्ट प्राप्त होने पर नियमानुसार वैधानिक कार्यवाही की जाएगी। मौके पर परिसर में संग्रहित खोवा, मिठाइयों, नमकीन की गुणवत्ता की जांच मैजिक बॉक्स की सहायता से की गई।

चन्द्रापुर एवं रेडोन मालगुजारी में बनेगा कुशवाहा समाज का सामुदायिक भवन

बांदरी, देशबन्धु। मंत्री भूपेन्द्र सिंह लगातार बांदरी क्षेत्र में विकास कार्य करा रहे हैं उनका उद्देश्य है कि सभी वार्ड, ग्रामों में सड़क, पानी की व्यवस्था हो, बच्चों को अच्छी शिक्षा मिले इसलिए स्कूलें, आंगनवाड़ी खोले जा रहे हैं। क्योंकि बच्चे देश का भविष्य हैं, इसलिए बांदरी में सीएम राइज स्कूल की सौगात दी है। सीएम राइज स्कूल में छात्रों को उच्चस्तरीय शिक्षा प्रदान की जा रही है। यह बात जिला पंचायत सागर की पूर्व उपाध्यक्ष सरोज सिंह ने बांदरी के विभिन्न स्थानों पर आयोजित कार्यक्रम में कही। सरोज सिंह ने बांदरी के विद्रासन, चन्द्रापुर, गढ़ौलागुसाई, खड़ौआ, रजौआ एवं रेडोन मालगुजारी में विभिन्न विकास कार्यों के भूमिपूजन किए। कुशवाहा समाज के दो सामुदायिक भवनों का भी आज भूमिपूजन किया गया। जल्द ही यह भवन बनकर तैयार हो जाएगा और आप सभी इसमें सामाजिक कार्यक्रम कर सकेंगे। विदवासन में श्री हनुमान मंदिर के पास सामुदायिक भवन निर्माण, चन्द्रापुर में कुशवाहा समाज के सामुदायिक भवन निर्माण, गढ़ौला गुसाई में प्रजापति समाज के सामुदायिक भवन निर्माण, खड़ौआ में देवीजी मंदिर के पास चबूतरा निर्माण, रजौआ के रविदास मंदिर के पास चबूतरा निर्माण कार्य एवं रेडोनमालगुजारी में कुशवाहा समाज के सामुदायिक भवन निर्माण कार्य का भूमिपूजन किया।

विश्वास से प्राप्त होती है सिद्धि: श्री सिंह

सागर, देशबन्धु। सरस्वती पुस्तकालय एवं वाचनालय ट्रस्ट तीनबत्ती द्वारा तुलसी जयंती समारोह का आयोजन वाचनालय के स्वराज सभागार में आयोजित किया। जिसमें मुख्य वक्ता प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश अरूण कुमार सिंह रहे। कार्यक्रम की शुरूआत में अतिथियों द्वारा मां सरस्वती की प्रतिमा एवं गोस्वामी तुलसी दास की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया एवं दीप प्रज्वल किया। डॉ. अजंना चतुर्वेदी द्वारा मॉ सरस्वती की वंदना प्रस्तुत की गयी। संस्था के सचिव शुकदेव प्रसाद तिवारी ने वाचनालय के इतिहास एवं साहित्य के प्रति वाचनालय द्वारा किये जा रहे कार्यों का विवरण रखा, प्रो. सुरेश आचार्य ने रामायण एवं तुलसीदास के विषय में विचार प्रस्तुत किए। मुख्य वक्ता श्री सिंह ने गोस्वामी तुलसी दास के बारे में विचार रखे। उन्होंने बताया कि विश्वास से प्राप्त होती है सिद्धि, गोस्वामी जी का राम के प्रति विश्वास ही उन्हें इस मुकाम तक ले आया, गोस्वामी तुलसी दास और अकबर के प्रसंग का वर्णन किया, किस तरह उन्होंने अकबर के दरबार में हाजिरी लगाने से मना कर अपनी राम भक्ति का परिचय दिया। श्री सिंह ने कई उदाहरणों के माध्यमों से राम भक्ति और तुलसीदास के बारे में ओजस्वी उद्बोधन दिये। अध्यक्षीय भाषण में संस्था के अध्यक्ष श्री सिलाकारी ने बताया की पहली बार तुलसीदास ने हिन्दी रामायण लिखी, जिसमें पूर्ण रूप से व्याकरण का पालन किया गया। आपने तुलसीदास पर विचार रखे और संस्था के आगामी कार्यक्रमों की जानकारी दी। इस अवसर पर वरिष्ठ अधिवक्ता कृष्णवीर सिंह ठाकुर, अन्नी दुबे, टीकाराम त्रिपाठी, पूरन सिंह राजपूत, मुकेश तिवारी, कवि कुमार सागर, शरद सिंह, लक्ष्मी पाण्डेय, जीएल छत्रसाल, डीएन चौबे, लक्ष्मीनारयण चौरसिया आदि उपस्थित थे।

स्कूटी मिलते ही खिल उठी छात्रा के चेहरे की मुस्कान

गौरझामर, देशबन्धु। मप्र शासन की ओर से पहली बार प्रत्येक शासकीय विद्यालय में 12वीं बोर्ड परीक्षा में प्रथम स्थान पाने वाले एक-एक छात्र-छात्रा को स्कूटी प्रदान करने की योजना शासन द्वारा इलेक्ट्रिक स्कूटी के लिए अधिकतम 1 लाख 20 हजार रुपए और पेट्रोल वाली स्कूटी के लिए 90 हजार रुपए निर्धारित किए है। इस योजना का उद्देश्य बच्चों को शिक्षा के लिए प्रोत्साहित करना है ताकि विद्यार्थियों को स्कूल आने जाने में परेशानी न हो गौरझामर में 2 विद्यार्थियों को स्कूटी प्रदान की गई। कन्या उच्च. माध्य. विद्यालय गौरझामर में कक्षा 12वीं की छात्रा अनुष्का लोधी पिता अमरजीत सिंह लोधी निवासी गौरझामर ने गणित विषय से बोर्ड परीक्षा में 93.8 प्रतिशत अंक प्राप्त किए थे। अनुष्का लोधी ने क्षेत्र का नाम रोशन किया मुख्यमंत्री ई स्कूटी में चयन हुआ था और उन्होंने स्कूटी खरीदी खुशी जाहिर करते हुए मेहनत और लगन से पढ़ाई करने की गुजारिश छात्र छात्राओं की, गाड़ी खरीदते समय बड़ी संख्या में छात्र छात्राएं और दर्जनों ग्रामीणों की उपस्थिति रहे।

महाविद्यालय में राष्ट्रीय वेबिनार का आयोजन

राहतगढ़, देशबन्धु। शास. महाविद्यालय में प्राचार्य डॉ. चंदनसिंह सागर के समन्वय में योग और स्वास्थ्य विषय पर राष्ट्रीय वेबिनार का आयोजन किया गया। ऑनलाइन के माध्यम से 270 विद्यार्थियों ने पंजीयन कराकर वेबिनार कार्यक्रम से जुड़े। इस मौके पर संभागीय अतिरिक्त संचालक जीपी चौधरी, आर्ट एंड कॉमर्स कॉलेज प्राचार्य डॉ. संजीव, डॉ. नीरज दुबे, भावना यादव, जनभागीदारी अध्यक्ष कौशलकिशोर कन्हौआ, डॉ. विनोद सनोदिया, निधि नगाइच, ऋतु व्यास मौजूद थे।

नि:शुल्क स्वास्थ्य शिविर में 2750 लोगों का परीक्षण कर औषधि बांटी

मालथौन, देशबन्धु। नि:शुल्क स्वास्थ्य शिविर में 15 विशेषज्ञ डाक्टरों टीम ने मालथौन क्षेत्र के नागरिकों की जांच कर उनका उपचार किया। शिविर में 2750 लोगों का रजिस्ट्रेशन किया गया। जिसमें 2612 लोगों को नि:शुल्क दवाईयां वितरित की गई। लगभग 1100 लोगों का ब्लड शुगर, 254 लोगों की ईसीजी, 45 लोगों की ईको, 172 लोगों की सोनोग्राफी और 45 लोगों यूरोफ्लोमट्री की जांच की गई।

संत गोस्वामी तुलसीदास जयंती मनायी गई

खुरई, देशबन्धु। रामचरित्र मानस के रचेता संत गोस्वमी तुलसीदास जयंती पर पूजन अर्चन महंत शिवपूजन दास के कर कमलों द्वारा धर्म ध्वजा फहराई गई एवं नगर पालिका अध्यक्षा नन्नी बाई ने पूजन कर दीप प्रज्वलित कर मुख्य अतिथ्य में श्रीमानस संकीर्तन रामायण मंडल पठार के सभी सदस्यों ने पूजन पश्चात जनमानस प्रबुद्धजनों के समक्ष कार्यक्रम को गति प्रदान की। मंडल की तरफ से उमाशंकर असाटी, जय स्वरूप सोनी, गुरभेज सिंह हुड्डा, मनोज चौबे, एसएल साहू, कमला नायक राष्ट्रपति पुरूस्कार प्राप्त, पूर्व नपा अध्यक्ष इंद्र कुमार राय आदि ने धर्म सभा को संबोधित किया। अक्ष्यक्षीय उदबोधन में नन्नीबाई नपा अध्यक्ष ने संस्कार और सेवा पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम का संचालन प्रेमनारायण तिवारी ने किया। आभार श्रीवल्लभ ताम्रकार ने श्रीमानस संकीर्तन रामायण मंडल पठार की ओर से किया। संत गोस्वामी तुलसीदास मंदिर डोहला प्रांगण में तुलसीदास जयंती मनाते हुए छोटा बड़ा मझोला कार्यक्रम करते अस्सी वर्ष करीब श्रीमानस संकीर्तन रामायण मंडल खुरई को हो गए। प्रत्येक मंगलवार को श्री सिद्धि सागर हनुमान मंदिर पठार पर व समय समय पर नगर के मंदिरों पर अपनी दस्तक मंडल देता रहता है।

कर्मचारी संघों के आवाहन पर चरणबद्ध आंदोलन में नगर निगम के अधिकारी कर्मचारी अपना समर्थन देंगे

सागर, देशबन्धु। मप्र के विभिन्न विभागों में कार्यरत अधिकारी कर्मचारियों की मांगों के निराकरण के लिए मप्र अधिकारी कर्मचारी संयुक्त मोर्चा एवं 6 कर्मचारी संगठनों के संयुक्त मंच के आवाहन पर किए जा रहे चरणबद्ध आंदोलन में नगर निगम का संयुक्त कर्मचारी कल्याण मोर्चा एवं नगर पालिका नगर निगम कर्मचारी संघ भी अपना समर्थन देगा। नगर पालिका नगर निगम कर्मचारी संघ के प्रांतीय सचिव राजेश सिंह, संरक्षक पं. माधव प्रसाद कटारे एवं संयुक्त कर्मचारी कल्याण मोर्चा के अध्यक्ष कृष्ण कुमार चौरसिया ने बताया कि मप्र अधिकारी कर्मचारी संघ द्वारा कर्मचारियों की विभिन्न लंबित मांगों के निराकरण के लिए पूरे प्रदेश में एक साथ चरणबद्ध आंदोलन किया जा रहा है। नगर निगम, नगर पालिका कर्मचारियों की मांगों के निराकरण के लिए नगर निगम कर्मचारी संघ अपना समर्थन देते हुए 25 अगस्त को नगर निगम के सभी अधिकारी कर्मचारी सामूहिक अवकाश लेकर अपना समर्थन देंगे। इसके अलावा कर्मचारी संघों द्वारा सभी चरणों में किए जा रहे आंदोलन में शामिल होंगे।

मतदाता जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन

बीना, देशबन्धु। पीजी कॉलेज में चंद्रयान.3 की सफलता का जश्न पूरे उत्साह के साथ मनाया गया। इस अवसर पर प्राचार्य डॉ. रेखा बरेठिया ने कहा कि चंद्रयान.3 की सफलता से इसरो के वैज्ञानिकों ने भारत का सिर गर्व से ऊंचा उठाया है। पीजी कॉलेज के साथ ही कन्या महाविद्यालय में मतदाता जागरूकता अभियान को लेकर कार्यक्रम आयोजित किए गए। मतदाता जागरूकता अभियान के तहत मानव श्रृंखला महाविद्यालय स्टॉफ और विद्यार्थियों के साथ बनाई गई। मतदाता जागरूकता के लिए महाविद्यालय से रैली निकाली गई। प्राचार्य ने सभी से कहा कि सभी अपने वोटर कार्ड जरूर बनवाएं। बीना के शासकीय कन्या महाविद्यालय में स्वीप प्लान मतदाता जागरूकता के अंतर्गत प्रेरणात्मक कार्यक्रम हुआ। जिसमें आगामी विधानसभा में चुनाव, शत प्रतिशत पंजीयन एवं मतदान जागरूकता विषय पर आयोजित किया गया। इस अवसर पर प्राचार्य डॉ. चंदा रत्नाकर ने कहा कि अपने मत का प्रयोग करना हमारा सर्वप्रथम कर्तव्य है। आपको अपने परिवार एवं पड़ोस के एक-एक सदस्य को मतदान के लिए प्रेरित करना है, ताकि शत-प्रतिशत मतदान हो सके। नोडल अधिकारी डॉ. उमा लवानिया ने कहा कि मतदान भी एक उत्सव है। जिसमें हम सभी को अपनी भागीदारी देना है। हमें देखना है कि कोई भी 18 वर्ष से अधिक आयु वाला नागरिक वोट डालने से वंचित न रह जाए इसलिए सबसे पहले एक-एक नागरिक का पंजीयन कराना बहुत जरूरी है। जिसका दायित्व आपके कंधों पर है। प्रभारी डॉ. निशा जैन ने कहा कि युवा पीढ़ी में परिवर्तन की ताकत है। इसलिए जरूरी है कि आप जागरूक रहें और दूसरों को भी जागरूक कर अपने समाज एवं देश में सकारात्मक परिवर्तन की अलख जगाएं। जो सफल मतदान से संभव है। डॉ. रश्मि द्विवेदी ने कहा कि जागरूकता फैलाने के लिए पहले स्वयं को जिज्ञासु प्रवृत्ति का होना चाहिए ताकि आप पूरी प्रक्रिया को समझें एवं फिर उसका सही तरीके से प्रचार प्रसार करें। दीप माला सिंह ने कहा कि अपने वोट की ताकत को पहचानों और अपना मनचाहा प्रतिनिधि का चयन करो। इस मौके पर डॉ. एमएन श्रीवास्तव, रंजना पंथी, विनोद रजक सहित महाविद्यालय स्टाफ उपस्थित रहा।

खुरई में कथा स्थल का कलेक्टर, एसपी ने निरीक्षण किया

सागर, देशबन्धु। खुरई में आगामी 6 सितंबर से होने वाले बागेश्वरधाम पीठाधीश्वर पं. धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री के तीन दिवसीय कथा आयोजन स्थल की व्यवस्थाओं को लेकर कलेक्टर दीपक आर्य, पुलिस अधीक्षक अभिषेक तिवारी ने जनप्रतिनिधियों के साथ स्थल निरीक्षण किया। निरीक्षण दल ने बारिश के मौसम के अनुकूल पंडाल व्यवस्था, विभिन्न स्थलों पर 6 पार्किंग जोन, अस्थाई अस्पताल, एंबुलेंस, डॉक्टर, पैरामेडिकल स्टाफ के साथ फायर ब्रिगेड, पेयजल व्यवस्था, अस्थाई शौचालय, आवासीय व्यवस्था व आवागमन रूट निर्धारण संबंधी विभिन्न बिंदुओं पर विचार विनिमय किया और रूपरेखा तैयार की। कलेक्टर ने तीन दिन चलने वाली कथा स्थल पर आवश्यक मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराने के निर्देश अधिकारियों को दिए। उन्होंने निर्देश दिए कि संपूर्ण कथा पार्किंग एवं भोजन पर पेयजल की समुचित व्यवस्था की जावे। निरीक्षण दल को बताया गया कि आयोजन स्थल पर 25 एकड़ से अधिक भूमि उपलब्ध होगी। इसके अतिरिक्त नजदीकी स्थानों पर भी पार्किंग एरिया की उपलब्धता सुनिश्चित की जाएगी। लाखों श्रद्धालुओं के एक साथ बैठने के लिए डोम व पंडालों की व्यवस्था की जाएगी। इस आयोजन के लिए जिला प्रशासन व जनप्रतिनिधियो की अभी कई बैठकें निरंतर होंगी, जिनमें व्यवस्थाओं को अंतिम रूप दिया जाएगा ताकि आयोजन को सुव्यवस्थित व ऐतिहासिक बनाया जा सके। पुलिस अधीक्षक अभिषेक तिवारी ने कहा कि संपूर्ण कथा स्थल पर अतिरिक्त पुलिस बल तैनात रहेगा एवं जगह-जगह पर सीसीटीवी कैमरे एवं ड्रोन के माध्यम से लगातार निगरानी की जाती रहेगी। निरीक्षण के दौरान मंत्री प्रतिनिधि लखन सिंह, ओएसडी राजेंद्र सिंह सेंगर, मुख्य नगर पालिका अधिकारी दुर्गेश सिंह, एसडीएम रवीश श्रीवास्तव, एडीशनल एसपी, जनपद सीईओ, ईई पीडब्ल्यूडी, ईई एपीईबी, एसडीओपी, तहसीलदार सहित सभी संबंधित विभागों के अधिकारी शामिल थे।

सार समाचार

अवनेश को मिली अनुकंपा नियुक्ति

छतरपुर, देशबन्धु। प्रदेश भर में छतरपुर जिला प्रशासन उदाहरण बनकर उभरा है। जहाँ नई ऊर्जा और सकारात्मक संकल्पों की राह ने अनुकंपा नियुक्ति की उम्मीद लगाए चेहरों पर खुशियां बिखर रहीं हैं। कलेक्टर संदीप जी.आर. का अनूठा नवाचार जिसमें पूर्व में शिविर लगाकर 1 ही दिन में पात्र व्यक्तियों के अनुकंपा नियुक्तियों का निराकरण कर नौकरियां दी गई हैं। तो वहीं कलेक्टर श्री जी.आर. के निर्देश पर जिला शिक्षा अधिकारी एम.के. कोटार्य द्वारा 1 प्रकरण का निराकरण कर पात्रतानुसार शिक्षा विभाग में भृत्य के पद पर अवनेश सोनी को शा.उ.उ.मा.वि.क्र. 1 छतरपुर में अनुकंपा नियुक्ति का पत्र जारी किया गया है।

कलेक्टर श्री जी.आर. ने कलेक्ट्रेट छतरपुर में अवनेश सोनी को अनुकम्पा नियुक्ति का प्रमाण पत्र सौंपा और अच्छा कार्य करने की शुभकामनाएं दी। अवनेश सोनी ने भी नौकरी मिलने पर शासन-प्रशासन का आभार जताया है।

उल्लेखनीय है की इसके पहले शिविर के माध्यम से 18 लोगों को अनुकम्पा नियुक्ति मिल चुकी है। इसके बाद 4 आवेदकों को और अब 1 आवेदक को अनुकम्पा मिलने पर कुल अभी तक 23 प्रकरणों का निराकरण कर नियुक्तियां दी जा चुकी है। नियुक्ति मिलने पर सभी के चेहरों से उम्मीद की किरण खुशियों में बदल गई है।

पंप चोरी करने वाले 2 युवक पकड़ाये

छतरपुर, देशबन्धु। वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देशन और मार्गदर्शन में सटई थाना पुलिस ने खेत से पंप चोरी करने वाले दो चोरों को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। पकड़े गए चोरों के पास से चोरी का पंप भी बरामद कर लिया गया है। पुलिस ने दोनों युवकों को गिरफ्तार कर बिजावर न्यायालय में पेश किया।सटई थाना प्रभारी आदेश जैन ने बताया कि 23 अगस्त को ग्राम ज्वाना निवासी मन्नी पुत्र पंगा अहिरवार ने रिपोर्ट दर्ज कराई थी उसके खेत पर लगा 5 हॉर्सपावर का पंप अज्ञात के द्वारा चोरी कर लिया गया है। मन्नी की रिपोर्ट पर पुलिस ने धारा 379 के तहत मामला पंजीबद्ध कर विवेचना शुरू की।

प्रत्याशी बदलने की मांग को लेकर चौरसिया समाज ने मुख्यमंत्री से की भेंट

महाराजपुर विधानसभा टिकट को लेकर सियासत तेज

नौगांव, देशबन्धु। *महाराजपुर विधानसभा में भाजपा से घोषित प्रत्याशी कामख्या प्रताप सिंह के विरोध में भाजपा का अंदरूनी कलह बाहर निकल कर आने लगा है। पार्टी कार्यकर्ताओं के बाद अब चौरसिया समाज भी पार्टी के निर्णय खिलाफ हो गया है। चौरसिया समाज ने गुरुवार को मुख्यमंत्री शिवराज सिंह और राष्ट्रीय महासचिव कैलाश विजयवर्गीय से मुलाकात कर महाराजपुर विधानसभा से प्रत्याशी बदलने की मांग की है।*

मध्यप्रदेश में चुनाव की सरगर्मी तेज होते ही भाजपा से टिकट पाने वाले उम्मीदवारों का विरोध शुरू हो गया है। भाजपा ने महाराजपुर विधानसभा से पूर्व विधायक एवं मध्यप्रदेश शासन के पूर्व मंत्री मानवेंद्र सिंह भंवर राजा के पुत्र कामाख्या प्रताप सिंह को उम्मीदवार बनाया है। कामाख्या प्रताप सिंह के उम्मीदवार घोषित होते ही क्षेत्र में उनके विरोध के स्वर भी उठने लगे हैं।

मध्यप्रदेश चौरसिया समाज ने मुख्यमंत्री को ज्ञापन देकर महाराजपुर से की टिकट बदलने की मांग की है। चौरसिया समाज मध्यप्रदेश के पूर्व अध्यक्ष केके चौरसिया के नेतृत्व में मुख्यमंत्री शिवराजसिंह चौहान और महासचिव कैलाश विजयवर्गीय से मिला। चौरसिया समाज गुरुवार को भोपाल भाजपा के वरिष्ठ नेताओं से भेंट कर महाराजपुर विधानसभा से उम्मीदवार बदलने की सिफारिस कर रहा है। इस सियासी शतरंज में किसका प्यादा पिटता है और किसकी होगी जीत ये देखना रोचक हो सकता है।

लापरवाही की भेंट चढ़ा प्रशिक्षण

पेड़ो ने नीचे बैठे रहे शिक्षक

छतरपुर, देशबन्धु। राज्य शिक्षा एनसीईआरटी नई दिल्ली के आदेशानुसार नगर के बीआरसीसी कार्यलय में आयोजित दो संकुलों के शिक्षकों को मोबाइल एप ट्रेनिंग, बीआरसीसी की लापरवाही के चलते अव्यवथाओं कि भेंट चढ़ गई है। बताया गया है कि एनसीईआरटी नई दिल्ली के आदेशानुसार शालाओं में अध्ययनरत दिव्यांग बच्चों के विध्यांकन कार्य हेतु तैयार किए गए प्रशस्त मोबाइल एप का प्रत्येक शाला के एक शिक्षक का प्रशिक्षण विकासखंड स्तरीय प्रशिक्षित मास्टर ट्रेनर्स द्वारा प्रदान किया जा रहा है, जिसके तहत विकासखंड स्त्रोत समन्वयक कार्यालय जनपद शिक्षा केंद्र नौगांव में भी एक दिवसीय मोबाइल एप ट्रेनिंग आयोजित की गई। इसमें उत्कृष्ट उच्चतर विद्यालय अलीपुरा संकुल और आदर्श उच्चतर विद्यालय नौगांव संकुल की प्रत्येक शाला से एक-एक शिक्षक को बुलाया गया था। दोनों संकुल के लगभग 60 शिक्षक प्रशिक्षण में शामिल होने पहुंचे लेकिन प्रशिक्षण केन्द्र पर बीआरसीसी अनुराग खरे की लापरवाही के चलते बैठने की व्यवस्था नही मिली और शिक्षकों को भारी परेशानी हुई जिस पर उन्होंने निराशा जाहिर की।

जब शिक्षकों को बैठने की जगह नही मिली तो कुछ शिक्षक किताबों पर बैठे दिखे तो कुछ परिसर के बाहर पेड़ की छाया में। यह भी बताया गया है कि प्रशिक्षण में बीआरसीसी नदारद रहे तथा 5 घंटे के प्रशिक्षण को 1 घंटे में ही खत्म कर दिया गया।

इनका कहना है

आपके माध्यम से जानकारी मिली है, जानकारी जुटाकर लापरवाही करने वालों पर वैधानिक कार्यवाही की जाएगी।

एम.के. कौटार्य, जिला शिक्षा अधिकारी, छतरपुर

मैं फील्ड पर था, प्रशिक्षण पर कम लोगों को बुलाया गया था लेकिन अधिक संख्या में शिक्षक आ गए जिस कारण से परेशानी हुई।

अनुराग खरे, बीआरसीसी, नौगांव

आग से झुलसे युवक की मौत

छतरपुर, देशबन्धु। जिले के महाराजपुर शहर में पिछले दिनों दो हाथ ठेला संचालकों के बीच लेन-देन को लेकर विवाद हुआ था जिसके बाद एक हाथ ठेला संचालक ने स्वयं को आग के हवाले कर दिया था। बुरी तरह झुलसे युवक को महाराजपुर के अस्पताल से छतरपुर जिला अस्पताल और इसके बाद ग्वालियर ले जाया गया जहां गुरूवार को इलाज के दौरान युवक ने दम तोड़ दिया। पुलिस द्वारा इस मामले में विधि सम्मत कार्यवाही किए जाने की बात कही गई है।

प्राप्त जानकारी के मुताबिक महाराजपुर निवासी हरेश चौरसिया नगर में ही हाथ ठेला के माध्यम से फलों का विक्रय कर अपने परिवार का भरण-पोषण करता था। उसकी दुकान के पास ही दूसरा युवक लेखराम सेन भी हाथठेला लगाता था, जिसने कुछ दिन पहले हरेश से फल खरीदे थे, लेकिन पैसे नहीं दिए। मौत से पहले मीडिया को दिए गए बयानों में हरेश ने कहा था कि जब भी वह लेखराम से पैसे मांगता तो लेखराम और उसके साथी विवाद करने लगते। हरेश ने यह भी कहा था कि उसने थाने में भी इसकी शिकायत की थी लेकिन उसकी सुनवाई नहीं हुई। हरेश का कहना था कि उसने लेखराम सेन और उसके साथी कपिल सेन तथा भाजपा नेता रिंकू सेन की प्रताडना से तंग आकर उसने स्वयं को आग लगाई है। करीब एक सप्ताह तक हरेश का विभिन्न अस्पतालों में इलाज चला और इसके बाद गुरूवार की सुबह करीब 4 बजे हरेश ने ग्वालियर के एक अस्पताल में दम तोड़ दिया।

इनका कहना है

पिछले सप्ताह महाराजपुर में दो हाथ ठेला संचालकों के बीच विवाद होने के बाद, एक ने स्वयं को आग लगा ली थी। गुरूवार की सुबह इलाज के दौरान युवक की मौत हो गई है। ग्वालियर से मर्ग डायरी थाने भेजी गई है। चूंकि युवक ने विवाद के बाद यह कदम उठाया था इसलिए मामले में विधि सम्मत कार्यवाही की जाएगी।

अमित सांघी, एसपी, छतरपुर

चंद्रयान 3 की सफलता का जश्न

खजुराहो, देशबन्धु। इसरो का चंद्रयान 3 सफल हाने के साथ ही चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर पहुंचने वाला भारत पहला देश बन गया है। इस सफलता का जश्न पूरे देश में हर जाति, संप्रदाय के लोगो द्वारा उत्साह से मनाया जा रहा है। इसी तारतम्य में स्कूली बच्चे भी पीछे नहीं है। नगर के ग्रीन फील्ड स्कूल के बच्चो ने पेंटिंग प्रोजेक्ट्स और 3-डी मॉडल बनाकर इसरो के सभी वैज्ञानिकों को बधाई दी। वही स्कूल के टीचरों ने इस ऐतिहासिक काम के लिए इसरो कि समस्त वैज्ञानिक टीम व प्रधानमंत्री को शुभकामनाएं और बधाई प्रेषित की। टीचरों ने बताया चंद्रयान-3 की सफलता पूर्वक लैंडिंग होने पर वहां पानी, खनिज, मिनरल्स और मैग्नीशियम मिलने की संभावना है जिससे भारत एक सशक्त शक्तिशाली देश के रूप में विश्व में उभरेगा । इस अवसर पर प्राचार्य फरहान खान, तरन्नुम हाशमी, निदा खान, फैजान व समस्त स्टाफ और स्कूल के बच्चे उपस्थित रहे।

ट्रक ने बस में मारी टक्कर, एक दर्जन लोग घायल हुए

छतरपुर, देशबन्धु। गुरूवार को सागर-कानपुर हाईवे पर गढ़ीमलहरा थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम निवारी के समीप एक भीषण सडक़ दुर्घटना हुई जिसमें आधा दर्जन से अधिक लोग घायल हुए हैं। बताया गया है कि हाईवे पर जा रहा एक ट्रक पहले कार से टकराया और इसके बाद यात्री बस को पीछे से टक्कर मार दी। इसी बीच एक बाईक भी वाहनों की चपेट में आ गई, जिस पर एक महिला सहित तीन लोग सवार थे। घटना के बाद सभी घायलों को स्थानीय लोगों और पुलिस की मदद से जिला अस्पताल भेजा गया।

प्रत्यक्षदर्शी दीनदयाल प्रजापति निवासी निवारी ने बताया कि महाराजपुर से गिरीराज कंपनी की बस क्रमांक एमपी 66 पी 0139 यात्रियों को लेकर छतरपुर आ रही थी और टवेरा कार क्रमांक यूपी 95 डी 5851 छतरपुर से महोबा की ओर जा रही थी। तभी निवारी गांव के समीप बस के पीछे से आ रहे ट्रक क्रमांक एचआर 58 सी 5781 ने पहले टवेरा कार को टक्कर मारी और इसके बाद बस से जा टकराया। इसी बीच बाईक क्रमांक एमपी 16 एमएस 0778 भी वाहनों की चपेट में आ गई। पीछे से टक्कर लगने के कारण बस चालक का संतुलन बिगड़ गया और बस सडक़ से उतरकर किनारे पर लगे पेड़ से टकरा गई। दुर्घटना में करीब एक दर्जन लोग घायल हुए हैं जिनमें से 7 को अधिक चोटें आई हैं। घटना के बाद स्थानीय लोगों ने पुलिस और एंबुलेंस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने स्थानीय लोगों की मदद से घायलों को वाहनों से बाहर निकाला और एंबुलेंस से जिला अस्पताल भेजा, जहां सभी घायलों का इलाज किया गया।

यह हुए घायल : उक्त दुर्घटना में बस सवार नम्रता पत्नी दामोदर चौरसिया उम्र 40 वर्ष निवासी गढ़ीमलहरा, रामभरोसी पुत्र मनुआ अहिरवार उम्र 36 वर्ष निवासी सेंवड़ी, अंशिका चौरसिया पुत्री भानु चौरसिया उम्र 17 वर्ष निवासी महाराजपुर, श्रीमती कस्तूरी पत्नी बालचरण अहिरवार उम्र 55 वर्ष निवासी निवारी सहित एक वृद्ध महिला पुनिया घायल हुई है जो कि बोलने में असमर्थ है। इसके अलावा बाईक सवार बिट्टन राजपूत पुत्र मिट्ठू राजपूत उम्र 33 वर्ष और उसकी पत्नी कमलेश राजूपत और धर्मदास पुत्र सीताराम राजपूत उम्र 22 वर्ष तीनों निवासी खैरई भी घायल हैं।

सूर्यांश का हुआ ओलंपियाड में चयन

लवकुशनगर, देशबन्धु। ओलिंपियाड प्रतियोगिता मैं ओरिजिन पब्लिक स्कूल लवकुश नगर के 5वी के छात्र सूर्यांश अवस्थी ने द्वितीय स्थान पाया। कलेक्टर छतरपुर संदीप जी आर और सीईओ तपस्या परिहर ने छात्र को प्रशस्ति पत्र दिया। स्कूल प्राचार्य ने गिफ्ट देकर छात्र का उत्साह वर्धन किया और स्कूल की डायरेक्टर आशा चतुर्वेदी ने छात्र के उज्जवल भविष्य की कामना की।

घूँघट नहीं डाला तो कर दी मारपीट

हरपालपुर, देशबन्धु। थाना क्षेत्र के ग्राम सरसेड़ में गुरूवार को एक युवक ने गांव की महिला को इसलिए पीट-पीटकर लहूलुहान कर दिया क्योंकि महिला ने उसे देखकर घूंघट नहीं डाला था। घायल महिला को अस्पताल में भर्ती कराया गया है, साथ ही मारपीट करने वाले युवक की शिकायत पुलिस से की गई है।

सरसेड़ निवासी श्रीमती मंजू पत्नी मलखान श्रीवास उम्र 36 वर्ष के मुताबिक वह सुबह से अपने घर के बाहर झाड़ू लगा रही थी तभी गांव का रामसहाय अहिरवार घर से बाहर निकला। मंजू के मुताबिक काम में व्यस्त होने के कारण उसे सिर पर घूंघट डालाने का ख्याल नहीं रहा जिस कारण से रामसहाय नाराज हो गया और उसने गालियां देते हुए उसके सिर पर डंडे से प्रहार कर दिया, जिस कारण से वह लहूलुहान हो गई। घटना के बाद परिजन उसे हरपालपुर के प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र ले गए। परिजनों ने काकुनपुरा चौकी में घटना की शिकायत की है जिस पर चौकी प्रभारी रामप्रकाश अहिरवार ने आरोपी के विरुद्ध धारा 323, 294, 506 आईपीसी के तहत मामला पंजीबद्ध कर जांच शुरू कर दी है।

सहकारी कर्मचारियों की हड़ताल से गड़बड़ाई मध्यान्ह भोजन व्यवस्था

छतरपुर, देशबन्धु। इस साल जिले में गेहूं की खरीदी अधिक न होने का असर राशन वितरण व्यवस्था पर भी देखने को मिल रहा है। अगस्त माह का राशन जिला मुख्यालय में नहीं मिल सका जिससे गरीब परेशान है। उधर राशन न मिलने से विद्यालयों में मध्यान्ह भोजन का संकट मंडराने लगा है। दुकान संचालकों ने राशन न पहुंचने की बात कह कर अपना पल्ला झाड़ लिया। उधर हड़ताल पर बैठे सहकारी कर्मचारियों के कारण भी व्यवस्था चरमरायी है।

जानकारी के मुताबिक जिला मुख्यालय की लगभग सभी दुकान राशन से खाली हैं।चूंकि जिला मुख्यालय की उचित मूल्य की दुकानों में राशन पहुंचाने वाले ठेकेदार बदल गए हैं और वर्तमान में शायद किसी का ठेका भी नहीं हुआ बड़ी दुकानों के लिए ठेका हो चुका है लेकिन छोटी दुकानों के लिए ठेकेदार न मिलने से वितरण व्यवस्था प्रभावित हुई है। शहर के वार्ड क्रमांक 23 और 25 में खुली राशन दुकानों से एक माह से राशन नहीं वितरित हुआ दुकान संचालक का कहना है कि ऊपर से ही राशन नहीं आया इस वजह से खाद्यान्न नहीं वितरित किया जा सका वार्ड क्रमांक 25 की दुकान समय पर ना खोले जाने के कारण यहां के लोग परेशान हैं। एक विद्यालय के प्रभारी ने बताया कि जुलाई में वार्ड क्रमांक 23 से जो राशन दिया जा रहा था वह पुराना और गुण था इसलिए उसे नहीं लिया गया जैसे तैसे मध्यान्ह भोजन की व्यवस्था की गई लेकिन अब राशन न मिल पाने के कारण बाजार से आटा की बोरियां खरीदने को मजबूर है।

जिला आपूर्ति अधिकारी के अपने दावे : जिला आपूर्ति अधिकारी सीताराम कोठारे ने दावा किया है कि जिले में अगस्त माह का करीब 58.84 फ़ीसदी राशन वितरित हो चुका है। श्री कोठारे के मुताबिक जिले में 290415 परिवार खाद्यान्न के लिए पात्र है। 20 अगस्त तक 170890 परिवारों को राशन वितरित किया जा चुका है।

अगस्त में वितरण के लिए गेंहू-2122.461 मीट्रिक टन,चावल-3661.306 मीट्रिक टन, शक्कर-30.382 मीट्रिक टन एवं नमक-234.400 मीट्रिक टन प्राप्त हुआ था।

जबलपुर से आएगी खाद्यान्न की रैक, जल्द पहुंचेगा राशन

वेयरहाउस प्रभारी आर्य मिश्रा ने वेयरहाउस में खाद्यान्न उपलब्ध न होने के बारे में यह कहा कि इस साल जिले में खरीदी ना होने के कारण राशन अन्य स्थानों से आ रहा है। राशन न होने की बात को टालते हुए श्री मिश्रा ने बताया कि जबलपुर से जल्द ही राशन आने वाला है। खाद्यान्न के आते ही जिला मुख्यालय की दुकानों में राशन पहुंचा दिया जाएगा। हालांकि उन्होंने यह भी कहा कि वेयरहाउस में कुछ राशन रखा है, यदि दुकान संचालक उसे देख ले और उन्हें बेहतर लगे तो उसे राशन को दुकान तक पहुंचाया जा सकेगा।

सरकारी जमींन से अवैध उत्खनन, मुरम धोकर बनाई जाती है रेत

हरपालपुर, देशबन्धु। थाना क्षेत्र के चपरन, सरसेड़ गांव में शासकीय वन विभाग की जमीन पर बेरोकटोक अवैध खनन का कारोबार माफियाओं द्वारा किया जा रहा है। खनिज, राजस्व हो या फिर पुलिस तीनों विभाग अवैध खनन पर अंकुश लगाने में नाकाम साबित हो रहे हैं।

चपरन गांव में शासकीय जमीन खसरा नम्बर 1868, 2005, 2006, 2007 पर गांव के माफियाओं द्वारा अवैध रेत का उत्खनन किया जा रहा है। माफिया पर्यावरण को नुकसान पहुंचाने के साथ ही शासन को भी राजस्व की चपत लगा रहे हैं। अवैध उत्खननकर्ताओं द्वारा भारी मात्रा में मिट्टी मिली रेत का खनन कर शासकीय ज़मीन को खोखला कर दिया गया। खनन के चक्कर

में ज़मीन में करीब 15 से 20 फ़ीट गहरी खाई बना दी है। इन उत्खननकर्ताओं द्वारा इस मिट्टी मिली रेत का खनन कर ट्रैक्टर ट्रॉली की मदद से अवैध परिवहन कर तालाबो में मोटर पंप लगा कर धोकर नकली रेत बनाकर हरपालपुर क्षेत्र में बेची जा रही है। चपरन गॉव में कोई वैध रेत खदान न होने के बाद भी खनन माफियाओं द्वारा अवैध रूप में रेत खदानें संचालित की जा रही हैं। विगत वर्ष अवैध खनन की शिकायत पर तत्कालीन तहसीलदार सुनीता साहनी द्वारा चपरन रेत खदान पर कार्यवाही कर अवैध खनन का प्रकरण पंचम उर्फ छुटटू के नाम दर्ज किया था। शासकीय ज़मीन तीन हजार घनमीटर अवैध उत्खनन पाया गया था। लेकिन अवैध खनन का प्रकरण दर्ज कर राजस्व अधिकारियों द्वारा कोई कार्यवाही न करने से अवैध खननकर्ता द्वारा बेखौफ होकर दिन रात मशीनों की मदद से खनन किया जा रहा हैं। इस अवैध खनन के कारोबार में थाना पुलिस, राजस्व, खनिज विभाग की मिलीभगत से इनकार नहीं किया जा सकता है।

दहेज के लिए बेटी की हत्या करने का आरोप

पिता ने हत्या का मामला दर्ज करने पुलिस से की शिकायत

नौगांव, देशबन्धु। *एक पिता ने दहेज के लिए बेटी को प्रताड़ित करने और प्रताड़ित करने के बाद बेटी को मारकर खूंटे पर टांगने का आरोप लगाते हुए पति सहित ससुरालजनों पर हत्या का मुकदमा दर्ज करने की मांग करते हुए शिकायती आवेदन सौंपा है।*

उत्तर प्रदेश के थाना महोबकंठ क्षेत्र के ग्राम कुनाटा निवासी नंदीलाल तनय गरीबा अनुरागी उम्र 72 साल ने नौगांव पुलिस थाना प्रभारी को शिकायती आवेदन सौंपते हुए बताया कि बेटी ब्रजेश कुमारी की ससुराल वालो ने गला घोटकर व मारपीट कर शव को रस्सी से बांधकर खूंटे से लटकाकर पति हरेन्द्र कुमार, सास सोना देवी, ससुर कामता प्रसाद, ननद रामदेवी, देवरानी पूजा एवं देवर चंदन के विरुद्ध हत्या का षड्यंत्र कर हत्या करने की रिपोर्ट दर्ज कर गिरफ्तार करने की मांग की है। उन्होंने ज्ञापन सौंपते हुआ बताया कि बेटी ब्रजेशकुमारी का विवाह सन 2011 में हरेन्द्र कुमार अनुरागी शिक्षक निवासी ग्राम दौनी थाना एवं तहसील नौगांव जिला छतरपुर हाल निवासी बिलहरी तिराहा कबाड़ की दुकान के पास नौगांव जिला छतरपुर के साथ हुआ था। नन्दी लाल ने अपनी बेटी ब्रजेशकुमारी की शादी अपनी हैसियत से ज्यादा दान दहेज दिया था। लेकिन बेटी को उसके ससुराल वालों ने पति हरेन्द्र कुमार, ससुर कामता प्रसाद, सास सोना देवी, ननद रामदेवी, देवरानी पूजा और देवर चंदन शादी के बाद से प्रताड़ित करते थे और पति हरेन्द्र कहा करता था तुम्हें तो मेरे पिता ने पसंद किया था न तो मैंने तुम्हे शादी के पहले पसंद किया है और ना ही जीवन भर पसंद करूंगा। हरेन्द्र, देवर चंदन, ननद रामदेवी, सास सोना देवी ब्रजेश कुमारी के साथ शादी के बाद से ही मारपीट करते रहते थे। जिससे परेशान होवर बेटी परिवार को बताती थी लेकिन गरीब होने के कारण बेटी को अपने घर जीवन भर अपने घर नही रख सकता था और हम लोग बेटी को समझाते थे की बेटी कुछ दिनों के बाद सब ठीक हो जायेगा। लेकिन इसके बाद कुछ नहीं बदला। फिर 6 अगस्त की रात को ससुराल पक्ष के लोगों ने ब्रजेशकुमारी की हत्या करके खूंटे से टांग दिया। और इसके बाद हत्या के मामले को आत्महत्या में बदल दिया। शव को जिस हालत में बरामद किया गया था। उससे प्रथम दृष्टया हत्या कर शव को लटकाया जाना प्रतीत होता है। बेटी की मृत्यु की सूचना ससुराल वालो को नहीं दी गई। रिश्तेदारों के माध्यम से बड़ी बेटी जिसकी शादी अजनर हुई है, उसने ब्रजेश कुमारी की मृत्यु की सूचना दी जब बेटी की ससुराल पहुंचे शव को घटनास्थल को निकालकर शासकीय अस्पताल नौगांव मे रखा हुआ मिला था। अस्पताल में ससुराल पक्ष को कोई व्यक्ति उपस्थित नहीं था। आवेदन देते हुए निवेदन किया है कि ब्रजेशकुमारी की हत्या आरोपी पति हरेन्द्र, ससुर कामता प्रसाद, देवर चंदन, ननद रामदेवी, देवरानी पूजा, सास सोना देवी आरोपी गणों ने मिलकर एक राय होकर हत्या कर शव को षड्यंत्र पूर्वक लटका दिया था।

सागर, शुक्रवार 25 अगस्त 2023
संस्थापक-संपादक : स्व. माया राम सुरजन

उपलब्धि को फ़ीका करती घृणा

भारत के चन्द्रयान-3 के बुधवार की शाम को चन्द्रमा पर सफलतापूर्वक उतरने से बहुत पहले ही उसकी कामयाबी लगभग निश्चित समझी जा रही थी साथ ही यह भी तय माना जा रहा था कि इसकी सफलता से (या कहें कि असफल होने पर भी) राजनैतिक, सामाजिक और धार्मिक- तीनों ही तरह के आपसी मतभेद सामने आ जाएंगे। इस उपलब्धि के लिये छीना-झपटी होने का पूर्वानुमान था और यह भी पहले से ही सोच लिया गया था कि इसका उपयोग अपने राजनैतिक विरोधियों और अलग तरह की धार्मिक आस्था रखने वाले लोगों या समूहों के लिये किया जायेगा; पर यह सब इतनी जल्दी होगा, यह नहीं सोचा गया होगा। वैज्ञानिक उपलब्धियां किसी एक देश की नहीं वरन समग्र मानव के ज्ञान व प्रतिभा की देन मानी जाती है। वैज्ञानिक विकास किसी एक देश का नहीं बल्कि वैश्विक होता है। इसलिये विज्ञान सम्बन्धी विचारों और शोधों-आविष्कारों का प्रतिफल दुनिया भर को मिलता है; पर भारतीयों ने अपनी इस उपलब्धि को बहुत संकीर्ण तो बना ही दिया है, उसका उपयोग वे परस्पर नफरत फैलाने के लिये वैसा ही कर रहे हैं जैसा कि धर्म, राजनीति या सामाजिक विचारों का, विशेषकर हाल के वर्षों में करते आ रहे हैं। ऐसा करके हम न सिर्फ इस बड़ी उपलब्धि को छोटा बना रहे हैं वरन देश-दुनिया के तरक्की पसंद व वैज्ञानिक चेतना से युक्त वर्गों के बीच स्वयं का कद भी घटा रहे हैं।

चन्द्रयान-3 की सफलता से यह तो साबित हो गया है कि हमारे देश के वैज्ञानिकों की प्रतिभा असीम है और वे अपनी उपलब्धियों का झंडा सर्वोच्च ऊंचाइयों तक फहराना चाहते हैं, लेकिन दूसरी तरफ बड़ी संख्या में ऐसे भी लोग हैं जो अपनी संकीर्णताओं से ऊपर उठना ही नहीं चाहते। वे नफरत के कीचड़ में गहरे धंसे हुए ही संतुष्ट हैं। अमेरिका, रूस व चीन जैसी सबसे बड़ी अंतरिक्ष शक्तियों के समकक्ष आने के बाद भी हम इस कामयाबी को उसी चश्मे से देख रहे हैं जिसका एक लेंस राजनैतिक विचारों का है तो दूसरा मज़हबी है। वैज्ञानिक उपलब्धि को वैज्ञानिकता की कसौटी पर कसने की बजाय ऐसे लोग चन्द्रयान-3 की सफलता को घृणा बढ़ाने का एक औजार बना रहे हैं। विज्ञान इंसानों को संकुचित विचारों से बाहर निकालने का काम करता है लेकिन लगता है कि भारत में विज्ञान जैसी विधा का भी उपयोग परस्पर नफ़रत बढ़ाना ही हो गया है। इसलिये इस उपलब्धि पर जो लोग झूम रहे हैं वे अपने मज़हब और राजनैतिक विचारों के कारण, न कि विज्ञान में कोई रुचि या विश्वास के चलते।

नफरत फैलाने व विरोधी विचारधारा के लोगों को नीचा दिखाने की जल्दबाजी देखिये कि अभी चन्द्रयान-3 ने अपना काम चांद की सतह पर ठीक से प्रारम्भ भी नहीं किया था और आनन-फानन में सोशल मीडिया पर इस कामयाबी को अपनी झोली में डालने के लिये वे लोग उतर पड़े जो मानते हैं कि विकास 2014 के बाद ही हुआ है। कहा जा रहा है कि 'देश की वैज्ञानिक प्रतिभा का सही इस्तेमाल अब कहीं जाकर प्रारम्भ हुआ है।' इसके पहले भारतीय अंतरिक्ष शोध संगठन (इसरो) के अस्तित्व को नकारना तो उनके लिये सम्भव नहीं था लेकिन बहुत चालाकी बरतते हुए संस्थान के आगे बढ़ने का श्रेय विक्रम साराभाई को दिया गया- माइनस जवाहरलाल नेहरू का नैरेटिव गढ़ते हुए। यह जानते हुए भी कि इसरो उन्हीं की देन है लेकिन उन्हें श्रेय न देकर वे अपने उन राजनैतिक आकाओं को खुश करना चाहते होंगे जिन्होंने हाल ही में दिल्ली के जवाहरलाल नेहरू संग्रहालय का ही नाम बदल डाला है। एक पूरा समूह बुधवार की शाम से विरोधी विचारधारा, खासकर कांग्रेस के शासनकाल व उसकी उपलब्धियों पर पिला पड़ा हुआ है। हालांकि ये लोग इस बात का जवाब नहीं दे पा रहे हैं कि अगर भारत सरकार की देश के वैज्ञानिक विकास में इतनी ही रुचि है तो अंतरिक्ष विज्ञान विभाग के 2023 के बजट में 32 प्रतिशत की कटौती क्यों की गयी है? जिसके कारण चन्द्रयान-3 और आदित्य एल-1 जैसी परियोजनाओं को 12500 करोड़ रुपये कम मिले। यह उससे पिछले साल की तुलना में 8 फीसदी कम राशि थी।

अगर बात सियासी मतभेदों तक सीमित होती तो बहुत दिक्कत नहीं थी क्योंकि कांग्रेस मुक्त नारे के साथ आई मौजूदा सरकार हर कदम पर पूर्ववर्ती सरकारों को नीचा दिखाने का कोई अवसर नहीं छोड़ती जो मानती है कि 2014 के पहले कुछ विकास ही नहीं हुआ था। इस उपलब्धि का सबसे दुखद दुरुपयोग वैसा ही हो रहा है जिसकी आशंका थी और जिसका देश आदी हो चुका है। नफ़रतियों ने चांद पर चन्द्रयान के उतरने को एक मज़हब के अनुयायियों पर जीत के रूप में पेश कर दिया है। इस आशय के मीम, संदेश और कार्टून सोशल मीडिया पर खूब वायरल किये जा रहे हैं कि 'कुछ देशों के तो केवल झंडों पर चांद है लेकिन भारत ने तो चांद ही फ़तह कर लिया है।' ये तो बहुत थोड़े से उदाहरण हैं। इस सफल चन्द्रयान-3 मिशन की आड़ में परस्पर वैमनस्य व घृणा का सैलाब ही सोशल मीडिया बह रहा है। सभी को यह समझना होगा कि यह उपलब्धि पूरी तरह भारतीय तो है ही, सामूहिक भी है। किसी धर्म या राजनैतिक विचारधारा से इसका कुछ लेना-देना नहीं है। वैज्ञानिक शोध सार्वभौमिक होते हैं जिन पर किसी मज़हब या राजनीति से कोई लेना-देना नहीं होता। यदि हम अपनी इस महान उपलब्धि को इस प्रकार से सीमित करेंगे तो हमें इसके प्रति अन्य देशों से सम्मान की अपेक्षा नहीं करनी चाहिये। पहले हम तो इस कामयाबी का सम्मान करना सीखें। यह उपलब्धि देश की मेधा और समर्पण का एक बड़ा हासिल है और यह किसी एक वर्ग की नहीं समग्र मानव की उपलब्धि है। उसे वैसा ही लिया जाना चाहिये।

क्या भारत ग्लासनोस्ट या पेरेस्त्रोइका के लिए तैयार है?

■ डॉ राजाराम त्रिपाठी (किसान नेता) एवं एम.राजेन्द्रन (स्वतंत्र पत्रकार)

इतिहास हमें बताता है कि उद्देश्य भले ही भविष्योन्मुखी और परिवर्तनकारी था, लेकिन अंतिम परिणाम हमारे विश्व की उस भूमि में रहने वाले 'लोगों' के लिए अच्छा नहीं था; जब 'सोवियत सोशलिस्ट रिपब्लिक' (यूएसएसआर) के पूर्व संघ ने ग्लासनोस्ट और पेरेस्त्रोइका का प्रयोग किया था, तब यही हुआ था।

वर्तमान में अपनी चमक खो चुके 'ग्लासनोस्ट' और 'पेरेस्त्रोइका' शब्द का इस्तेमाल मूल रूप से 1980 के दशक में पूर्व सोवियत संघ में राष्ट्रपति मिखाइल गोर्बाचेव की नीतियों का वर्णन करने के लिए किया गया था।

यह बात अब छुपी नहीं है, कि भाजपा सरकार एक गंभीर नीति परीक्षण कर रही है। यह जांचने के लिए कि क्या भारत, यानी इंडिया, संविधान की मूल-अवधारणा व मूल-संरचना में बड़े बदलाव का सामना कर सकता है।

ऐसा प्रतीत होता है कि भारत के राजनीतिक नेता उस वास्तविकता को नजरअंदाज कर रहे हैं जब वे अपने कानूनी और आर्थिक थिंक टैंक के माध्यम से हमारे संविधान की उस 'मूल-अवधारणा' तथा 'मूल-संरचना' पर पुनर्विचार विचार करने का सुझाव देते हैं, जो आज भी प्रभावी रूप से न केवल जीवित है बल्कि उत्तरदायी भी है। 2014 में जो फुसफुसाहट दबी जुबान में शुरू हुई थी, वह 2023 में एक विचार प्रक्रिया की तरह दिखने लगी है, जिसकी सभी संचार प्लेटफार्मों पर भाजपा तथा उनके अनुषंगी संस्थानों, प्रतिष्ठानों द्वारा एकजुटता और दृढ़ता से वकालत की जा रही है।

विभिन्न शब्दकोशों के अनुसार, ग्लासनोस्ट 'सरकार को अधिक खुला और लोकतांत्रिक बनाने की नीति है'। -सीधे और एक शब्द में अगर कहें तो इसका मतलब है 'पारदर्शिता'। जबकि 'पेरेस्त्रोइका' एक शब्द है जिसका उपयोग 1980 के दशक के अंत में तत्कालीन सोवियत समाजवादी गणतंत्रों के संघ (यूएसएसआर) में बदलती राजनीतिक और सामाजिक संरचना का वर्णन करने के लिए किया जाता है- इसका सीधा सा अर्थ है 'पुनर्गठन'।

तब यूएसएसआर की चरमराती अर्थव्यवस्था को मजबूत करने के लिए यह दोनों नीतियां लागू की गईं, लेकिन 'यूएसएसआर' विघटित हो गया। अकादमिक और ऐतिहासिक रूप से यह सिद्ध हो चुका है कि कमजोर होते सामाजिक और आर्थिक परिवेश में किसी भी व्यवस्था की बुनियादी संरचना में कोई भी भारी बदलाव विनाश का सफल नुस्खा है। विश्व के प्रमुख धुरी राष्ट्र का पतन हो गया, और दर्जनों नए स्वतंत्र राष्ट्रों का उदय हुआ जो आज भी शांति, आर्थिक वृद्धि और विकास के लिए संघर्ष कर रहे हैं और इन हालातों में यह भी विचारणीय प्रश्न है कि ये राष्ट्र सही मायनों में आज कितने स्वतंत्र हैं।

संविधान सिर्फ कानूनों का संकलन मात्र नहीं होता- संविधान में परिवर्तन से पहले संविधान के समावेशी दर्शन को तथा उसमें अंतर्निहित नैतिक मूल्यों, आदर्शों को समझना जरूरी है। हर संविधान की मूल अवधारणा में निश्चित रूप से एक दर्शन समाविष्ट होता है, जैसे कि जापान की संविधान को 'शांति संविधान' कहा जाता है। किसी विशिष्ट मूल्य समूह से निर्देशित होकर संविधान में किसी परिवर्तन के बारे में सोचने के पूर्व हमें हमारे संविधान की बुनियाद जिन आदर्शों पर रखी गई है, उन्हें समझना होगा।

हमारे 'मूल अधिकार', 'नागरिकता', 'अल्पसंख्यक' एवं 'लोकतंत्र' से संबंधित प्रावधानों में किसी भी परिवर्तन के पूर्व हमें इनसे संबंधित संविधान सभा की बहसों और व्याख्याओं की रोशनी में देखना, समझना जरूरी होगा।

हमारी शासन व्यवस्था का चाल चरित्र चेहरा हमारे संविधान के बुनियादी अवधारणाओं के अनुरूप होना चाहिए इसलिए हमारे संविधान की 'मूल संरचना' से कोई छेड़छाड़ होती है तो इसका मतलब साफ है कि हम एक बड़े सुनिश्चित संकट की ओर बढ़ रहे हैं।

> **चुनाव जीतने के बाद पार्टियां और उसकी सरकारें यह भूल जाती हैं यह सत्ता संप्रभु जनता द्वारा उन्हें देश के कल्याणकारी संचालन हेतु दिया गया 5 साल का अस्थाई पट्टा है, देश और संविधान का कोई मालिकाना हक नहीं। 140 करोड़ लोगों में से 80 करोड़ से अधिक लोगों को मुफ्त अनाज का मतलब यह है कि सरकार की नीतियां इन्हें रोजगार प्रदान करने में विफल हो गई है, और यह जनसंख्या अपने पेट भरने के लिए सरकारी भिक्षान्न पर निर्भर है?**

इंडिया यानी भारत की वर्तमान स्थिति यह है- सरकार का दावा है कि वह भारत के 140 करोड़ लोगों में से 80 करोड़ से अधिक लोगों को मुफ्त अनाज मुहैया कराती है। क्या इसका मतलब यह है कि सरकार की नीतियां उनमें से आधे को भी रोजगार प्रदान करने में विफल हो गई है और यह जनसंख्या अपने पेट भरने के लिए सरकारी भिक्षान्न पर निर्भर है? यह अस्सी करोड़ जनसंख्या बाजार से अनाज नहीं खरीद सकती, जिससे उनकी खरीदारी से आर्थिक विकास में मदद मिल सके? बेरोजगारी 8 प्रतिशत से अधिक है, और देश के कई हिस्सों में आर्थिक विकास की संभावनाओं और सामाजिक अशांति पर विभिन्न सरकारी और विश्वसनीय अनुसंधान संस्थानों के आंकड़ों पर विरोधाभासी दावे हैं। हकीकत तो यही है कि गरीबी, भूख सूचकांक, स्वास्थ्य सेवाएं, शिक्षा आदि में हम कई पायदान नीचे गिरकर विश्व की अंतिम कतार में हैं। बांग्लादेश नेपाल जैसे हमारे छोटे-छोटे पड़ोसी देश भी कई मायनों में हमसे आगे निकल गए।

ऐसी परिस्थितियों में, मान लीजिए कि सरकार मौजूदा जीवंत संविधान को खत्म कर देती है या एक नए प्रावधानों के साथ संविधान में बड़े पैमाने पर संशोधन करती है। जिसका उद्देश्य नए नियम निर्धारित करना ह' यह दिखाएगा कि सरकार ने इतिहास से दरअसल कुछ भी नहीं सीखा है।

हाल ही में बिना किसान तथा किसान संगठनों से कोई चर्चा किए देश की खेती और किसानों के कल्याण और पुनरोद्धार के नाम पर लाए गए 3-तीन नए कृषि-कानूनों की मंशा को भांपकर देश के किसानों ने एकजुटता और ऐतिहासिक आंदोलन के दम पर, नए कानूनों के विनाशक जिन्न को वापस बोतल में बंद तो कर दिया पर खतरा अभी टला नहीं है।

सरकार और उसके कानून निर्माता सोचते हैं कि वे लोगों द्वारा दिए गए 10 वर्षों के जनादेश के आधार पर ऐसा कर सकते हैं। यहां तक कि ईस्ट इंडियन कंपनी और एक हद तक ग्रेट ब्रिटेन की रानी ने भी भारत के लोगों द्वारा अपने शासकों के माध्यम से दिए गए पट्टे पर भारतीय धरती पर अपना संचालन शुरू किया।

आजादी के बाद, यहां तक कि भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस ने भी पिछले कई मौकों पर यह गलती की, लोगों के जनादेश का सम्मान करने में गलती की, यह भूल गए कि यह देश की जनता द्वारा प्रदत्त एक 'अस्थायी पट्टा' था। उन सभी कांग्रेसी नेताओं ने तो इसकी भारी कीमत चुकाई। लेकिन उनकी गलतियों का देश और देश के लोगों को भी नुकसान उठाना पड़ा।

चुनाव जीतने के बाद पार्टियां और उसकी सरकारें यह भूल जाती हैं यह संप्रभु जनता द्वारा उन्हें देश के कल्याणकारी संचालन हेतु दिया गया 5 साल का अस्थायी पट्टा है, देश और संविधान का कोई मालिकाना हक नहीं।

हमारे मौजूदा संविधान का एक लंबा इतिहास है, जो 9 दिसंबर, 1946 को संविधान सभा की स्थापना तक सीमित नहीं है। भारत के लोगों ने उस समय भारत पर शासन करने वाली सरकार के दबाव में 1773 के विनियमन अधिनियम को स्वीकार किया था।

यह कहना ऐतिहासिक रूप से गलत नहीं होगा कि भारतीय संविधान की उत्पत्ति 1773 के उस अधिनियम से शुरू हुई, जिसमें बहुसंख्यक आबादी को कोई अधिकार नहीं था।

अब हम 2023 तक तेजी से आगे बढ़ते हैं। हमारे संविधान की बुनियादी संरचना में सुधार के बारे में सत्ता, मीडिया और अकादमिक हलकों के गलियारों में जो सुगबुगाहट हो रही है, और उसकी आवाज गांव और कस्बों तक भी पहुंचनी चाहिए। क्योंकि, यह भारत के लोगों, यानी भारत के लिए एक अच्छा शगुन नहीं है।

इंडिया यानी भारत आज वैसी ही दुर्दशा का सामना कर रहा है जैसी 1773 में देखी गई थी। क्या हम भूल सकते हैं कि 1773 का रेगुलेटिंग एक्ट, जिसे 1772 का ईस्ट इंडिया कंपनी एक्ट भी कहा जाता है, वह ग्रेट ब्रिटेन की संसद का एक अधिनियम था। जिसका उद्देश्य भारतीय क्षेत्र में ईस्ट इंडिया कंपनी के शासन के प्रबंधन में आमूल-चूल परिवर्तन करना था। तकनीकी रूप से, यह कंपनी पर संसदीय नियंत्रण और 'भारत में केंद्रीकृत प्रशासन' की दिशा में पहला कदम था।

ब्रिटिश सरकार ने तब संसद में, जो तर्क इस एक्ट के सफाई में दिये थे- यह ईस्ट इंडिया कंपनी के 'अधिकारियों' द्वारा भ्रष्टाचार और लोगों और संपत्ति का कुप्रबंधन को खत्म करने के हेतु है, ऐसे ही कुछ थे। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि इससे महारानी और ग्रेट ब्रिटेन की गौरवशाली छवि धूमिल हो रही है।

क्या यह ग्रेट ब्रिटेन की संसद की वास्तविक चिंता थी या भारत अर्थात इंडिया पर कब्ज़ा करने का बहाना था?

क्या तब भारत के लोगों के लिए नियम बनाने के तर्कों और अब भारतीय संविधान में बदलाव के लिए सूचीबद्ध किए जा रहे कारणों में कोई समानता है? क्योंकि अगर यह ब्रिटिश शासकों की हमारी और हमारे देश की कोई वास्तविक चिंता होती, तो वे अपने एजेंडे के अनुरूप व्यवस्थाओं को बदलकर अगले 174 वर्षों तक हमारे देश को नहीं लूटते। यह निश्चित रूप से इंडिया यानी भारत के लोगों के व्यापक हित में नहीं था।

इतिहास गवाह है कि बदलाव सदैव कल्याणकारी साबित नहीं होते। इसलिए भारत के पहले से ही नाजुक सामाजिक-आर्थिक पारिस्थितिकी तंत्र में बदलाव या नए बदलाव लाने की शक्ति हासिल करने के बहाने के नतीजों से भी लोगों को सावधान रहना चाहिए। क्योंकि इसके दुष्परिणाम अंततः भारत के लोगों यानी भारत को ही भुगतने पड़ेंगे।

सीबीआई, ईडी को पीएमओ की निगरानी में लाना सत्ता का खुला दुरुपयोग

■ के रवीन्द्रन

प्रधानमंत्री मोदी की सरकार द्वारा चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ (सीडीओ) और राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (एनएसए) की तर्ज पर भारत के मुख्य जांच अधिकारी (सीआईओ) का एक नया पद बनाने का कथित कदम सर्वोच्च न्यायालय को दरकिनार करने का एक ज़बरदस्त प्रयास है। यह एक संपार्श्विक लक्ष्य के रूप में और सत्तारूढ़ दल के रूप में प्रमुख जांच एजेंसियों के उपयोग को संस्थागत बनाना है, या अधिक सटीक रूप से कहें तो, एक नापाक डिजाइन के हिस्से के रूप में इसे पीएमओ का राजनीतिक उपकरण बनाना है।

रिपोर्टों के मुताबिक, केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) और प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के प्रमुख नये अधिकारी को रिपोर्ट करेंगे, जैसे तीनों सेनाओं के प्रमुख सीडीएस और दो खुफिया एजेंसियों के प्रमुख एनएसए को करते हैं।

इस कदम को इस संदर्भ में देखा जाना चाहिए कि सर्वोच्च न्यायालय ने प्रवर्तन निदेशालय के प्रमुख के रूप में संजय मिश्रा के कार्यकाल के विस्तार को 'अवैध' माना था, जबकि अदालत ने इस तरह के विस्तार की अनुमति नहीं दी थी।

> **केंद्र अपना हिसाब-किताब बराबर करने के लिए राष्ट्रीय और राज्यों दोनों स्तरों पर राजनीतिक विरोधियों को निशाना बनाने के लिए केंद्रीय एजेंसियों का चयनात्मक रूप से उपयोग कर रहा है। इतना कि विपक्षी दलों ने राजनीतिक नेताओं की मनमानी गिरफ्तारी के खिलाफ सुरक्षा की मांग करते हुए सर्वोच्च न्यायालय का दरवाजा भी खटखटाया था।**

सरकार ने 2021 में कानून में एक संशोधन के तहत अपना बचाव करने की कोशिश की थी, जिसमें सीबीआई और ईडी के प्रमुखों को अधिकतम पांच साल तक के विस्तार की अनुमति दी गई थी, लेकिन अदालत ने कहा कि कानून का इस्तेमाल उसके फैसले को रद्द करने के लिए नहीं किया जा सकता है।

हालांकि, शीर्ष अदालत ने मोदी सरकार की इस दलील के मद्देनजर मिश्रा को 15 सितंबर तक पद पर बने रहने की अनुमति दे दी कि 'व्यापक सार्वजनिक और राष्ट्रीय हित' के लिए उनका पद पर बने रहना आवश्यक है, क्योंकि वह अमेरिकी वित्तीय कार्रवाई कार्य बल के साथ बातचीत के लिए जिम्मेदार थे, जो कुछ पड़ोसी देशों जिसमें पाकिस्तान भी शामिल है, की मांग के मद्देनजर भारत के मामले की समीक्षा कर रहा है। उनकी मांग है कि भारत को 'ग्रे सूची' में डाला जाये। लेकिन इसने मिश्रा के लिए पूर्ण तीसरे कार्यकाल की मांग को खारिज कर दिया, जिन्हें मोदी सरकार सबसे आज्ञाकारी अधिकारी मानती है।

यह व्यापक रूप से देखा गया है कि केंद्र अपना हिसाब-किताब बराबर करने के लिए राष्ट्रीय और राज्यों दोनों स्तरों पर राजनीतिक विरोधियों को निशाना बनाने के लिए केंद्रीय एजेंसियों का चयनात्मक रूप से उपयोग कर रहा है। इतना कि विपक्षी दलों ने राजनीतिक नेताओं की मनमानी गिरफ्तारी के खिलाफ सुरक्षा की मांग करते हुए सर्वोच्च न्यायालय का दरवाजा भी खटखटाया था।

जहां एक ओर सर्वोच्च न्यायालय ने विपक्षी नेताओं की इस मांग को इस आधार पर खारिज कर दिया था कि गिरफ्तारी के मामले में राजनेताओं पर विशेष प्रावधान नहीं किया जा सकता है, वहीं मिश्रा के विस्तार से संबंधित मामले में उसके रुख से पता चलता है कि वह अच्छी तरह से जानती है कि देश में इस संबंध में क्या चल रहा है।

केंद्रीय एजेंसियों का दुरुपयोग के मामले को समझना कोई रॉकेट साइंस नहीं है और फाइनेंशियल एक्शन टास्क फोर्स की समीक्षा विवादास्पद ईडी निदेशक की केंद्र के गंदे कामों के लिए निरंतर उपलब्धता सुनिश्चित करने का एक बहाना मात्र है। यदि विचार एफएटीएफ की समीक्षा को सुविधाजनक बनाने के लिए था, तो सरकार उन्हें विशेष कर्तव्य पर एक अधिकारी के रूप में नियुक्त कर सकती थी, लेकिन वह जो परिकल्पना करती है वह पूरी तरह से अलग व्यवस्था है।

नई व्यवस्था के तहत, प्रवर्तन निदेशालय और सीबीआई दोनों का परिचालन पर्यवेक्षण नये अधिकारी को सौंपा जायेगा, जो सीधे प्रधानमंत्री कार्यालय को रिपोर्ट करेगा, जिसकी गतिविधियां केंद्रीय एजेंसियों से जुड़े कई मामलों में संदेह के दायरे से ऊपर नहीं रही हैं।

मौजूदा व्यवस्था के अनुसार, दोनों एजेंसियां स्वतंत्र रूप से काम करती हैं। ईडी केंद्रीय वित्त मंत्रालय के राजस्व विभाग के तहत काम करती है और सीबीआई कार्मिक, लोक शिकायत और पेंशन मंत्रालय के तहत काम करती है। जबकि तकनीकी रूप से दोनों संबंधित प्रशासनिक मशीनरी के अधीन बने रहेंगे, एक सामान्य प्रमुख की नियुक्ति एजेंसियों को राजनीतिक शक्तियों की इच्छाओं के प्रति अधिक लचीला बनाती है।

परिवर्तन के लिए उद्धृत प्रत्यक्ष कारण ईडी और सीबीआई की जांच के क्षेत्रों में ओवरलैपिंग का जोखिम है। जबकि ईडी मुख्य रूप से वित्तीय धोखाधड़ी पर ध्यान केंद्रित करता है, जिसमें मनीलॉन्ड्रिंग और फेमा उल्लंघन से संबंधित मामले शामिल हैं, ऐसे मामलों की कोई कमी नहीं है जहां सीबीआई भ्रष्टाचार और अन्य आर्थिक अपराधों को भी उठाती है। एक साझा प्रमुख काफी तालमेल लाने में मदद करेगा, लेकिन इसके परिणामों को देखना मुश्किल नहीं है।

राजनीतिक असहमति को कुचलने और 'प्रतिनिधि लोकतंत्र के बुनियादी ढांचे को नुकसान पहुंचाने' के लिए जांच एजेंसियों का खुला दुरुपयोग किया गया है। एजेंसियों का इस्तेमाल कथित तौर पर खरीद-फरोख्त को बढ़ावा देने के लिए भी किया जा रहा है ताकि राज्यों में भाजपा समर्थक व्यवस्थाएं स्थापित की जा सकें।

महाराष्ट्र, कर्नाटक और अन्य राज्यों में जो हुआ उससे हम सभी परिचित हैं, जहां केंद्र में सत्तारूढ़ दल के पक्ष में स्थिति को बदलने के लिए केंद्रीय एजेंसियों को एक राजनीतिक उपकरण के रूप में इस्तेमाल किया गया है।

यह बताया गया है कि जहां 2004 से 2014 के बीच सीबीआई द्वारा जांच किये गये 60 प्रतिशत से कम राजनीतिक नेता विपक्षी दलों से थे, वहीं मोदी सरकार के तहत 95 प्रतिशत से अधिक मामलों में विपक्षी राजनेताओं को निशाना बनाया गया। यही पैटर्न ईडी के मामले में भी है, जिसमें 95 प्रतिशत जांच राजनीतिक विरोधियों को निशाना बनाते हुए देखा गया है।

पावन प्रसंग

व्यक्ति और समाज के बीच समन्वय

मनुष्य जीवन का निर्माण ही कुछ इस तरह से हुआ है कि वह न तो अपने आप में पूर्ण है और न सर्वथा आत्मनिर्भर। हम सबको अपनी जीवन यात्रा पूरी करने के लिए एक दूसरे के सहयोग एवं सहायता की आवश्यकता होती है। अकेले एकाकी जीवन चला लेना हमारे किसी

एक के लिए संभव नहीं है। हमारे जीवन का आधार हमारी सामूहिक भावना ही है। इसी भावना के बल पर मानवों की उन्नति और मानव सभ्यता का विकास हुआ है। यदि यही सामूहिक भावना न रही होती, सहायता, सहयोग और पारस्परिकता का अभाव रहा होता तो आज हम अपने को जिस उन्नत दशा में देख रहे हैं, उसमें न देखते, बल्कि अन्य पशुओं की भांति ही असंस्कृत तथा असभ्य जीवनयापन कर रहे होते। हम में यथार्थ मनुष्यता का विकास, सहयोग एवं सामूहिक भावना के आधार पर ही हुआ है, और पुनः इसको सुरक्षित एवं विकासशीलता रखने के लिए इसी आधार को दृढ़ तथा स्थायी बनाना होगा।

आज हम मनुष्य को जिस सुख-सुविधापूर्ण व्यवस्थित जीवन में देख रहे हैं, उसका सारा श्रेय उसकी उस सामूहिक एवं परस्पर सहयोग की भावना को ही है। मनुष्य ने इस ऊबड़-खाबड़ धरती को अपने निवास के योग्य बनाया है। बड़े-बड़े पर्वतों, जंगलों और सागरों में घुसकर जीवन-निर्वाह के साधन खोज निकाले हैं। कृषि और उद्योग धंधों का जो विकास किया है, वह क्या एक-एक करके किन्हीं अकेले मनुष्यों ने किया है? नहीं, निश्चित रूप से नहीं। यह उसकी वह सामूहिक एवं सामाजिक चेतना ही थी, जिसको आधार बनाकर वह जीवन पथ पर आगे बढ़ा है। जिस प्रकार आदिम युग में सामूहिक भावना की आवश्यकता थी, वैसे ही विकसित युग में भी उसकी आवश्यकता है। यह बड़े-बड़े कारोबार, कल-कारखाने, बड़ी-बड़ी योजनाएं और बड़े-बड़े निर्माण क्या बिना सहयोग के चल सकते हैं? संसार की वर्तमान व्यवस्था और उपस्थित उपलब्धियां तब तक ही ठहरी हुई हैं, जब तक संसार में सामाजिक चेतना का महत्व बना हुआ है। मनुष्य तब तक ही मनुष्य रूप में रह रहा है, जब तक उसकी सामाजिक चेतना सुरक्षित है, उसकी भावनाएं व्यापक एवं सार्वभौमिक हैं। अपने अस्तित्व के इस आधारभूत तथ्य का त्याग करते ही मानव सभ्यता का प्रलय हो जाएगा और आदिम कालीन बर्बर युग का शुभारंभ शुरु हो जाएगा। अब ऐसी स्थिति में जो मनुष्य केवल अपने तक ही सीमित रहकर व्यक्तिगत हानि-लाभ पर ही दृष्टि रखता है, वह समाज का विरोधी उसका शत्रु और अहित चिंतक है। सामाजिक चेतना ही मनुष्य में मनुष्यता का लक्षण है, वैसे वह भी अन्य जीवों की तरह ही एक जीव है।

हम सब अब एक सभ्य संसार के सुसंस्कृत मानव समाज के सदस्य हैं। इस सत्य से न तो इंकार किया जा सकता है और न इस सहज दायित्व से त्यागपत्र दिया जा सकता है। अस्तु, हम सब अपने इस महान दायित्व का पालन करने के लिए विवश हैं। अब जो दायित्व अनिवार्य है, अपरिहार्य है तो उसको खुशी-खुशी क्यों न निभाया जाए। हम क्यों न एक शिष्ट, सभ्य और सच्चे नागरिक बनें? इसी में हमारी और हमारे समाज की शोभा, सुरक्षा एवं स्वस्ति है। हम सब सबसे सभ्य, सच्चे नागरिक हैं इसकी प्रामाणिकता के लिए हमारा कर्तव्य है कि हम अपनी व्यक्तिगत सुख-सुविधा और मान-प्रतिष्ठा के लिए समाज पर ऐसा कोई आघात न करें, जिससे उसकी शक्ति क्षीण हो, उसमें विशृंखलता अथवा निर्बलता आए। ऐसा कोई भी काम करना हमारे लिए अवांछनीय है, जिससे समाज में अशांति अथवा असुरक्षा की भावना बढ़े। हमारा नैतिक, सामाजिक तथा धार्मिक कर्तव्य है कि हम अपने सुख को पीछे रखकर समष्टिगत मंगल की कामना करें। स्वार्थ को त्यागकर परमार्थ को ग्रहण करें।

युग निर्माण योजना

आपके पत्र

भारत के वैज्ञानिकों की उपलब्धि असाधारण, जश्न में डूबा भारत

चांद के दक्षिण ध्रुव पर चन्द्रयान -3 की लैंडिंग के बाद भारत ने इतनी बड़ी खुशी कभी नहीं महसूस की होगी जितनी इस बार देखने को मिली है। भारत माता के जयकारों से गली-मोहल्लों में जश्न का माहौल है। चन्द्रयान मिशन टॉक ऑफ टाउन हो गया है। चौक-चौराहो पर चन्द्रयान- 3 की सफलता की बात होती सुनाई दे रही है। बड़े, बच्चे और वृद्ध की जुबान पर चन्द्रयान की बात है। यह भारत के वैज्ञानिकों की अथक मेहनत रंग लाई है। मोदी ने इस कामयाबी पर इसरो को बधाई देते हुए भारत के 140 करोड़ लोगों को भी चन्द्रयान-3 की लैंडिंग की सफलता पर बधाइयां दीं। विक्रम लैंडर और प्रज्ञान रोवर जानकारी भेजेंगे। रोवर जानकारी उपलब्ध कराने के बाद चन्दमा की सतह पर जीवन की संभावना की जानकारी हासिल हो सकेगी। चन्द्रयान मिशन भारत की इस उपलब्धि से दुनिया नतमस्तक हो चुकी है। भारत की इमेज में चार चांद लग गया है। चंदामामा दूर के- इस अवधारणा को वैज्ञानिकों ने मन में पलने वाले भ्रम को तोड़कर भारत को प्रसिद्धि दिलाई है। सौर मंडल के राज खोलने में चन्द्रयान की अहम भूमिका रहेगी। भारत को दुनिया का ध्रुव तारा करार दिया जा रहा है। पश्चिमी देशों की दृष्टि पूर्व की तरफ है। दुनिया भारत के पांव पखारने के लिए लालायित है। हर मिशन की कामयाबी महान संस्कृति की परिचायक है जिसका लोहा दुनिया ने माना है। भारत को गरीब और बेचारा देश समझने वालों के गाल पर करारा तमाचा है। दुनिया में भारत की यह कामयाबी देशवासियों की है। आस्था और लगन से दूरदर्शी मकसद को सफल बनाने का कार्य देश की जनता ने किया है। भारत कभी पीछे मुड़कर नहीं देखता है। चांद के बाद मिशन सूरज के लिए वैज्ञानिक तैयारी कर रहे हैं। सूरज तक पहुंचने की आदित्य-1 की लॉन्चिंग हो सकती है। 378 करोड़ के अनुमानित खर्च से नवनिर्मित आदित्य-1 की लॉन्चिंग के बाद भारत विश्व का पहला देश होगा, जिसकी कामयाबी का कोई सानी नहीं है। सूर्य की निगरानी के लिए भेजे जा रहे इस आदित्य-1 उपग्रह के सभी उपकरणों का परीक्षण पूरा हो गया है। सूर्य को जानने के लिए अमेरिका ने करीब 22 मिशन भेजे सबसे ज्यादा नासा ने भेजा है। दुनिया में भारत का डंका बज गया है। अब चीन जैसे देश भारत से सौ कदम दूर रहने की सोच रहा है।

कांतिलाल मांडोत, सूरत

निर्धन व्यक्तियों और यात्रियों को है सस्ते भोजन की तलाश

शुरू नहीं हो सकी 15 अगस्त से दीनदयाल रसोई, पड़ा है ताला

नौगांव, देशबन्धु। स्वतंत्रता दिवस से जिस रसोई को आनन-फानन में कर तैयार करवाया गया था, उस पर हफ्ता भर से ज्यादा समय गुजर जाने के बाद भी ताला लटका हुआ है। नगर पालिका परिषद द्वारा गरीब निर्धनों के लिए 5 रुपए में भरपेट भोजन योजना देने की योजना शुरू करने से पहले नगर पालिका परिषद द्वारा इसके 15 अगस्त से शुरू करने का खूब ढिंढोरा पीटा गया, लेकिन जब रसोई शुरू नहीं हुई तो ऐसे में अब अधिकारी अभी शुरू करने का आदेश न मिलने की बात कह रहे हैं।

चुनावी साल होने के चलते मुख्यमंत्री जनता के लिए रोज कोई न कोई योजना को घोषणा कर रहे हैं और कुछ योजनाओं पर काम भी कर रहे हैं। इन्हीं योजनाओं में से एक योजना है दीनदयाल रसोई योजना है, जिसके तहत आमजन, निर्धन और असहाय वर्ग के लोगों को 5 रुपए में भरपेट भोजन उपलब्ध कराया जा रहा है। नौगांव में इसके संचालन के लिए नगर पालिका को एजेंसी बनाया गया। नपा ने भी मुख्यमंत्री के आगमन से पहले बकायदा दीनदयाल रसोई केंद्र के लिए जगह चिन्हित कर ली। नगर पालिका ने बस स्टैंड यात्री प्रतीक्षालय में चिन्हित स्थान पर रंग रोगन कराकर दीनदयाल रसोई केंद्र लिखवा दिया। जिसमें 5 रुपए में भरपेट भोजन खिलाने, हर गरीब को मिलेगा भरपेट भोजन, किसी जरूरतमंद की थाली नहीं रहेगी खाली जैसे स्लोगन लिखवाकर प्रचार-प्रसार शुरू कर दिया। इतना ही नहीं नगर पालिका ने स्वतंत्रता दिवस 15 अगस्त से इसके संचालन का प्रचार प्रसार कर ढिंढोरा पीटकर समाचार पत्रों की सुर्खियों बटोर ली।

निर्धन और असहाय लोगों को 5 रुपए में भरपेट भोजन मिलने वाली रसोई शुरू होने का इंतजार है। वहीं यहां से गुजरने वाले यात्री भी दीवाल पर प्रचार देखकर सस्ते भोजन की आस में खोजते हुए रसोई तक पहुंच जाते हैं, लेकिन जब वहां ताला लगा मिलता है तो वह निराश होकर लौट रहे हैं।

पिछले दिनों मुख्यमंत्री के आगमन से पहले आनन-फानन में इस रसोई को बस स्टैंड पर तैयार कर दिया गया था लेकिन यहां किसी भी जरूरतमंद को भोजन नहीं मिल रहा है। अब 15 अगस्त से यह रसोई क्यों शुरू नहीं हो सकी इस बात का कोई जवाब देने को भी तैयार नहीं है।

इनका कहना है

दीनदयाल रसोई तैयार करने के निर्देश मिलने के बाद रसोई को तैयार करा दिया गया है, किंतु अभी रसोई शुरू करने के संबंध में निकाय को कोई आदेश नहीं मिला है। जैसे ही आदेश मिलेगा तो रसोई का संचालन शुरू किया जाएगा।

निरंकार पाठक, सीएमओ, नौगांव

न्यायालय परिसर के अंदर धूम्रपान व गुटखा का सेवन करने वालो को जुर्माना

पन्ना, देशबन्धु। जिला लोक अभियोजन अधिकारी पन्ना के मीडिया प्रभारी सहा जिला लोक अभियोजन अधिकारी ऋषिकांत द्विवेदी के बताये अनुसार न्यायालय परिसर में पान मसाला, सिगरेट, बीड़ी एवं तम्बाकू का सेवन करते हुये रामरूप वर्मा, रामसाय प्रजापति, दीपू सिंह, शैलेन्द्र सिंह, मंगल वंशकार, सुरेश, हीरालाल अहिरवार पाये गये, जिनमें सार्वजनिक स्थान, शासकीय भवन, कार्यालय में प्रतिबंध होने के बाबजूद उक्त व्यक्तियों द्वारा धूम्रपान का सेवन करने के कारण सिगरेट एवं अन्य तम्बाकू उत्पाद अधिनियम के अंतर्गत 200-200 रूपए के अर्थदण्ड से दण्डित किया गया, अर्थदण्ड न देने पर 15 दिवस के कारावास से दण्डित किया गया। उक्त दण्ड मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट राजेन्द्र सिंह शाक्य की न्यायालय द्वारा किया गया।

आशा कार्यकर्ता की नियुक्ति न होने से गांव की महिलाएं प्रसव के लिये परेशान

पन्ना, देशबन्धु। जिला मुख्यालय से लगे ग्राम मनौर में आशा कार्यकर्ता की नियुक्ति दो वर्ष से नही हो रही है। जिससे प्रसव पीढित महिलायें भारी परेशान है। इसी प्रकार का मामला गांव में एक महिला को दो दिन से प्रसव पीड़ा हो रही थी लेकिन अस्पताल आने को परिवार तैयार नहीं था आंगनबाडी कार्यकर्ता की सूचना पर सीएचओ डॉक्टर एवं सामाजिक संस्थाओं के साथियों द्वारा की गई पहल पर महिला को जिला अस्पताल में भर्ती कराया और जच्चा बच्चा की जान को बचाने का सफल प्रयास किया गया।

आंगनबाडी कार्यकर्ता के द्वारा जरुआपुर में पदस्थ डॉ. अनुपमा शर्मा एवं सामाजिक संस्था विकास संवाद पन्ना की टीम को जानकारी दी गई जिसके बाद डॉक्टर एवं संस्था की टीम ने जाकर समुदाय की महिलाओं के साथ प्रसव पीड़ा से जूझ रही मेदा बाई एवं उनके पति बारे लाल को समझाया और फिर वह अस्पताल जाने को तैयार हुए टीम के साथियों द्वारा फोन कर एम्बुलेंस को बुलाया गया संस्था एवं डॉक्टर ने समुदाय से चर्चा की गई तो वहां उपस्थित महिलाओं के द्वारा बताया गया की गांव में यह परेशानी केवल इसलिए है की गांव में आशा कार्यकर्ता नहीं है यदि आशा कार्यकर्ता होती तो गांव की महिलाओं को अस्पताल में प्रसव कराने में कोई दिक्कत नहीं होती क्योंकि हमारे साथ गांव की एक पढ़ी लिखी महिला रहती तो हम सब के लिए सहारा होता इसी बजह से महिलाये अस्पताल जाने से डर रही है बताया गया की गांव में पूर्व में नियुक्त आशा द्वारा काम नहीं किया जा रहा था जिससे पुन: नियुक्ति की प्रक्रिया कई महीने पहले पंचायत से चुकी है। लेकिन अभी तक आशा कार्यकर्ता की नियुक्ति नहीं हो पाई है इसी बजह से स्वास्थ्य विभाग की सेवायें अंतिम व्यक्ति तक नहीं पहुंच पा रही है।

जिले के कई थानों से चोरी गई बकरियों में 2 दर्जन बरामद आरोपी गिरफ्तार

पन्ना, देशबन्धु। जिले में बकरी चोर काफी दिनों से सक्रिय थे उनके द्वारा लगातार विभिन्न स्थानों से बकरिया चोरी की जा रही थी जिसके संबंध में जिले के विभिन्न थानो से अलग-अलग फरियादियों द्वारा बकरी चोरी के मामले दर्ज कराये गये थे उक्त मामलो को गंभीरता से लेते हुये पुलिस अधीक्षक एस साई कृष्ण थोठा ने सभी थाना प्रभारियों को बकरी चोरो को गिरफ्तार करने के निर्देश दिये थे इसी परिपेक्ष में थाना प्रभारी धरमपुर द्वारा बकरी चोर को गिरफ्तार किया जिसमें चोरी में शामिल घटना क्रम का खुलासा किया गया तथा आरोपी के कब्जे से 24 नग बकरिया बरामद की गई जो उसने अपने साथियों के साथ मिलकर बकरिया चोरी की थी अरोपी प्रदीप उर्फ गुडडन पिता रज्जन कुशवाहा उम्र 31 साल निवासी मोहन निवास का बताया गया है तथा उक्त चोरियों में अन्य आरोपी फरार है उनमें अदश खान पिता फिरोज खान निवासी पुरुषोत्तमपुर हाल निवासी अमचुई थाना कोतवाली जिला पन्ना, ईसव उर्फ इनामत खान पिता फिरोज खान निवासी पुरुषोत्तमपुर हाल निवासी अमचुई थाना कोतवाली जिला पन्ना, टिड्डी उर्फ इलियास खान पिता फिरोज खान निवासी पुरुषोत्तमपुर हाल निवासी अमचुई थाना कोतवाली जिला पन्ना के निवासी है। आरोपी के कब्जे से एक बोलोरो कार कीमत पांच लाख बरामद की गई वह भी चोरी की है, एक पल्सर मोटर साईकिल कीमत साठ हजार, एक प्लेटीना मोटर साईकिल भी बरामद की गई है। उक्त कार्यवाही में थाना प्रभारी धरमपुर कृष्ण मावई तथा अन्य स्टाफ शामिल रहा।

केन नदी के किनारे बनेगा डायमंड कॉरिडोर

छतरपुर, देशबन्धु। छतरपुर और पन्ना जिले में बहने वाली केन नदी के किनारे डायमंड कॉरिडोर बनाया जाएगा। यह कॉरिडोर पन्ना जिले के अजयगढ़ प्रोजेक्ट हर्षा-1 और छतरपुर के राजनगर तहसील में हर्षा-2 के बीच बनेगा। राजनगर तहसील में हीरे पाए गए थे जिसके बाद जियोलोजिकल सर्वे ऑफ़ इंडिया ने यहां गूगल मैपिंग की थी। इसके बाद छतरपुर जिले के खनिज अधिकारी ने प्रोस्पेक्टिंग लीज के लिए टेंडर जारी किये हैं। छतरपुर जिले में राजनगर तहसील के 6 गांव की 1612 हेक्टेयर जमीन को चिह्नित किया गया है। छतरपुर पन्ना के हर्षा 1 और 2 के लिए ऑनलाइन टेंडर भी बुलाये गए हैं।

खनिज अधिकारी अमित मिश्रा का कहना है कि, जियोलॉजिकल सर्वे ऑफ़ इन्डिया के सर्वे में छतरपुर जिले के राजनगर तहसील के 6 गांव में हीरा पाए जाने की पुष्टि की थी इसके बाद गूगल मैपिंग कराई गई।

इस डायमंड प्रोजेक्ट के लिए वन और राजस्व के क्षेत्रों को चिह्नित किया गया है। हीरा खदान की नीलामी के बाद आगे की कोई कार्रवाही की जाएगी।

इन गांव में होगा हीरे का उत्खनन : राजनगर तहसील के 6 गांव बेनीगंज, बमनौरा, महलवार, धवाड़, मऊमसानियां में 1671 हेक्टेयर जमीन में हीरा पाया गया है सर्वे में वन विभाग की इसमें है 51.290 हेक्टेयर जमीन है जबकि शेष शासकीय और निजी भूमि है। खनिज निरीक्षक अमित मिश्रा बताते हैं कि ऑक्शन पर कंपोजिट लाइसेंस की प्रक्रिया चल रही है। यहां अच्छी क्वालिटी का हीरा वृहद क्षेत्र में मिल सकता है हालांकि अभी इसमें समय लगेगा।

होमगार्ड के सेवानिवृत डिस्ट्रिक कमांडेंट कांग्रेस में शामिल

छतरपुर, देशबन्धु। पिछले कुछ दिनों से जिले के सेवानिवृत्त अधिकारी राजनीति की ओर रुख कर रहे हैं और यहां तक कि कुछ अधिकारी तो पद त्याग कर भी राजनीति की ओर गए हैं। पिछले दिनों जहां छतरपुर के पूर्व जिला शिक्षा अधिकारी एस.के. शर्मा ने सेवानिवृत्ति के बाद कांग्रेस की सदस्यता ली थी तो अब वहीं हाल ही में सेवानिवृत्त हुए होमगार्ड के डिस्ट्रिक कमांडेंट करन सिंह ने भी कांग्रेस का दामन थाम लिया है। करन सिंह ने गुरूवार को भोपाल में पूर्व मुख्यमंत्री एवं कांग्रेस के प्रदेशाध्यक्ष कमलनाथ के हाथों कांग्रेस की सदस्यता ली।

उल्लेखनीय है कि उक्त दोनों अधिकारियों के अलावा पूर्व में लवकुशनगर एसडीएम निशा बांगरे और लवकुशनगर एसडीओपी पीएल प्रजापति भी अपने पदों को स्वेच्छा से त्याग चुके हैं। बताया जा रहा है कि वे भी जल्द ही किसी न किसी पार्टी का दामन थामेंगे।

पुलिस की तानाशाही के विरोध में बहेलिया समुदाय ने सौंपा ज्ञापन

पन्ना, देशबन्धु। जिले के कुपना महुआ खेड़ा में रहने वाले सैकड़ो आदिवासी समुदाय के लोगों ने 24 अगस्त 2023 को किसान कांग्रेस के प्रदेश उपाध्यक्ष अब्दुल रमजान चौहान के नेतृत्व में कलेक्टर के माध्यम से मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपकर शासन की योजनाओं का लाभ दिलाने और पुलिस की तानाशाही बंद करवाने की मांग की है, श्री चौहान ने बताया कि बहेलिया आदिवासी समुदाय के लोग पहले जड़ी बूटी का व्यवसाय करते थे और जंगल में रहते थे लेकिन अब शासन के द्वारा इन्हें जंगल से बाहर कर तमाम प्रतिबंध लगा दिए गए हैं जिससे अब इनकी आजीविका पूरी तरह से मजदूरी पर आश्रित है, बहेलिया आदिवासी समुदाय के लोगों को शासन की किसी भी योजना का लाभ नहीं मिल रहा श्री चौहान ने मांग उठाई है कि बहेलिया समुदाय के लोगों को खेती के लिए पांच-पांच एकड़ जमीन दी जाए, प्रधानमंत्री आवास योजना का लाभ दिया जाए एवं राशन कार्ड बनवा जाएं, साथ ही बहेलिया समुदाय के लोगों को परेशान करने वाले पुलिस कर्मियों पर कार्रवाई की जाये।

पुलिस चौकी प्रभारी चंदोरा आनंद मोहन मिश्रा निलंबित

पन्ना, देशबन्धु। अभी हाल ही में चंदोरा चोकी में पदस्थ हुये चोकी प्रभारी आनंद मोहन मिश्रा को लापरवाही के चलते पुलिस अधीक्षक एस साई कृष्ण थोठा द्वारा निलंबित कर दिया है ज्ञात हो कि पुलिस चोकी क्षेत्र में लगातार अपराधिक गतिविधिया बढ रही थी तथा चोकी प्रभारी द्वारा उक्त गतिविधियों को निरंतर नही किया जा रहा था एवं स्थानीय लोगों द्वारा शिकायते भी की जा रही थी जिसको जिले के संवेदनशील पुलिस अधीक्षक एस साई कृष्ण थोटा द्वारा गंभीरता से लेते हुये चोकी प्रभारी को निलंबित कर दिया गया तथा पुलिस मोहकमा को संदेश दिया है कि किसी भी स्तर पर लापवाही बर्दाश्त नही की जायेगी।

कार्यालय जिला कार्यक्रम अधिकारी, (जिला बाल संरक्षण) महिला एवं बाल विकास जिला सागर म.प्र.

कलेक्ट्रेट के पास,जिला सागर (म.प्र.)
Email-weosagar@gmail.com Phone No.-07582222215

भवन हेतु संक्षिप्त निविदा

महिला एवं बाल विकास विभाग सागर द्वारा जिले में चाइल्ड लाईन सेवाओं को सुचारु रुप से जारी रखने हेतु किराये पर एक 2 BHK मकान की आवश्यकता है। चाइल्ड हेल्प लाईन की सेवाये 24×7 रहती है। अत: संबंधित भवन सागर शहर सीमा के मुख्य मार्गो से लगा हुआ यथा शासकीय चिकित्सालय पुलिस थाना, बस स्टेण्ड, रेलव स्टेशन, मुख्य चौराहा पर हो एवं आवागमन की सुलभ सुविधा होना चाहिए। उक्त भवन में रसोई, दो शौचालय, बिजली-पानी की पर्याप्त व्यवस्था, वाहन पार्किंग व्यवस्था एवं स्वच्छता की दृष्टि से उपयुक्त होना चाहिए। इच्छुक भवन मालिक अपने आवश्यक दस्तावेजों के साथ भवन किराये से देने हेतु आवेदन/प्रस्ताव निम्न पते पर दिनांक 28.08.2023 समय अपराहन 05 बजे तक भेजे। प्राप्त प्रस्तावों पर अंतिम निर्णय कलेक्टर महोदय सागर का रहेगा।

पता- जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास कमरा क्रं. 0226 नया कलेक्टर कार्यालय भवन सागर ई मेल आई डी-weosagar@gmail.com

फोन नं.-9827524656, 7415355247

जिला कार्यक्रम अधिकारी
महिला एवं बाल विकास जिला सागर म.प्र.

जी-18735/23

न्यायालय विवाह अधिकारी एवं अपर कलेक्टर पन्ना जिला पन्ना म.प्र.

आदेशिका क्र. 167/2023 पन्ना दिनांक 21 अगस्त 2023

सार्वजनिक उद्घोषणा

नोटिस दाता:-रफीक मोहम्मद उम्र 24 वर्ष, पुत्र श्री कमल खान निवासी,पवई तहसील पवई जिला पन्ना मध्य प्रदेश

एवं

सविता उम्र 18 वर्ष पुत्री श्री मुन्ना आदिवासी निवासी वार्ड नं. 8 पवई तहसील पवई जिला पन्ना म.प्र.

इस नोटिस के द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि उपरोक्त नोटिस दाताओं ने विशेष विवाह अधिनियम 1954 की धारा 05 के तहत परस्पर विशेष विवाह करने हेतु सूचना पत्र इस न्यायालय में प्रस्तुत किया गया है।

उपरोक्त विवाह के संबंध में यदि किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो वह स्वयं या अपने वैध प्रतिनिधि द्वारा लिखित रुप में इस उद्घोषणा जारी होने के दिनांक से 30 दिन के अंदर इस न्यायालय में प्रस्तुत कर सकता है, समयावधि के पश्चात प्राप्त आपत्तियों पर विधि के सम्यक अनुक्रम में सुनवाई नहीं की जाएगी।

उद्घोषणा के साथ द्वितीय अनुसूची '**आशयित विवाह की सूचना**' संलग्न कर भेजी जा रही है। उद्घोषणा का विधिवत् प्रकाशन कराया जाए एवं वाद तामील इस न्यायालय को भेजी जाए।

उद्घोषणा आज दिनांक **21 अगस्त 2023** को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की पद मुद्रा से जारी की गई।

संलग्न- आशायित विवाह की सूचना

प्रकरण में सुनवाई तिथि **21 सितम्बर 2023**

(नीलाम्बर मिश्र)
अपर कलेक्टर एवं
विवाह अधिकारी , पन्ना मध्यप्रदेश

छेड़छाड़ का विरोध करने पर मां-बेटी को पीटा

भोपाल, देशबन्धु। छोला मंदिर थाना इलाके में रहने वाली युवती से पड़ोसी युवक ने छेड़खानी कर दी। युवती ने घर आने के बाद मां को यह बात बताई। मां ने विराध किया तो आरोपी व उसकी पत्नी ने महिला से अभद्रता की और विवाद बड़ने के बाद पति और पत्नी ने उन्हें जमकर पीटा। इस दौरान युवक ने सिर में डंडा मारकर महिला का सिर फोड़ दिया। वहीं बीच बचाव कर रही उसकी बेटी की भी धुनाई कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार 45 वर्ष की महिला शंकर नगर थाना छोला मंदिर में परिवार के साथ रहती है। उनके पति का निधन हो चुका है। उनकी 18 साल की बेटी कपड़ों की दुकान में काम करती है। रविवार को वह काम से घर लौट रही थी। इसी बीच शेरू रायकवार नामक युवक जो उसके पड़ोस में रहता है ने युवती का रास्ता रोक लिया और अभद्र टिप्पणी की। युवती ने इसका विरोध किया तो जान से मारने की धमकी दी। युवती ने घर पहुंचने के बाद मामले की जानकारी मां को दी। मां घर के बाहर निकलकर आरोपी को समझाइश देने के लिए पहुंची। इससे नाराज शेरू व उसकी पत्नी ने उनके साथ मारपीट कर दी। इस दौरान शेरू ने महिला के सिर में डंडा मारा इससे उसके सिर में गंभीर चोट आई है। वहीं उसके पांव को डंडे से कई वार कर तोड़ दिया। इस दौरान बीच बचाव में आई बेटी को भी आरोपियों ने जमकर पीटा। इसके बाद में आरोपी पति और पत्नी जान से मारने की धमकी देकर फरार हो गए। अब आरोपी पक्ष महिला को फिर धमका रहा है। पीड़ित महिला का कहना है कि तीन दिन बाद भी पुलिस आरोपियों को गिरफ्तार नहीं कर सकी है। इतना ही नहीं आरोपियों द्वारा धमकी देने की शिकायत थाने में की गई लेकिन पुलिस ने प्रकरण दर्ज नहीं किया है। इस संबंध में थाना प्रभारी सुरेश चंद्र नागर ने बताया कि आरोपी शेरू के खिलाफ मारपीट व छेड़खानी का और उसकी पत्नी के खिलाफ मारपीट की धाराओं में प्रकरण दर्ज किया गया है। आरोपियों की तलाश जारी है।

सूने घर से सोने का हार चोरी

भोपाल, देशबन्धु। जहांगीराबाद इलाके में रहने वाली एक महिला के सूने घर से उसका सोने का हार चोरी चला गया। महिला ने अपने दो करीबियों पर शक जताया है। पुलिस ने चोरी का प्रकरण दर्ज कर छानबीन शुरू कर दी है। पुलिस इलाके में आसपास लगे सीसीटीवी की मदद से अज्ञात चोर का पता लगाने की कोशिश कर रही है।

जहांगीराबाद थाना पुलिस के अनुसार चिकलोद रोड पर रहने वाली तबस्सुम 21 अगस्त की रात करीब साढ़े दस बजे अपने परिवार के साथ रिश्तेदार के घर दावत में गई थीं। करीब दो घंटे बाद वहां से जब वह वापस लौटीं तो उन्हें घर के दरवाजे पर लगा ताला टूटा हुआ मिला। अंदर पहुंचकर देखा तो सभी सामान व्यवस्थित था। सूने घर में दाखिल हुए चोर ने घर की किसी भी चीज को नहीं छुआ था। उसने केवल कपड़ों के बीच छिपाकर रखे गए सोने के हार पर हाथ साफ किया तथा वहां से भाग निकला। सूचना मिलने के बाद पुलिस ने अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ चोरी का प्रकरण दर्ज कर लिया है। प्राथमिक जांच में महिला ने शक जताया है किसी ऐसे व्यक्ति ने चोरी की वारदात को अंजाम दिया है, जिसे उसके घर में सोने का हार कपड़ों के बीच रखे होने की जानकारी थी। फिलहाल दो करीबी लोगों पर शक जताया जा रहा है। सोने के इस हार की कीमत करीब 80 हजार रुपए बताई गई है।

कार्यालय नगर पालिका परिषद जिला छतरपुर म.प्र.

क्रमांक/8359/स्वा. शाखा/न.पा.छ/2023 छतरपुर दिनांक 22.08.2023

निविदा सूचना

निम्नलिखित कार्य हेतु केन्द्रीयकृत प्रणाली में पंजीकृत ठेकेदारों से ऑनलाईन निविदायें आमंत्रित की जाती है। निविदा का विस्तृत विवरण वेबसाइट http://mptenders.gov.in पर देखा जा सकता है।

क्र.	टेंडर क्रमांक जारी दिनांक	कार्य का नाम	कार्य की समयावधि एवं लागत	निविदा प्रपत्र का मूल्य एवं EMD	निविदा की अंतिम तिथि
1	2	3	4	5	6
1	301039 23.08.2023	ठंड के मौसम में अलाव व्यवस्था हेतु जलाऊ लकड़ी क्रय कार्य	6 माह 498000/-	2000/- 4980/-	08.09.2023

नोट:- निविदा से संबंधित किसी भी प्रकार के संशोधन का प्रकाशन ऑनलाईन की वेबसाइट http://mptenders.gov.in पर ही किया जायेगा प्रथक से समाचार पत्र में प्रकाशन नहीं किया जावेगा।

मुख्य नगर पालिका अधिकारी
नगर पालिका परिषद
छतरपुर

कार्यालय कार्यपालन यंत्री लोक स्वास्थ्य यांत्रिकीय खण्ड छतरपुर

फोन 07682-248252 mail. eephedcha@gmail.com and eephedcha@nic.in

नि.आ.सू.क्रं. 12/नि.प्र./का.यं./लो.स्वा.यां./खण्ड/2023-24 दिनांक 18.08.2023

द्वितीय निविदा आमंत्रण सूचना

निम्नलिखित कार्यों की निविदायें ई-टेण्डरिंग पद्धति से ऑनलाईन वेबसाइट https://mptenders.gov.in पर आमंत्रित की गई है। निविदा प्रपत्र दिनांक 05.09.2023 को सायं 5.30 बजे तक डाउनलोड क्रय तथा निविदा दर ऑनलाईन प्रस्तुत की जा सकती है। निविदा छतरपुर जिला के विकासखंड के ग्रामों में जल जीवन मिशन के अंतर्गत सर्वेक्षण अनुसंधान, जल वितरण नलिकाओं का रुपांकन, रिट्रोफिट योजना का निर्माण जिसके अंतर्गत सफल स्त्रोत का निर्माण, टंकी निर्माण एवं सम्पवैल निर्माण, विद्युत सबमर्सिबल पंपो की स्थापना, राइजिंग मेंन व जल वितरण नलिकाओं को बिछाना, जोड़ना क्रियाशील घरेलू नल कलेक्शन करना एवं अन्य सहायक कार्य 90 दिवस का ट्रायल रन के साथ के कार्य हेतु ठेकेदार का नवीन केन्द्रीकृत पंजीयन प्रणाली में पंजीकृत होना आवश्यक है। निविदाओं का विवरण निम्नानुसार है।

सं. क्रं.	ई-टेंडर आई. डी. क्रमांक	कार्य का नाम	ग्राम/ विकाखण्ड	कार्य की अनुमानित लागत (मूल्य रु. में)	अमानत की राशि (मूल्य रु. में)	निविदा प्रपत्र का (मूल्य रु. में)	कार्य की अवधि
1	2	3	4	5	6	7	8
1	2023_PHED_ 300015-1	सर्वेक्षण अनुसंधान जल वितरण नलिकाओं का रुपांकन एवं जल जीवन मिशन के अंतर्गत रिट्रोफिट योजना का निर्माण	खरावा, नगरौली रावपुर/लवकुश नगर	27566188/-	275662/-	15000/-	9 माह वर्षा काल सहित
2	2023_PHED_ 300016-1	जिसके अंतर्गत सफल स्त्रोत का निर्माण, विद्युत सबमर्सिबल पंपों की स्थापना आर.सी.सी.टंकी सम्पबेल का निर्माण राइजिंग	इटौरा, मवईघाट, हाजीपुर/गौरीहार	27928817/-	279288/-	15000/-	9 माह वर्षा काल सहित
3	2023_PHED_ 300017-1	मेंन व जल विवरणनलिकाओं को बिछाना, जोड़ना क्रियाशील घरेलू कनेक्शन का प्रदाय पंप हाऊस का निर्माण विद्युत लाइन का निर्माण 90 दिवस का ट्रायल रन के	खामिनखेड़ा, रामपुरघाट, जूडीपुर, करीतपुर,नाद/ गौरीहार	29735990/-	297360/-	15000/-	9 माह वर्षा सहित

निविदा से संबंधित समस्त आवश्यक दस्तावेज ऑनलाईन ही Submit/Upload करने होंगे। निविदा का विस्तृत विवरण उक्त वेबसाइट पर देखा जा सकता है। निविदा में संशोधन की स्थिति में उक्त वेबसाइट पर ही संशोधन देखा जा सकेगा। विस्तृत निविदा आमंत्रण सूचना शर्तें व अन्य जानकारी उक्त वेबसाइट पर देखी जा सकती है।

जी-18737/23

कार्यपालन यंत्री
लोक स्वास्थ्य यांत्रिकीय खंड छतरपुर म.प्र. मो. 9479942393

प्रेक्षक ने राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों तथा प्रशासनिक अधिकारियों के साथ की बैठक

पात्र मतदाता का नाम मतदाता सूची में दर्ज होने से नहीं रहे शेषः भदौरिया

टीकमगढ़,देशबन्धु। मतदाता सूची के पुनरीक्षण के लिये निर्वाचन आयोग द्वारा नियुक्त रोल प्रेक्षक धनंजय सिंह भदौरिया ने जिले के प्रवास के दौरान राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों तथा प्रशासनिक अधिकारियों की बैठक ली। बैठक में उन्होंने मतदाता सूची के पुनरीक्षण कार्य की विस्तार से जानकारी ली। इस अवसर पर राजनैतिक दलों के प्रतिनिधि, कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी अवधेश शर्मा, जिला पंचायत सीईओ सिद्धार्थ जैन, अपर कलेक्टर पीएस चौहान, डिप्टी कलेक्टर एवं उप जिला निर्वाचन अधिकारी श्रीमती दीपाश्री गुप्ता, एसडीएम टीकमगढ़ संजय दुबे, एसडीएम जतारा लोकेन्द्र सिंह सरल, एसडीएम बल्देवगढ़ विजय कुमार सेन, समस्त नोडल अधिकारी सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे। रोल प्रेक्षक श्री भदौरिया ने कहा कि जिले में कोई भी पात्र मतदाता का नाम मतदाता सूची में दर्ज होने से शेष नहीं रहे। हर मतदाता का नाम मतदाता सूची में रहे। सभी पात्र मतदाता अपने मताधिकार का उपयोग भी करें, इस हेतु स्वीप गतिविधियों के माध्यम से लोगों को जागरूक करें। उन्होंने राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों से कहा कि वे प्रत्येक मतदान केन्द्र पर अपना बीएलए अवश्य नियुक्त करें। बीएलए के सहयोग से जिले की मतदाता सूची त्रुटि रहित बनाने में मदद मिलेगी। इसी प्रकार मतदान का प्रतिशत बढ़ाने में भी बीएलए का सहयोग मिलेगा। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री शर्मा ने निर्देशित किया कि सभी एसडीएम, तहसीलदार, एआरओ सभी व्यापक प्रचार-प्रसार करें एवं सभी अधिकारी स्वयं अपना नाम जुड़वायें। उन्होंने कहा कि सभी अधिकारी बीएलओ से संपर्क करें एवं पूरा प्रयास करें कि मतदाता सूची में सभी का नाम जोड़ने एवं हटाने की गतिविधियां करें। उन्होंने कहा कि सभी प्राचार्य से भी महाविद्यालयों से लिखवाकर भी लिया जायेगा कि कोई भी छात्र-छात्रा शेष नहीं रहे। उन्होंने कहा कि जितनी भी महिलायें, दीदियां बोट देने से बंचित हैं उन्हें जोड़े। कोई भी शेष न बचें। सभी बीएलए भी 10 नाम लेकर आयें एवं बीएलओ से जुड़वायें। बीएलए री-डुपलीकेट मतदाताओं के नाम तुरंत हटवाने हेतु संज्ञान में लायें। जिला पंचायत सीईओ श्री जैन ने कहा कि स्वीप अतंर्गत संचालित गतिविधियों की चर्चा जिनमें जेंडर रेशियो बढ़ाने, नये वोटर को जोड़ने हेतु विभिन्न गतिविधियां आयोजित की जा रही हैं, जिसमें हर घर तिरंगा अभियान को स्वीप से जोड़ा गया, स्कूल-कॉलेजों में बच्चों ने अभिभावकों को पाती लिखी गयी। इसके अतिरिक्त विभिन्न विभागों से समन्वय व साझेदारी से स्वीप कार्य किये जा रहे हैं। बैठक में राजनैतिक दलो के प्रतिनिधियों को मतदाता सूची के पुनरीक्षण के संबंध में विस्तार से जानकारी देते हुए बताया गया कि जिले में 2 अगस्त 2023 से पुनरीक्षण का कार्य प्रारंभ किया गया है। इसके अंतर्गत मतदाता सूची में नाम शामिल करने, हटाने एवं संशोधन करने के लिए 31 अगस्त 2023 तक आवेदन लिये जाएंगे। आवेदन लेने का कार्य जिले के सभी मतदान केन्द्रों पर बीएलओ द्वारा किया जा रहा है। जिले में सेक्टर आफिसर नियुक्त किये गए हैं जो मतदाता सूची के पुनरीक्षण कार्य में निगरानी के साथ सहयोग कर रहे हैं। बैठक में राजनैतिक दलो के प्रतिनिधियों द्वारा बताई गई समस्याओं को सुना गया और उनका समाधान किया गया। राजनैतिक दलो के प्रतिनिधियों से अपेक्षा की गई कि जिले में स्वतंत्र, निष्पक्ष एवं शांतिपूर्वक मतदान सम्पन्न कराने एवं त्रुटि रहित मतदाता सूची बनाने में वे अपना योगदान देंगे।

आज सामूहिक अवकाश पर रहेंगे जिले के अधिकारी-कर्मचारी

टीकमगढ़, देशबन्धु। मध्य प्रदेश अधिकारी कर्मचारी संयुक्त मोर्चा के प्रांतीय आवाहन पर आंदोलन के तृतीय चरण में 25 अगस्त को जिले के अधिकारी कर्मचारी अपनी लंबित मांगों के निराकरण हेतु सामूहिक अवकाश पर रहेंगे। यह जानकारी देते हुए संयुक्त मोर्चा के पदाधिकारी एवं लिपिक वर्गीय कर्मचारी संघ के जिला अध्यक्ष जेके जैन एवं मध्य प्रदेश राज्य कर्मचारी संघ के जिला अध्यक्ष विवेक खरे ने संयुक्त विज्ञप्ति जारी कर बताया कि प्रदेश के अधिकारी कर्मचारियों की विभिन्न मांगे कई वर्षों से लंबित हैं। प्रदेश सरकार को कई बार ज्ञापन देने के बावजूद भी इनका निराकरण नहीं किया गया है। जिसके फलस्वरुप संयुक्त मोर्चा द्वारा तीन चरणों में आंदोलन का निर्णय लिया गया था। इसी रणनीति के तहत तृतीय चरण में मध्य प्रदेश के समस्त जिलों में समस्त अधिकारी कर्मचारी 25 अगस्त को सामूहिक अवकाश पर रहेंगे एवं अपनी 39 सूत्रीय मांगों का ज्ञापन जिला प्रशासन को सौंपेंगे। इसी रणनीति के तहत 24 अगस्त गुरुवार को जिले के समस्त अधिकारी कर्मचारियों द्वारा सामूहिक अवकाश का आवेदन अपने कार्यालय प्रमुख को सौंपा गया। शुक्रवार 25 अगस्त को दोपहर 12 बजे से 5 बजे बजे तक शांतिपूर्ण धरना प्रदर्शन कलेक्ट्रेट टीकमगढ़ पर किया जाएगा। तत्पश्चात शाम 5 बजे मुख्यमंत्री को एक ज्ञापन जिला प्रशासन के माध्यम से सौंपा जाएगा। उसके बाद भी यदि सरकार हमारी मांगों पर विचार नहीं करती है तो 10 सितंबर को प्रदेश के समस्त कर्मचारी भोपाल में एकत्रित होकर अनिश्चितकालीन आंदोलन प्रारंभ करेंगे। इस धरना प्रदर्शन में संयुक्त मोर्चा के संरक्षक राम गोपाल शर्मा, जिला अध्यक्ष मधुकर उपाध्याय, मनोज कुमार अहिरवार अध्यक्ष अजाक्स, राघवेंद्र सिंह राजपूत अध्यक्ष पेंशनर्स एसोसिएशन, गौरी शंकर नामदेव अध्यक्ष लघु वेतन कर्मचारी, संघ प्रदीप कुमार चतुर्वेदी अध्यक्ष आयुष कर्मचारी संघ, आरबी शर्मा अध्यक्ष तृतीय श्रेणी कर्मचारी संघ, ओपी शर्मा अध्यक्ष वाहन चालक संघ सहित संयुक्त मोर्चा से जुड़े हुए समस्त कर्मचारी संगठनों का सहयोग रहेगा।

10 सितम्बर से भोपाल में अनिश्चित कालीन आंदोलन की चेतावनी

आगामी विधानसभा चुनाव के लिए पुलिस की तैयारियां शुरू

5 दिवसीय प्रशिक्षण का शुभारंभ

टीकमगढ़, देशबन्धु। आगामी विधान सभा चुनाव 2023 का 05 दिवसीय जिला स्तरीय चुनाव प्रशिक्षण गुरुवार 24 अगस्त से 28 अगस्त तक पुलिस कंट्रोल रूम टीकमगढ़ में आयोजित किया जा रहा है। इसी तारतम्य में 24 अगस्त को पुलिस अधीक्षक रोहित काशवानी के निर्देशन में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सीताराम सासत्या, एसडीओपी टीकमगढ़ राहुल कटारे, रक्षित निरीक्षक विशाल मालवीय द्वारा पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों को चुनाव प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षण के दौरान प्रमुख रुप से आदर्श आचार संहिता एवं इसके संबंध में मतदान के पूर्व मतदान के दिन पुलिस द्वारा विभिन्न परिस्थितियों में की जाने वाली कार्यवाहियों सहित निर्वाचन संबंधी मुख्य कानूनी प्रावधान, अति संवेदनशील एवं संवेदनशील मतदान केन्द्रों का चिन्हांकन दोनों क्षेत्रों में सुरक्षा बल एवं संसाधनों का नियोजन एवं मतदाताओं में मनोबल वृद्धि, कानून व्यवस्था बनाये रखने में विशेष अभियान के लिए की जाने वाली कार्यवाहियाँ एवं सावधानियां, एसएसटीए फ्लाइंग स्क्वाड आदि व्यवस्थाओं की जानकारी, मतदान दिवस पर डियूटी बूथ एवं सेक्टर मोबाइल, समस्त पुलिस बल क्या करें और क्या न करें के संबंध में ब्रीफिंग की जानकारी, अंतर्राज्यीय सीमा पर चैक पोस्ट व समन्वय, व्यवस्था के संबंध में की जाने वाली कार्यवाहियां, ईवीएम की सुरक्षा मतदान के पूर्व, मतदान के दौरान एवं मतदान के पश्चात इत्यादि के बारे में बताया गया। गुरुवार को पहले दिन 92 पुलिस अधिकारियों, कर्मचारीयों द्वारा उपरोक्त प्रशिक्षण प्राप्त किया गया।

मतदाता सूची के पुनरीक्षण के कार्य में दिखाएं गंभीरता: एसडीएम

पलेरा, देशबन्धु। मतदाता सूची के पुनरीक्षण कार्य में पूरी गंभीरता से कार्य निष्पादन करें। निष्पक्ष और शुद्ध निर्वाचन के लिए मतदाता सूची का सही होना जरूरी है। मतदाता सूची का यह कार्य प्राथमिकता से समय सीमा में पूर्ण करें। यह बात जतारा एसडीएम लोकेंद्र सिंह सरल ने निर्वाचन कार्य में संलग्न सुपरवाइजर एवं बीएलओ से कही। मतदाता सूची के पुनरीक्षण कार्य में तैनात अमले की बैठक गुरुवार को तहसील कार्यालय में आयोजित की गई। बैठक में एसडीएम लोकेंद्र सिंह सरल ने कहा कि निर्वाचन आयोग से प्राप्त निर्देशों के अनुरूप मतदाता सूची के पुनरीक्षण का कार्य किया जाना है। सूची में शुद्धता के लिए सुपरवाइजर और बीएलओ अपने काम से संबंधित पूरी जानकारी और नियमों का ध्यान रखें। उन्होंने मतदाता सूची के सर्वे एवं सत्यापन के दौरान बीएलओ द्वारा मतदाताओं से संबंधित कौनसी जानकारी एकत्र की जाना है, यह विस्तार से बताया। इस कार्य में अमले को आ रही कठिनाइयों के समाधान के लिए तहसील कार्यालय निर्वाचन शाखा में संपर्क करना है। बीएलओ रजिस्टर के क्वालिटी पर ध्यान देने तथा बीएलओ के रजिस्टर को शत-प्रतिशत चेक करने के निर्देश एसडीएम ने दिए। उन्होंने कहा कि रजिस्टर के हर पेज पर सुपरवाइजर के हस्ताक्षर होने चाहिए। इस मौके पर तहसीलदार डॉक्टर अवंतिका तिवारी समेत राजस्व निरीक्षक कामता प्रसाद अहिरवार, लक्ष्मी प्रसाद राजपूत मौजूद रहे।

मुस्लिम धर्मावलंबियों का जत्था अजमेर शरीफ रवाना

पलेरा, देशबन्धु। गुरुवार को नगर से मुस्लिम धर्मावलंबियों का जत्था अजमेर शरीफ के लिए रवाना हुआ। इन लोगों को नगर परिषद उपाध्यक्ष संदीप तिवारी उर्फ रानू ने अपने निजी खर्चे पर मुख्य चौक पर फूल माला पहनाकर व शुभकामनाएं देकर विदा किया। श्री तिवारी ने बताया कि अजमेर शरीफ की यात्रा पर जा रहे यात्री अपने परिवार सहित क्षेत्र व देश की खुशहाली के लिए विशेष दुआ करेंगे। उन्होंने बताया कि अजमेर शरीफ दरगाह पर सभी धर्मों के लोगों का आस्था जुड़ी हुई है। इसे सर्वधर्म सद्भाव की अद्भुत मिसाल भी माना जाता है। ख्वाजा मोइनुद्दीन चिश्ती के दरबार में हर धर्म के लोग अकीदत रखते हैं। ऐसी मान्यता है कि ख्वाजा मोइनुद्दीन चिश्ती के दरबार में जाने बाला कभी खाली हाथ नहीं लौटता है। सभी की नेक तम्मना पूरी होती है। इस दौरान मुस्लिम समुदाय के नागरिक उपस्थित रहे।

विधायक प्रवास कार्यशाला में विधानसभा चुनाव की रणनीति बनी

पलेरा, देशबन्धु। नगर में गुरुवार को भारतीय जनता पार्टी मंडल पलेरा में विधायक प्रवास कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में उत्तर प्रदेश के पूर्वी विधानसभा क्षेत्र के विधायक कैलाश सिंह राजपूत मुख्य रूप से मौजूद रहे। बताया गया है कि कार्यक्रम का प्रमुख उद्देश्य राष्ट्रीय संगठन के द्वारा मध्य प्रदेश की प्रत्येक विधानसभा में सात दिवसीय विधायक का फीडबैक कार्यक्रम दिया गया था। जिसके अंतर्गत बीते गुरुवार को खरगापुर विधानसभा क्षेत्र के मंडल पलेरा में बैठक का आयोजन किया गया। बैठक के दौरान विधायक कैलाश सिंह राजपूत ने कहा कि हमारी ताकत हमारे कार्यकर्ता हैं। विचार के आधार पर जो कार्यकर्ता जुड़ा है वह पूरे उत्साह के साथ मैदान में उतरे। यहीं विधायक प्रवास की सार्थकता है। आपके प्रवास से कार्यकर्ता प्रेरित होंगे और मध्य प्रदेश भाजपा को लाभ होगा। उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश में नीचे तक आदर्श संगठन है फिर भी हमें तैयारियों में जुटना है। बैठक में भाजपा मंडल के पदाधिकारी, मोर्चा पदाधिकारी, वरिष्ठ नेतागण एवं भाजपा के जनप्रतिनिधि प्रमुख रूप से मौजूद रहे।

नायब तहसीलदार सत्यप्रकाश खरे ने संभाला पदभार

पलेरा, देशबन्धु।। मोहनगढ़ तहसील कार्यालय से स्थानांतरित होकर नगर पलेरा तहसील कार्यालय में नायब तहसीलदार सत्यप्रकाश खरे ने पदभार ग्रहण कर लिया है। तहसील कार्यालय में पदस्थ कर्मचारी स्टाफ ने नवागत नायब तहसीलदार का स्वागत किया। पदभार ग्रहण करने के बाद नायब तहसीलदार सत्यप्रकाश खरे ने बताया कि तहसील में लंबित शासकीय प्रकरणों की संख्या अधिक है। इसके साथ ही कोर्ट केस भी लंबित होने से इन प्रकरणों का निराकरण जल्द ही किया जाएगा। लोगों को सुविधाएं मिलें, ऐसे प्रयास किए जाएंगे। बार-बार तहसील कार्यालय में ग्रामीणों को आकर परेशान नहीं होना पड़े, उन्हें ऐसी सुविधाएं प्रदान करने के लिए जल्द ही बैठक करके कार्य योजना बनाई जाएगी।

भाजपा जिलाध्यक्ष ने पत्रकार वार्ता में जारी किया 20 साल का रिपोर्ट कार्ड कहा

गरीब और वंचित वर्ग के लिए कार्य कर रही भाजपा सरकारः अमित

टीकमगढ़, देशबन्धु। गुरुवार को सर्किट हाउस में आयोजित भाजपा की पत्रकार वार्ता में मुख्य अतिथि भाजपा जिलाध्यक्ष अमित नुना द्वारा प्रदेश की भाजपा सरकार में 20 साल के गरीब कल्याण का रिपोर्ट कार्ड जारी किया गया। श्री नुना ने पत्रकार वार्ता को संबोधित करते हुए कहा कि मध्य प्रदेश में 1956 में प्रदेश के गठन के बाद से 2003 तक ज्यादातर समय कांग्रेस की ही सरकारें रही है। इन सरकारों ने प्रदेश को बीमारू राज्य बना दिया था। वर्ष 2003 में प्रदेश में उमा भारती जी के नेतृत्व में भाजपा की सरकार बनी, बाद में बाबूलाल गौर और शिवराज सिंह चौहान ने सरकार का नेतृत्व किया। भाजपा की सरकार ने प्रदेश को 20 सालों में बीमारू से बेमिसाल राज्य बनाया। मिस्टर बंटाधार और कमलनाथ इस बात का जवाब दें कि 53 सालों में उनकी सरकारों ने प्रदेश के लिए क्या किया। मध्य प्रदेश में 15 महीना के लिए बनी कमलनाथ की सरकार ने भाजपा सरकार द्वारा शुरू की गई गरीब कल्याण की सारी योजनाएं बंद करके गरीब कल्याण अभियान को अपाहिज बना दिया था। वर्ष 2003 से 2023 तक के 20 साल प्रदेश में गरीबी से मुक्ति का स्वर्णकाल रहे हैं। वर्ष 2014 में देश में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार बनी और उन्होने मध्य प्रदेश की दिल खोलकर मदद करते हुए ना सिर्फसड़क, बिजली और पानी की समस्या को दूर किया बल्कि शिक्षा, स्वास्थ्य, सुशासन और विकास के सभी मापदंडों पर प्रदेश को आगे बढ़ाया। श्री नुना ने चंद्रयान 3 की उपलब्धि पर इसरो सहित देश व शहर वासियों को बधाई दी। श्री नुना ने कहा कि जिले को भाजपा सरकार ने मेडिकल कॉलेज जैसी बड़ी सौगात प्रदान की, लाड़ली लक्ष्मी योजना से 70208 एवं लाड़ली बहना योजना से 202383 हितग्राहियों को लाभ पहुंचा है। मुख्यमंत्री किसान कल्याण योजना से 157583 हितग्राहियों तथा प्रधानमंत्री किसान कल्याण योजना से 158968 हितग्राहियों को लाभ पहुंचा है। प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण से 53381 हितग्राहीयों व प्रधानमंत्री आवास योजना शहरी 15598 हितग्राहियों को लाभ पहुंचा है। टीकमगढ़ में खाद्यान्न पात्रता पर्ची में लाभान्वित परिवार 212254 है। आयुष्मान भारत योजना के पंजीयन के तहत उपचार की संख्या 20286 है व टीकमगढ़ जिले में सीएम राइज स्कूलों की संख्या 4 है जिसमें बड़ागांव धसान शामिल है। इस मौके पर भारतीय जनता युवा मोर्चा जिला अध्यक्ष इंजी. अभय प्रताप सिंह यादव, आकाश विश्वकर्मा, अनीश खान, भाजपा मीडिया प्रभारी प्रफुल्ल द्विवेदी व स्वप्निल तिवारी उपस्थित रहे।

परम संतोष का आनंद अनुभव करते हुए बिताएं जीवनः प्रभु जी

जिले के एक दर्जन ग्रामों में निकाली गई स्नेह यात्रा

टीकमगढ़, देशबन्धु।। प्रदेश जन अभियान परिषद के माध्यम से मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान के मार्गदर्शन में विगत 16 से 26 अगस्त तक जिले में स्नेह यात्रा निकली जा रही है। इसी क्रम में गुरुवार को ग्राम पंचायत कैलपुरा, दुर्गा नगर, देवी नगर, सरकनपुर, गुना, सुजानपुरा जिनागढ़, वैसा, लड़वारी, और आहार तक स्नेह यात्रा निकाली गई। इस अवसर पर इस्कॉन मंदिर उज्जैन के श्रीपाद प्रभु प्रशांत नागर जी ने विस्तार से जानकारी देते हुए कहा कि कृष्ण भक्ति का अधिकार सभी को हैं। श्रीपाद श्याम दर्शन प्रभु जी ने कहा कि मनुष्य जीवन भगवान की सेवा में अर्पित करते हुए और भगवान के विषय में बातें करते हुए परम संतोष का आनंद का अनुभव करते हुए बिताना चाहिए। आपस में भेद भाव नहीं करना चाहिए। म. प्र. जन अभियान परिषद के जिला समन्वयक डॉ. सुनील कटियार ने यात्रा के सम्बंध विस्तार से जानकारी देते हुए कहा कि यह यात्रा मध्य प्रदेश के सभी 52 जिलों में निकाली जा रही है। यह 16 से 26 अगस्त तक 11 दिनों तक सभी विकासखंडों से निकलेगी। इस यात्रा में विकासखंड समन्वयक ललित शर्मा, नवांकुर समितियाँ, ग्राम विकास प्रस्फुटन समितियाँ, पतंजलि, सामाजिक कार्यकर्ता, एवं ग्राम पंचायत सरपंच, शिक्षक उपस्थित रहे। सन्तों का जगह-जगह स्वागत किया गया।

सार समाचार

सोमवार को निकलेगी यात्रा

दमोह/हटा देशबन्धु। निरंतर 8 वर्षों से निकाली जा रही है कावड़ यात्रा मित्र मंडली के तत्वधान कावड़ यात्रा का आयोजन किया जाता था लेकिन इस बार बागेश्वर धाम पंडित धीरेंद्र शास्त्री से आशीर्वाद लेकर कावड़ यात्रा का नामकरण कर दिया गया है जय हिंदू राष्ट्र कावड़ यात्रा रख दिया गया है। इस वर्ष भी कावड़ यात्रा का आयोजन 28अगस्त समय 6:00 बजे से सोमवार को स्थान शंकर जी का चबूतरा मां विंध्यवासिनी मंदिर से प्रारंभ होगी सुनार नदी से जल भर कर भव्य जय हिंदू राष्ट्र कावड़ यात्रा नगर के मुख्य मार्गो से ढोल नगाड़े डीजे बाजे एवं सजीवन झांकियां आकर्षण का केंद्र रहेंगी रुसल्ही सोजना मार्ग से बांदकपुर पहुंचेगी जिसमें आप सभी श्रद्धालु जन सम्मिलित होकर धर्म लाभ उठाएं

बांदकपुर के समग्र विकास के लिए योजना बने और दमोह को नगर निगम घोषित किया जाए : मलैया

दमोह देशबन्धु। भाजपा नेता सिद्धार्थ मलैया ने दमोह के चहुंमुखी विकास के संबंध में विभिन्न क्षेत्रों के विकास के लिए मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान को ज्ञापन सौंपे। जिसमें बांदकपुर सिद्ध क्षेत्र की समग्र विकास हेतु प्राधिकरण अथवा अन्य योजना बनाने, दमोह नगर पालिका को नगर निगम घोषित करने, ग्राम पंचायत इमलिया घाट एवं बांदकपुर को उप तहसील का दर्जा देने, सीता नगर परियोजना में दमोह विधानसभा के 33 ग्रामों को पुन: जोड़ने, चमड़ा फैक्ट्री की भूमि को जनहित में सार्वजनिक उपयोग हेतु आरक्षित करने, लाइब्रेरी की भूमि स्कूल शिक्षा विभाग को स्थानांतरित करने एवं जिला जेल दमोह की जमीन की नीलामी प्रक्रिया पर पुनर्विचार करने की मांग की गई। ज्ञापनों के संबंध में सिद्धार्थ मलैया ने बताया कि बांदकपुर सिद्ध क्षेत्र वर्तमान में ग्राम पंचायत है एवं लाखों भक्तों की आस्था का केंद्र है लगातार बांदकपुर में भक्तों की संख्या बढ़ती जा रही है अत: बांदकपुर और आसपास के ग्रामों को मिलाकर जिले का एक नया विकास केंद्र बनाया जा सकता है जिसमें नई रोजगार और स्वरोजगार के साथ विद्यालय महाविद्यालय एवं आवासीय कॉलोनीयों की असीमित संभावनाएं हैं। बांदकपुर ग्राम पंचायत को कानूनी रूप से सुदृढ़ किया जाए, बांदकपुर के विकास के संबंध में आगामी 25 वर्षों का मास्टर प्लान बनाया जाए एवं उसे चरणबद्ध तरीके से लागू कर विशेष अनुदान और सुविधाएं दी जाए।

कोतवाली पुलिस को मिली बड़ी सफलता

चंद दिनो के मोबाईल दुकान से हुई चोरी का किया खुलासा

दमोह देशबन्धु। पुलिस अधीक्षक दमोह द्वारा समस्त थाना प्रभारीयो को चोरी एवं नकबजनी में अपराधियो की धरपकड़ हेतु निर्देशित किया गया था जो अति. पुलिस अधीक्षक, निर्देशन एवं नगर पुलिस अधीक्षक के मार्गदर्शन में दिनाँक 16/08/23 को प्रार्थी हेमंत लोधी पिता टेकसिह लोधी निवासी केशवनगर दमोह की किल्लाई नाका दमोह में स्थित मोबाईल दुकान से चोरी हुये मोबाईल 10 नये मोबाईल, पुराने मोबाईल एवं 6000, संबंध में चोरो की धरपकड एवं माल मशरूका बरामदगी हेतु पुलिस अधीक्षक के मार्गदर्शन मे थाना प्रभारी कोतवाली बिजय राजपूत के द्वारा पुलिस टीम का गठन कर पुलिस टीम द्वारा फेटो एवं वीडियो के आधार पर लगातार तलाश कर एवं सायबर सेल की मदद से 02 संदेहियों को पकडकर एवं चोरी के संबंध में पूछतांछ किया।

जिन्होने अपना .अखलेश पिता मूरत सिह लोधी उम्र 22 साल निवासी बारत इमलीडोर थाना तेदूखेडा, .नीरज पिता स्व. परसोत्तम राठौर उम्र 35 साल निवासी तीन गुल्ली दमोह बताया जिनके द्वारा चोरी करना स्वीकार किया एवं उनके पास से 07 मोबाईल कीमती 130000 रूपये के एवं 250 रूपये सराहनीय कार्य थाना प्रभारी कोतवाली विजय राजपूत, उनि अमित मिश्रा, सउनि गोबिन्द सिह, सउनि रमाशंकर मिश्रा, प्रधान आरक्षक कामता प्रधान आरक्षक सूर्यकांत, संजय, आलोक, देवेन्द्र प्र. आर. सौरभ टंडन, राकेश अठ्या अजित दुवे आरक्षक देवेन्द्र, आरक्षक आकाश पाठक की रही।

विधायक को आंदोलन कर रहे शिवभक्तों ने दिया पत्र

श्री जागेश्वरनाथ धाम कॉरिडोर निर्माण की घोषणा

दमोह देशबन्धु। बुंदेलखंड वह प्रदेश के प्रसिद्ध हिंदू तीर्थ स्थल बांदकपुर धाम जो लाखों भक्तों की आस्था और श्रद्धा का केंद्र है जहां लगातार अनेक हिंदू संगठनों शिवभक्तों के द्वारा विकास व्यवस्था व मंदिर द्वार से अतिक्रमण हटाकर श्री जागेश्वर नाथ कॉरिडोर बनाने की मांग उठाई जा रही है।

इस विषय पर अनेक संगठन शिवभक्त लगातार ज्ञापन आवेदन दे रहे हैं। यहां तक की वर्तमान मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान को भी शिवभक्तों के आवेदन के बाद दमोह उपचुनाव में बांदकपुर की चुनावी सभा में अयोध्या धाम की तरह बांदकपुर धाम के संपूर्ण विकास व्यवस्था की घोषणा की थी। लेकिन लगभग 2 वर्ष बीत जाने के बाद भी आज तक कोई कार्य नहीं हो पाया बीजेपी के अनेक नेताओं को बार-बार ज्ञापन आवेदन दिए गए।

23 अगस्त को भी मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान को शिवभक्तों के द्वारा ज्ञापन दिया गया साथ ही शहर में रैली के दौरान तीन गुल्ली चौराहे पर पोस्टर बैनर भी दिखाए गए । लेकिन मुख्यमंत्री ने मंच से बांदकपुर धाम का नाम तक नहीं लिया जिससे शिव भक्तों ने में बहुत हैरानी व पीड़ा है। लेकिन अगले ही दिन दमोह विधायक अजय टंडन को शिवभक्तों ने भेंट करके बांदकपुर धाम के विषय में पत्र दिया और विस्तार से विषय रखा जिस पर अजय टंडन ने श्री जागेश्वर नाथ बांदकपुर धाम के भव्य कॉरिडोर की घोषणा की और कहा कि शीघ्र ही कार्य प्रारंभ होगा जो भी अतिक्रमण या कार्य आवश्यक होंगे वह सभी कार्य बांदकपुर धाम के विकास के लिए किए जाएंगे पूज्य बागेश्वर सरकार का भी यही कहना है तीर्थ क्षेत्र बांदकपुर धाम का व्यवस्थित शीघ्र विकास किया जाए उपस्थित शिवभक्तों ने दमोह विधायक अजय टंडन की घोषणा पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए सराहना की दमोह जिले के प्रमुखदल के नेता ने खुलकर सामने आकर बांदकपुर धाम की कॉरिडोर बनाने का संकल्प लिया साथ ही शिवभक्तों का कहना है कि बांदकपुर धाम के विषय पर धरातल पर कार्य हो श्री जागेश्वर नाथ कॉरिडोर बनाने की बात कांग्रेस पार्टी के घोषणा पत्र में भी सम्मिलित की जाए। बांदकपुर धाम के लिए विशेष पैकेज भी जारी किया जाए जिससे श्रद्धालुओं और भक्तों के लिए उचित व्यवस्था हो सके।

फुटेरा तालाब पर अवैध कॉलोनी बना रहे भू माफिया के खिलाफ दिया ज्ञापन

दमोह देशबन्धु। दमोह के ऐतिहासिक धरोहर के रूप में पंजीकृत फुटेरा तालाब जो कि पुरातत्व सर्वेक्षण विभाग में संरक्षित स्मारक के रूप में पंजीकृत है की डूब क्षेत्र की भूमि के प्लेटों को अवैध रूप से दमोह खास के हमेशा विवादों में रहने वाले पटवारी की मिली भगत से ऐतिहासिक धरोहर फुटेरा तलाव की भूमि ,ग्रीन बेल्ट और पुरातत्व सर्वेक्षण विभाग के विनिमायक क्षेत्र की भूमि और शासकीय भूमि का गलत सीमांकन करवाकर आशीर्वाद इंटरप्राइजेज नामक फर्म को लाभ पहुंचाने का कार्य किया है, जिसके खिलाफ पिछले कई माह से लगातार उक्त विषय हेतु ज्ञापन के माध्यम से शिकायत दर्ज कराई गई, पर दमोह खास क्षेत्र के विवादों में रहने वाले शिवशंकर पटवारी उर्फटेढ़े पटवारी की मिलीभगत से और जिम्मेदार अधिकारियों के इस विषय पर उदासीन रवैये के चलते, बिना शिकायत कर्ता को सूचना दिए गलत प्रतिवेदन प्रस्तुत कर शिकायत को बंद कर दिया गया, उक्त विषय पर पुन: जनसुनवाई में अनुभिगीय अधिकारी को ज्ञापन देकर उक्त विषय की जांच कर आवश्यक कार्यवाही की मांग की गई, अगर जल्द ही उक्त विषय उचित कार्यवाही नही होती तो फुटेरा तालाब संरक्षण समिति आंदोलन करेगी।

उपाध्यक्ष प्रतिनिधि को बिजली की समस्या बताई

दमोह/नोहटा देशबन्धु। जबेरा जनपद उपाध्यक्ष प्रतिनिधि डॉ सुजान सिंह ने जनसंपर्क के दौरान ग्राम घुटकुआ के ग्रामवासी भानु सिंह, दौलत सिंह, तिलक सिंह, धुरन सिंह, नोने सिंह, पर्वत सिंह, दशरथ सिंह, महपाल, खिलान विश्वकर्मा, ने बताया कि पूरे गांव के खबों में लगी हुई लीडें खराब हो चुकी है जिसके कारण हम लोगों को 200 मीटर दूर से कनेक्शन ट्रांसफार्मर से अपनी-अपनी निजी तार से लेना पड़ रहा है जिससे आए दिन तार का फैला मकड़ जाल से करंट लगने से मवेशी मर जाते हैं विद्युत केंद्र बनवार से लीडों की मांग की गई लेकिन किसी ने भी समस्या को नहीं सुना । यही समस्या ग्राम पंचायत हरदुआ मानगढ़ के मोहल्ला के लोगों ने बताया कि करीब एक माह से ट्रांसफार्मर नहीं है जिसकी सूचना विद्युत केंद्र नोहटा को भी दी गई थी लेकिन किसी भी अधिकारियों का इस समस्या पर ध्यान नहीं गया। हरदुआ मानगढ़ के ग्राम वासी जगत सिंह मोहन आदिवासी अयोध्या सिंह गुलाब सिंह का कहना है कि अगर हमारी समस्याओं को समय से निराकरण नहीं किया गया तो हम सभी जबेरा जनपद उपाध्यक्ष प्रतिनिधि डॉक्टर सुजान सिंह जी एवं भगवती मानव कल्याण संगठन के साथ विद्युत केंद्र नोहटा में धरना प्रदर्शन करेंगे

दमोह में भी अमृत वन के लिये 948 ग्रामों से पहुंची मिट्टी

घड़े और पौधे जरारूधाम में रोपे गये एक हजार पौधे

दमोह देशबन्धु। भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने जो संकल्प लिया उसको पूरा करने की दिशा में हमारा भी यह कदम है। आजादी के अमृत काल के प्रारंभ होने की स्मृति में दिल्ली में अमृत वन बनाया जा रहा है, उसी तर्ज पर जरारूधाम में भी कार्य प्रारंभ किया गया है। वृक्षों का महत्व उस समय दुनिया को समझ में आया था जब कोविड 19 के प्रहार से हम जूझ रहे थे आक्सीजन की कमी ने सबको परेशान कर दिया था। अमृत महोत्सव के समाप्त होते ही अमृत काल प्रारंभ हो गया हैं।

आज जिले की सभी ग्राम पंचायतों के प्रतिनिधियों ने और संकल्प को पूरा करने में अपना योगदान दिया में इसके लिये सभी का आभार व्यक्त करता हूं । इस आशय के विचार केन्द्रीय खाद्य प्रसंस्करण उद्योग एवं जलशक्ति राज्यमंत्री प्रहलाद सिंह पटेल ने जरारूधाम के विशाल परिसर में वृक्षारोपण के दौरान व्यक्त किये। इस अवसर पर विधायक पीएल तंतुवाय, पूर्व जिलाध्यक्ष नरेन्द्र व्यास, पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष शिवचरण पटेल, पूर्व विधायक लखन पटेल, अमर सिंह राजपूत, भरत यादव, विनोद राय, अनिता खरे, नर्मदा सिंह सहित जनप्रतिनिधिगण, आमजन, पर्यावरण प्रेमियों की उपस्थिति रही।

जैन मिलन नगर प्रमुख शाखा दमोह ने मनाया पार्श्वनाथ निर्वाण महोत्सव

दमोह देशबन्धु। भारतीय जैन मिलन नगर प्रमुख शाखा दमोह द्वारा तेईसवें तीर्थंकर भगवान पार्श्वनाथ निर्वाण महोत्सव को बहुत ही उत्साह के साथ मनाया। उक्त जानकारी देते हुए कार्यक्रम प्रभारी सबन जैन सिल्वर ने बतलाया कि जैन धर्म के तेईसवें तीर्थंकर भगवान पार्श्वनाथ के निर्वाण महोत्सव पर जैन मिलन नगर प्रमुख शाखा दमोह के सभी वीर वंधुओ द्वारा कल्याण मंदिर स्त्रोत के माध्यम से पार्श्वनाथ भगवान की अड़तालीस दीपों के माध्यम से आराधना की गई तद् पश्चात आरती सजाओ प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

शाखा के अध्यक्ष सुधीर जैन डवलू ने कहा कि सभी प्रतिभागियों को एक दिन पहले अपने अपने घर से आरती सजाना थी जिसे कल पार्श्वनाथ भगवान के निर्वाण महोत्सव पर रात्रि में आठ बजे तक जमा करना था अत्यंत हर्ष का विषय है कि इस आयोजन में तीस से अधिक प्रतिभागियों ने भाग किया। शाखा के मंत्री अरुण जैन कोर्ट ने बतलाया कि एक से एक सुंदर आरती इस प्रतियोगिता में शामिल थी जिनके बीच में निर्णय लेना बहुत कठिन था इसलिए निर्णायक मंडल का सहयोग लेना पड़ा निर्णायक मंडल में प्रगति सेंकी सिंघई, एकता सुबोध बजाज, रश्मि अरुण जैन द्वारा निर्णय लिए गए जिसमें प्रथम पुरस्कार सुधाकलश महिला मंडल पलंदी मंदिर जी द्वितीय पुरस्कार श्रीमती निधि दिलेश जैन चौधरी ऐवं श्रीमती श्रद्धा विजिल जैन ऐवं त्रितीय पुरस्कार श्री मती आकांक्षा सौरभ जैन को प्राप्त हुआ शेष सभी छव्वीस प्रतियोगियों को को सांत्वना पुरस्कार प्रदान किए गये।

शाखा के कोषाध्यक्ष मुकेश जैन मम्मा ने बतलाया कि जिस समय यह यह आतीं प्रतियोगिता का निर्णय हो रहा था उस समय सभी उपस्थित जनसमूह के मध्य शाखा द्वारा 'खुला प्रश्नमंच आयोजित किया गया' जिसका संचालन संजू शाकाहारी ऐवं दिलेश जैन चौधरी द्वारा किया गया यह ऐक अच्छा आयोजन था जिसमें अंतिम सराफविकल्प जैन, सुवोध बजाज, जिनेन्द्र जैन मडला, जिनेन्द्र जैन उस्ताद, राजेश ओशो, संदीप जैन, शैलेन्द्र सिंघई, द्वारा विजई प्रत्याशियों को पुरस्कार वितरण किये गये, कार्यक्रम का आभार विकास जैन रेलवे द्वारा किया गया ।

विधिक साक्षरता शिविर सम्पन्न

दमोह देशबन्धु। म.प्र. राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जबलपुर द्वारा जारी निर्देशों के तहत प्रिंसिपल जिला न्यायाधीश एवं अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण दमोह रेणुका कंचन एवं जिला न्यायाधीश एवं सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण अम्बुज पाण्डेय के मार्गदर्शन में स्थानीय उत्कृष्ट उच्चतर माध्यमिक विद्यालय दमोह में बच्चों को मैत्रीपूर्ण विधिक सहायता, एसिड अटैक एवं पीड़ित प्रतिकर विषय पर विधिक साक्षरता शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी राममनोहर सिंह दांगी, जिला विधिक सहायता अधिकारी रजनीश चौरसिया, विद्यालय से एस.एल. अहिरवाल, जी.पी. पटैल एवं स्टाफसहित छात्र/छात्रायें उपस्थित रहीं। न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी राममनोहर सिंह दांगी ने अपने उद्बोधन में छात्राओं को बच्चों के साथ आए दिन यौन अपराधों के संबंध में अपराधों की बढ़ती संख्या एवं बच्चों के साथ छेड़छाड़, बलात्कार, कुकर्म जैसे मामलों पर जानकारी देते हुये कहा पॉक्सो एक्ट के तहत नाबालिग बच्चों के साथ होने वाले यौन अपराध एवं छेड़छाड़ के मामलों में कार्यवाही की जाती है। यह एक्ट बच्चों को सेक्सुअल हैरेसमेंट एवं पोर्नोग्राफी जैसे गंभीर मामलों से सुरक्षा प्रदान करता है। वर्ष 2012 में बनाये गये इस कानून के तहत अलग-अलग अपराध के लिये अलग-अलग सजा तय की गई है जिसका कड़ाई से पालन किया जाना सुनिश्चित किया गया है। 18 वर्ष से कम उम्र के बालक या बालिका दोनों हो सकते हैं। यह कानून लड़का या लड़की दोनो को समान रूप से सुरक्षा प्रदान करता है। ऐसे पीड़ित बालक या बालिका की पहचान गुप्त रखी जाती हैं। कोई भी ऐसे पीड़ित अपने विरूद्ध होने वाले अपराधों को छिपाये नहीं ऐसे अपराधों के विरूद्ध आवश्यक कदम उठायें ।

ननि आयुक्त ने किया पुरानी खंती का अवलोकन

भोपाल, देशबन्धु। निगम आयुक्त ने भानपुर स्थित पुरानी खंती स्थल का अवलोकन किया। श्री नोबल ने भानपुर स्थित पुरानी खंती स्थल पर किये गये बायो-रिमेडिएशन एवं साइंटिफिक क्लोजर के संबंध में अधिकारियों एवं कंपनी के प्रतिनिधियों से विस्तारपूर्वक जानकारी प्राप्त की।

निगम आयुक्त फ्रैंक नोबल ए. ने गुरूवार को भानपुर स्थित पुरानी खंती स्थल पर किये गये बायो-रिमेडिएशन एवं साइंटिफिक क्लोजर कार्य स्थल का अवलोकन किया और निगम अधिकारियों एवं कंपनी के प्रतिनिधियों से विस्तारपूर्वक जानकारी प्राप्त की। निगम आयुक्त श्री नोबल को अवगत कराया गया कि स्वच्छ भारत मिशन के अंतर्गत लगभग 37 एकड़ क्षेत्र में फैली डंप साईट भानपुर खंती का वैज्ञानिक उपचार किया गया जिसमें 22 एकड़ भूमि को पुन: उपयोग हेतु प्राप्त किया गया। भानपुर खंती पर लगभग 07 लाख टन से अधिक कचरे से आरडीएफएवं अन्य प्रकार के कचरे को पृथक-पृथक कर उसका जैव उपचार कर जैविक खाद भी बनाया गया एवं अतिशेष अवशिष्ट का वैज्ञानिक तकनीक से निष्पादन कर लगभग 16 एकड़ भूमि को पार्क के रूप में विकसित किया गया है। उक्त कार्य वर्ष 2018 में प्रारंभ किया गया था। संभवत: पूरे देश में डंप साईट से सबसे अधिक भूमि रिक्लेम करने का यह उत्कृष्ट उदाहरण है। इस बायो-रिमेडिएशन कार्य से न केवल आर्थिक विकास को गति मिली बल्कि पर्यावरण संरक्षण की दिशा में भी अभूतपूर्व प्रयास किया गया है। निरीक्षण के दौरान उपायुक्त योगेन्द्र सिंह पटेल, अधीक्षण यंत्री आर.के.सक्सेना सहित निगम के अन्य अधिकारी मौजूद थे।

खाली भूखण्ड भूस्वामियों से सफाई का खर्चा वसूलेगा ननि

भोपाल, देशबन्धु। नगर निगम द्वारा शहर में खाली भूखण्डों पर पड़े कचरे को हटाने हेतु संबंधित भूखण्ड स्वामियों को भूखण्डों की सफाई दो दिवस में कराने के लिए नोटिस जारी किया है। निर्धारित अवधि के उपरांत खाली भूखण्डों की सफाई निगम द्वारा की जाएगी तथा सफाई पर होने वाले खर्चा संबंधित भूखण्ड स्वामी से वसूला जाएगा। निगम आयुक्त के निर्देश पर निगम के स्वास्थ्य विभाग के अमले ने जोन 13 के अंतर्गत साकेत नगर में 1 तथा जोन 21 के अंतर्गत रातीबड़, नीलबड़ क्षेत्र में 8 भूखण्ड स्वामियों को नोटिस जारी किए गए। अमले द्वारा जोन 1 के अंतर्गत 6 बस स्टॉपों की साफ-सफाई करते हुए पोस्टर, पम्पलेट आदि निकलवाए तथा अन्य प्रकार के कचरे को भी साफकराया गया। इसी प्रकार जोन 9 में 3 जोन 11 में 7, जोन क्र. 12 में 13, जोन क्र. 13 में 32 तथा जोन क्र. 17 में 05, जोन 21 के तहत 30 एवं जोन 15 के अंतर्गत 10 बस स्टॉपों की बेहतर ढंग से सफाई की गई।

प्रवेश के लिए आवेदन की अंतिम तिथि आज

भोपाल, देशबन्धु। जवाहर नवोदय विद्यालय रातीबड के प्राचार्य ने बताया कि विद्यालय में कक्षा छठवीं में प्रवेश हेतु चयन परीक्षा के ऑनलाईन आवेदन 25 अगस्त तक कर सकते हैं । चयन परीक्षा 20 जनवरी 2024 को आयोजित की जाएगी । उन्होंने बताया कि वे ही छात्र-छात्राऐं आवेदन के पात्र हैं जो शासकीय, अशासकीय, ईजीएस के कक्षा पाँचवीं में अध्ययनरत् हैं तथा जिनका जन्म एक मई 2012 से 31 जुलाई 2014 के मध्य हुआ हो। आवेदक ने कक्षा तीसरी, चौथी, पाँचवीं में लगातार प्रत्येक पूर्ण सत्र में अध्ययन किया हो तथा एक ही कक्षा में पुनरावृत्ति न की हो। विद्यालय में छात्र, छात्राओं को शिक्षा, आवास, भोजन, यूनिफार्म, पाठ्य-पुस्तकें एवं दैनिक उपयोग की वस्तुऐं नि:शुल्क प्रदान की जाती हैं। इसके अतिरिक्त छात्र, छात्राओं को कम्प्यूटर, इंटरनेट, स्मार्ट क्लास की सभी सुविधाएँ उपलब्ध हैं ।

प्रथम पृष्ठ का शेष

चांद पर अपनी छाप छोड़.... अनुसार हुआ है। उन्नीकृष्णन ने कहा, हमें आगे जानने के लिए उड़ान के बाद का आकलन करना होगा। गौरतलब है कि मून लैंडर और रोवर 600 करोड़ रुपए के चंद्रयान-3 मिशन का हिस्सा हैं। चंद्रयान-3 अंतरिक्ष यान में एक प्रणोदन मॉड्यूल (वजन 2,148 किलोग्राम), एक लैंडर (1,723.89 किलोग्राम) और एक रोवर (26 किलोग्राम) शामिल है। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के अनुसार, चंद्रमा रोवर में लैंडिंग स्थल के आसपास मौलिक संरचना प्राप्त करने के लिए अल्फा पार्टिकल एक्स-रे स्पेक्ट्रोमीटर (एपीएक्सएस) और लेजर प्रेरित ब्रेकडाउन स्पेक्ट्रोस्कोप (एलआईबीएस) है। अपनी ओर से, लैंडर भी अपने पेलोड के साथ उसे सौंपे गए कार्यों को पूरा करेगा।

सोरेन ईडी के खिलाफ.... रांची स्थित जोनल कार्यालय में उपस्थित होकर अपनी संपत्ति के ब्योरे पर बयान रिकॉर्ड कराएं। यह लगातार दूसरी बार है, जब सोरेन ईडी के बुलावे पर नहीं पहुंचे। सोरेन के ईडी दफ्तर जाने, न जाने को लेकर दोपहर तक सस्पेंस बना रहा। इस वजह से रांची के एयरपोर्ट स्थित ईडी दफ्तर के बाहर बड़ी संख्या में सुरक्षा बलों की तैनाती की गई थी। दोपहर तक सीएम के पहुंचने का इंतजार होता रहा, लेकिन पिछली बार की तरह सीएम सचिवालय की ओर से ईडी को चिट्ठी भेजी गई है। ईडी के असिस्टेंट डायरेक्टर को लिखी गई पिछली चिट्ठी में सोरेन ने कहा था कि समन में ऐसी किसी भी बात का जिक्र नहीं है, जिससे मेरे खिलाफ संपत्ति को लेकर जांच की संभावना बनती हो। जहां तक संपत्ति की बात है तो इससे जुड़ी तमाम जानकारी इनकम टैक्स रिटर्न में समय-समय पर दी जाती रही है। सीएम ने यह भी कहा था कि अगर प्रवर्तन निदेशालय को किसी ऐसे कागजात की जरूरत है, जिसका जिक्र पूर्व में नहीं किया गया है तो वह मुहैया कराने को तैयार हैं।

आपाताकालीन सेवा 108 में नौकरी लगाने के नाम बेरोजगारों से ठगी

भोपाल, देशबन्धु। प्रदेश की आपातकालीन सेवा 108 में नौकरी लगाने के नाम पर कई बेरोजगार युवकों के साथ धोखाधड़ी का मामला सामने आया है। बताया गया है कि आरोपियों ने नौकरी के लिए विज्ञापन दिया था। इसके बाद बेरोजगारों युवकों का साक्षात्कार लिया और उनसे रुपये ऐंठ लिए, लेकिन बाद में नियुक्ति पत्र नहीं दिया। इस मामले में एक युवक ने अदालत में परिवाद दाखिल किया था। इस पर अदालत ने मिसरोद थाना पुलिस को आरोपियों के खिलाफ धोखाधड़ी का प्रकरण दर्ज करने के आदेश दिए थे। पुलिस को अंदेशा है कि ठगी के शिकार हुए बेरोजगार युवकों की संख्या बढ़ सकती है। मिसरोद थाना पुलिस ने बताया कि बुधपुरा लहार जिला भिंड निवासी विजय सिंह कुशवाहा 24 बेरोजगार है। उसने दिसंबर 2021 में एक समाचार पत्र में 108 सेवा में पात्र उम्मीदवारों के लिए भर्ती का विज्ञापन देखा था। इसके बाद नर्मदापुरम रोड के सी-21 माल के कॉरपोरेट जोन स्थित जय अम्बे इमरजेंसी सर्विस कार्यालय पहुंचा। जहां पर उसे 108 सेवा के संचालन करने वाले जोगेन्द्र सिंह, अमरेन्द्र सिंह, धर्मेंद्र सिंह, सुमित, अशोक मेहता देवदत्त शर्मा ने साक्षात्कार लिया। इसके बाद उन्होंने प्रशिक्षण के नाम पर पांच हजार रूपए का डीडी जमा करने को कहा। इस पर विजय ने डीडी बनवा कर जमा करा दी। इस दौरान आरोपियों ने उससे 25 व 26 जनवरी 2022 में दो दिन की प्रशिक्ष्ण कराया और कहा कि तुम्हें नियुक्ति पत्र व पहचान पत्र दिया जाएगा। इस भर्ती प्रक्रिया के दौरान कई बेरोजगार युवक भी साक्षात्कर और प्रशिक्षण लिए पहुंचे थे। इन युवकों में से किसी से 5 हजार, किसी से 10 हजार का डीडी जमा कराई गई थी। कई दिन बीत जाने के बाद भी जब विजय को नियुक्ति नहीं मिली तो उसने अपने रुपये वापस मांगे। इस पर आरोपियों ने रुपये लौटाने से इनकार कर दिया। बाद में विजय ने अदालत में परिवाद दाखिल किया था। इसकी सुनवाई के बाद अदालत ने आरोपियों के खिलाफ धोखाधड़ी का प्रकरण दर्ज करने के आदेश दिए थे। अदालत के आदेश पर पुलिस ने सभी आरोपियों के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

भाजपा सरकार के चहुंमुखी विकास का आइना है गरीब कल्याण का रिपोर्ट कार्ड: शैलेंद्र जैन

सागर, देशबन्धु। विधायक शैलेंद्र जैन ने पत्रकार वार्ता कर बताया कि 2003 में प्रदेश में उमा भारती के नेतृत्व में भाजपा की सरकार बनी। बाद में बाबूलाल गौर और शिवराज सिंह चौहान ने उस सरकार का नेतृत्व किया। भाजपा की सरकार ने प्रदेश को 20 सालों में बीमारू से बेमिसाल राज्य बनाया, बंटाढार से बुलंदियों पर पहुंचाया। पिछड़े से अग्रणी बनाया, समृद्ध और खुशहाल राज्य बनाया। भाजपा ने 20 साल में गरीबों का जीवन स्तर सुधारने का काम किया तो उसका रिपोर्ट कार्ड भी जारी किया है। भाजपा जो कहती है वह करके भी दिखाती है। हमारी कथनी और करनी में कोई अंतर नहीं है। जबकि कांग्रेस ने देश और प्रदेश को सिर्फ छलने का काम किया है, विधायक शैलेंद्र जैन ने कहा की भाजपा ने जवाब देही की एक नई परंपरा शुरू की है, जिसके अंतर्गत हर सरकार अपने कार्यकाल में किए गए कामों का लेखा जोखा प्रस्तुत करती है। हमने अपना रिपोर्ट कॉर्ड प्रस्तुत किया है और गलत आरोप लगाकर जनता को गुमराह करने वाली कांग्रेस को इस रिपोर्ट कॉर्ड का जवाब देना चाहिए। 2003 से 2023 तक के 20 साल प्रदेश में गरीबी से मुक्ति का स्वर्णकाल रहे हैं और इन सालों में आत्मनिर्भर मप्र की नींव डाली गई। 2014 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार बनी और प्रधानमंत्री ने मप्र की दिल खोलकर मदद की। डबल इंजन वाली सरकार ने प्रदेश में विकास के नए प्रतिमान गढ़े। न सिर्फ सड़क, बिजली और पानी की समस्या दूर हुई, बल्कि शिक्षा, स्वास्थ्य, सुशासन और विकास के सभी मापदंडों पर प्रदेश को आगे बढ़ाया और राजधानी भोपाल से गांव की चौपाल तक विकास और खुशहाली बयार चलाई। इसका प्रति उत्तर देते हुए प्रदेश की जनता ने भी दिल खोलकर वोट दिये। लगभग 10 सालों में देश की आबादी 10 प्रतिशत लोगों को गरीबी रेखा से बाहर करके मोदी गरीब कल्याण के पुरोधा बन गए और उनकी योजनाओं का लाभ मप्र को भी मिला। संचालन जिला मीडिया प्रभारी श्रीकांत जैन ने एवं आभार आलोक केशरवानी ने व्यक्त किया। पत्रकार वार्ता में जिला उपाध्यक्ष जगन्नाथ गुरैया, लक्ष्मण सिंह, मंडल अध्यक्ष विक्रम सोनी उपस्थित रहे।

आर्ट्स एंड कामर्स कालेज में भाषण प्रतियोगिता संपन्न

सागर, देशबन्धु। विधानसभा निर्वाचन 2023 मप्र शासन एवं राज्य निर्वाचन आयोग मप्र के तत्वाधान में चल रहे मतदाता जागरूकता अभियान स्वीप संबंधी गतिविधियों के अंतर्गत दीनदयाल उपाध्याय शास. कला एवं वाणिज्य महाविद्यालय द्वारा भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता का विषय अन्तर्राष्ट्रीय युवा दिवस के उपलक्ष्य में युवाओं को संबोधित करते हुए चुनाव में पंजीकरण और भागीदारी के लिए प्रेरित करना रहा। प्रतियोगिता में प्रतिभागियों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया और उनके उत्साहवर्धन के लिए बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं मौजूद रहे। प्रथम स्थान प्राप्त छात्र विवेक श्रीवास्तव ने कहा कि हमें युवाओं के प्रेरणा स्त्रोत विवेकानंद के आदर्शों पर चलकर स्वयं को तथा समाज को जागरूक करना है। मतदान हेतु 18 वर्ष के युवाओं का अनिवार्य रूप से पंजीकरण कराना है। प्रतियोगिता में द्वितीय अंजलि पांडेय तथा तृतीय स्थान सारिका तिवारी ने हासिल किया। कार्यक्रम के अध्यक्ष महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. संजीव दुबे ने विद्यार्थियों को मार्गदर्शित करते हुए बताया कि आप युवा हैं और अपनी भूमिका को समझते हुए अपने आचरण से ऐसा आदर्श प्रस्तुत करें जो समाज में अनुकरणीय बने। कार्यक्रम की प्रभारी डॉ. सरोज गुप्ता ने युवाओं को नई चुनौतियों और अवसरों के प्रति जागरूक रहने का आह्वान किया। मतदाता जागरूकता अभियान तभी सफल होगा जब हमारे युवा छात्र छात्राएं सक्रिय होंगे। प्रतियोगिता के निर्णायकों में हिंदी विभाग की प्राध्यापक डॉ. रंजना मिश्रा, अर्थशास्त्र के डॉ. भूपेंद्र सिंह एवं डॉ. कनिष्क तिवारी समाज शास्त्र विभाग ने विद्यार्थियों को मार्गदर्शित किया। डॉ. अमर कुमार जैन ने विद्यार्थियों को मतदाता जागरुकता पर संबोधित किया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. राना कुंजर सिंह ने किया तथा डॉ. निशा सूर्यवंशी और अनमोल जैन ने कार्यक्रम की व्यवस्थाओं को संभाला। कार्यक्रम के सफल आयोजन पर डॉ. सबीहा ताबीर द्वारा सभी का आभार प्रकट किया गया।

सार-समाचार

राधा कृष्ण मंदिरों में झूला झूल रहे जगत के पालनहार

राहतगढ़, देशबन्धु। सावन मास के चलते माहौल धर्ममय बना हुआ है। नगर के श्री देव श्यामलिया सरकार मंदिर, राघवजी मंदिर, बिहारी जी मंदिर आदि देवालयो में सावन के झूले पड़े हैं। झूला देखने श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ रही है। राधा कृष्ण मंदिरों में महिलाएं शाम से लेकर देर रात तक भजन कीर्तन कर रही है। सावन मास के पावन महीने में श्रद्धालु भगवान शिव की भक्ति के साथ साथ राधा कृष्ण के मंदिर में डले झूलो के दर्शन का लाभ भी ले रहे हैं।

यादव समाज की बैठक संपन्न

बण्डा, देशबन्धु। श्री कृष्ण जन्माष्टमी को लेकर गुरुवार को संत शिरोमणि कर्मा देवी मंदिर के पास यादव समाज की एक बैठक सुबह 11 बजे आयोजित की गई। यादव समाज के वरिष्ठ एवं युवा जनों ने श्री कृष्णा जन्माष्टमी आगामी 10 सितंबर को हर्षोल्लास के साथ मनाने के संबंध में संकल्प दोहराया। श्री कृष्णा जन्माष्टमी को और व्यापक रूप देने के लिए आगामी 29 अगस्त को क्षेत्र भर से यादव समाज के लोगों की बैठक कृषि उपज मंडी प्रांगण में दोपहर 12 बजे आयोजित की गई है। समस्त यादव समाज युवा यादव समाज के कार्यकर्ताओं एवं सदस्यों से श्री कृष्णा जन्माष्टमी कि तैयारी को लेकर 29 अगस्त को बैठक में शामिल होने की अपील की है।

सागर, देशबन्धु। विट्ठल नगर वार्ड सागर शहरी परियोजना दो के समस्त आंगनवाडी केंद्रों में मुख्यमंत्री द्वारा लाडली बहनों को रक्षाबंधन की हार्दिक शुभकामनाएं के पत्र सुपरवाइजर एवं कार्यकर्ता द्वारा लाडली बहन तक पहुंचाई गई।

खुरई-सागर रोड पर मिला शव

बीना, देशबन्धु। नेशनल हाईवे स्थित बनहट गांव के पास पुलिया के नीचे एक युवक का शव मिलने से क्षेत्र में सनसनी फैल गई। उसके पास से एक एयरगन भी मिली है। पास में ही बाइक पड़ी हुई मिली। खुरई-सागर रोड पर बनहट गांव के पास एक पुलिया किनारे एक युवक का शव एयर गन के साथ मिला। सूचना मिलते ही देहात थाना प्रभारी नितिन पाल पुलिस बल के साथ पहुंच गए। मृतक युवक की पहचान खुरई के भूसा गांव निवासी 20 वर्षीय प्राण सिंह पिता मुन्ना लाल ग्वाल के रूप में हुई। परिजनों ने बताया कि प्राण सिंह पेट के इलाज के लिये सागर गया था। दुर्घटना कैसे हुई कोई जानकारी नहीं है। एयर गन किसकी है परिजनों को भी नहीं पता। फिलहाल पुलिस अज्ञात वाहन की टक्कर से हुई दुर्घटना मान रही है। इसी को लेकर देहात थाना पुलिस ने अज्ञात वाहन के चालक पर गैर इरादतन हत्या की धारा के तहत मामला दर्ज कर जांच प्रारंभ कर दी है। खुरई देहात थाना प्रभारी नितिन पाल ने बताया कि सड़क के किनारे एक युवक का शव मिलने की जानकारी के बाद मौके पर पहुंचे थे तो बाइक चालक की मौत दुर्घटना से होने की आशंका जताई जा रही है।

मोबाइल शॉप पर चोरी करने वाले आरोपी गिरफ्तार, दुकान के ताले तोड़ मोबाइल, ओटीजी, चार्जर ले भागे थे बदमाश

सागर, देशबन्धु। महाराजपुर में खकरिया रोड स्थित ओम मोबाइल शॉप में सेंध लगाकर करीब डेढ लाख रुपए कीमत का सामान चोरी करने वाले दो आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। पूछताछ में आरोपियों ने अपना जुर्म कबूल लिया है। आरोपियों ने चोरी का सामान अपने घरों में छिपाकर रखा था। मामले में पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से चोरी गया माल बरामद कर लिया है। पुलिस के अनुसार 21-22 अगस्त की दरम्यानी रात खकरिया रोड स्थित ओम मोबाइल शॉप महाराजपुर में अज्ञात बदमाश शटर का ताला तोड़कर घुसे थे। चोर दुकान से 2 मोबाइल, स्मार्ट वाच, पावर बैंक, चार्जर, स्पीकर, ब्लू टूथ, एयर बट्स, ओटीजी, डाटा केवल, मोबाइल बैटरी समेत अन्य सामान लेकर भागे थे। वारदात सामने आते ही पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर जांच में लिया। एफएसएल टीम ने वारदातस्थल पर जांच करते हुए आरोपियों से जुड़े साक्ष्य जुटाए। जांच के दौरान आरोपियों की धरपकड़ के लिए मुखबिर तंत्र सक्रिय किया गया। इसी दौरान पुलिस के सामने संदेहियों के नाम आए। जिस पर पुलिस ने संदिग्ध शिवम पुत्र नारायण रैकवार उम्र 23 साल निवासी पनारी और अनिल पुत्र नारान आठ्या उम्र 23 साल निवासी ग्राम मजेरा थाना खुरई को हिरासत में लिया। थाने लाकर दोनों से पूछताछ की गई। पूछताछ में आरोपी शिवम और अनिल ने दुकान में चोरी की वारदात करना कबूल किया।

पुलिस ने आरोपियों की निशानदेही पर आरोपी शिवम रैकवार के पुराने घर के कमरे से दो मोबाइल, दो स्मार्ट वॉच, पावरबैंक, दो स्पीकर, चार्जर, पांच नग ब्लूटूथ, दो नग एयरबट्स, चार नग ओटीजी, एक टार्च छोटी, डाटा केवल और मोबाइल की बैटरी जब्त की। वहीं आरोपी अनिल आठ्या के घर से पुलिस ने दो मोबाइल, दो ब्लू टूथ बरामद किए। कार्रवाई के दौरान पुलिस ने दोनों आरोपियों के कब्जे से 1.40 लाख रुपए का सामान बरामद किया। महाराजपुर थाना प्रभारी मीनेश भदौरिया ने बताया कि चोरी के दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों को न्यायालय में पेश किया गया। कार्रवाई टीम में एएसआई परमलाल अहिरवार, गनगौर प्रसाद, आरक्षक हरिओम चौरसिया, मधर दुबे, ऋषभ उपमन्यु और हरिराम शामिल थे।

कर्मचारी आज सामूहिक अवकाश पर, करेंगे धरना प्रदर्शन

सागर, देशबन्धु। मोर्चा के जिला अध्यक्ष चूरामन रैकवार एवं जिला संयोजक आलोक गुप्ता ने बताया कि मप्र अधिकारी कर्मचारी संयुक्त मोर्चा के बैनर तले आज लगभग 42 विभागों के हजारों कर्मचारी होने वाले सामूहिक अवकाश पर रहेंगे। सामूहिक अवकाश पर रहने के दौरान कर्मचारी पीली कोठी के बाजू वाले स्थान पर दोपहर 12 बजे से 4 बजे तक आयोजित धरना प्रदर्शन में भी शामिल होंगे। मोर्चा के संभागीय अध्यक्ष शैलेंद्र सिंह गंभीरिया ने बताया कि मोर्चा के बैनर तले प्रदेश के सभी जिला मुख्यालयों पर विभिन्न विभागों के कर्मचारियों की नियुक्ति दिनांक से वरिष्ठता देकर पुरानी पेंशन बहाली सहित 39 मांगों को लेकर प्रदर्शन किया जा रहा है।

विधायक ने एसडीएम के साथ किया मंडी परिसर का निरीक्षण

सागर, देशबन्धु। विधायक शैलेंद्र जैन ने मंडी प्रशासक एसडीएम विजय डेहरिया के साथ मंडी परिसर का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान काफी अव्यवस्था देखने को मिली। सफाई व्यवस्था की स्थिति को देखकर उन्होंने मंडी सचिव को कड़ी फटकार लगाई, मंडी के अंदर बीच सड़क पर लगी हुई दुकानों को बैरिकेट्स के अंदर लगाने के निर्देश दिए, गेट नंबर 1 के पास लगाए गए बैरिकेट्स की तरह पीछे की तरफ भी बैरिकेट्स लगाने के निर्देश दिए। मंडी परिसर में फल एवं सब्जी मंडी हाथ ठेला विस्थापन के लिए बनाई गई दुकानों का निरीक्षण किया निरीक्षण के दौरान मंडी के दुकानदारों द्वारा कब्जा किया गया है इसके लिए अविलंब कार्यवाही करने के निर्देश दिए। परिसर में अव्यवस्थित बड़ी गाडियां खड़ी मिली जिसको भी नोटिस जारी करने के निर्देश मंडी प्रशासन को दिए।

रिश्ते के भाई ने नाबालिग के साथ दुष्कर्म कर किया था गर्भवती, 20.20 साल की जेल

बीना, देशबन्धु। रिश्ते के भाई द्वारा दुष्कर्म कर उसे गर्भवती करने के मामले में आरोपी को बीस वर्ष के सश्रम कारावास की सजा के साथ अर्थदंड लगाया है। विशेष लोक अभियोजक श्यामसुंदर गुप्ता ने बताया कि यह मामला करीब ढाई वर्ष पुराना है। पीड़िता अपने जीजा के घर शादी में गई थी, जहां उसकी मुलाकात रिश्ते के भाई से हुई थी। इसके बाद जब वह घर पर अकेली थी तब आरोपी पीड़िता के घर पहुंचा था। आरोपी ने उससे शादी करने की बात कही और मना करने पर उसने दुष्कर्म किया। साथ ही जान से मारने की धमकी दी थी। इसके बाद वह करीब पांच बार उसके घर आया और हर बार धमकी देकर उसके साथ दुष्कर्म करता रहा, जिससे वह गर्भवती हो गई थी। पुलिस उप निरीक्षक प्रतिमा मिश्रा ने पीड़िता की रिपोर्ट दर्ज की और विवेचना के बाद अभियोग पत्र न्यायालय में पेश किया। विशेष लोक अभियोजक द्वारा मामले में आवश्यक साक्ष्य और तर्क प्रस्तुत किए। साथ ही नवजात बच्चे और आरोपी का डीएनए टेस्ट भी कराया गया था, जो मैच हुआ है।

साक्ष्य व तर्कों पर विश्वास करते हुए विशेष न्यायाधीश पॉक्सो एक्ट निर्मल मंडोरिया की न्यायालय ने आरोपी को पॉक्सो एक्ट धारा 5 (एल)/6 और 5(जे)/6 में 20-20 वर्ष के सश्रम करावास की सजा सुनाई। साथ ही 5-5 हजार रुपए का अर्थदंड लगाकर दंडित किया है। दोनों सजाएं एक साथ ही चलेंगी। साथ ही नवजात शिशु के पुनर्वास के लिए ढाई लाख रुपए प्रतिकर दिए जाने का आदेश दिया।

निर्माणधीन रेल्वे ओवर ब्रिज का विधायक ने किया निरीक्षण

सागर, देशबन्धु। सबसे ज्यादा नरयावली विधानसभा में 12 रेलवे ओवरब्रिज स्वीकृत हुये है इनमें से कुछ रेल्वे ओवर ब्रिज बनकर तैयार हो गये है जिनमें आवागमन प्रारंभ हो गया है एवं कुछ रेल्वे ओवर ब्रिजों का निर्माण प्रगति पर है एवं कुछ रेल्वे ओवर ब्रिजों का निर्माण कार्य शीघ्र प्रारंभ होगा। विधायक प्रदीप लारिया ने अधिकारियों के साथ निर्माणाधीन रेल्वे ओवर ब्रिज का निरीक्षण किया उन्होंने कहा कि देश में सबसे ज्यादा रेलवे ओवर ब्रिज विधानसभा में स्वीकृत हुए हैं जिले सहित आसपास के ग्राम और शहर के लोगों को सुविधा होगी और शहर के विकास में यह रेलवे ओवर ब्रिज मील का पत्थर साबित होंगे। निरीक्षण के दौरान विधायक ने अधिकारियों के साथ रेल्वे गेट क्र. 26 एवं 27 पर निर्माणधीन ब्रिजों का निरीक्षण किया। उन्होनें बताया कि रेल्वे गेट 26 पर बनने वाले ब्रिज की लागत 26 करोड़ 77 लाख रू. जिसकी लंबाई 694 मीटर व चौड़ाई 12 मीटर होगी और दोनों तरफ 6,6 मीटर सर्विस रोड की सुविधा होगी। वहीं गेट नं. 27 पर बनने वाले ब्रिज की लागत 29 करोड़ 24 लाख रू. एवं लंबाई 725.48 मीटर व चौड़ाई 12 मीटर होगी और दोनों तरफ 6,6 मीटर सर्विस रोड की सुविधा होगी और सभी रेलवे ओवर ब्रिज निर्माण कार्य पूर्ण होने पर शहर के विकास में नरयावली विधानसभा का बहुत बड़ा सहयोग होगा।

नेताओं का कांग्रेस से जुड़ना, सत्ता परिवर्तन का स्पष्ट संकेत: कमलनाथ

नीरज शर्मा और रोशनी यादव कांग्रेस में शामिल

सागर, देशबन्धु। बड़ी संख्या में भाजपा के नेता और हजारों की संख्या में कार्यकर्ता आज यहां कांग्रेस पार्टी में शामिल होने आए हैं। मैं आप सबका कांग्रेस पार्टी में हार्दिक स्वागत करता हूं। पिछले एक साल से लगातार भाजपा के कार्यकर्ता और नेता बड़ी तादात में कांग्रेस में शामिल हो रहे हैं। यह इस बात का स्पष्ट संकेत है कि मप्र की जनता ने बदलाव का मन बना लिया है। तीन महीने बाद मप्र में विधानसभा चुनाव में कांग्रेस पार्टी की जीत तय है। पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ ने गुरुवार को प्रदेश कांग्रेस कार्यालय में विभिन्न नेताओं को कांग्रेस की सदस्यता दिलाते हुए यह बात कही। प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय के बाहर कांग्रेस सदस्यता का बड़ा आयोजन हुआ, जिसमें सागर, निवाड़ी, दतिया, सतना और शिवपुरी के नेता बीजेपी से कांग्रेस में शामिल हुए। निवाड़ी के जिला पंचायत सदस्य रोशनी यादव और राहतगढ़ के पूर्व जनपद अध्यक्ष नीरज शर्मा भी कांग्रेस में हुए शामिल। यह नेता अपने हजारों कार्यकर्ताओं के साथ कांग्रेस पार्टी में शामिल हुए।

जालपा देवी मंदिर में चोरी, चैनल गेट का ताला तोड़ घुसे बदमाश

सागर, देशबन्धु। बहेरिया थाना की कर्रापुर पुलिस चौकी क्षेत्र के ग्राम पथरिया व्यास में पहाड़ पर स्थित जालपा देवी मंदिर में चोरों ने सेंध लगाई। चोर मंदिर के चैनल गेट का ताला तोड़ अंदर घुसे। बदमाश मंदिर से माता के गहने और दानपेटी से नकद रुपए लेकर भागे है। वारदात सामने आते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। पुलिस ने अज्ञात आरोपियों के खिलाफ प्रकरण दर्ज किया है। पुलिस के अनुसार फरियादी दम्मे पुत्र हल्के उर्फ पंचम पटेल निवासी पथरिया व्यास ने थाने में शिकायत में बताया कि गांव के पास पहाड़ी पर स्थित जालपा देवी मंदिर में पुजारी नहीं होने से वह करीब 1 माह से मंदिर की पूजा करता है। रोजाना की तरह वह पूजा कर रात करीब 10.30 बजे मंदिर के चैनल गेट में ताला लगाकर गांव आ गया था। इसी दौरान अज्ञात चोरों ने मंदिर के चैनल गेट का ताला तोड़ा और अंदर घुस गए। चोर मंदिर से माता की मूर्ति से मंगलसूत्र, सोने की माला, नथ, बेंदी, मुकुट, झुमकी और मंदिर में रखी दानपेटी लेकर भाग गए। सुबह जब दम्मे मंदिर पहुंचे तो वारदात सामने आई। मंदिर का चैनल गेट खुला था और दरवाजे खुले थे। अंदर जाकर देखा तो माता के गहने और दानपेटी नहीं थी। घटनाक्रम की जानकारी तत्काल गांव वालों और पुलिस को दी। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच कर आरोपियों से जुड़े साक्ष्य जुटाए। मामले में पुलिस प्रकरण दर्ज कर आरोपियों की तलाश कर रही है।

प्रो. जीएम दुबे अर्थशास्त्र विभाग के विभागाध्यक्ष नियुक्त

सागर, देशबन्धु। डॉ. हरीसिंह गौर विवि की कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने प्रो. जीएम दुबे को अर्थशास्त्र विभाग का विभागाध्यक्ष के रूप में नियुक्त किया है। विवि द्वारा जारी आदेशानुसार उनकी यह नियुक्ति तीन वर्ष की अवधि या अगले आदेश तक के लिए की गई है। विभागाध्यक्ष के रूप में उनका यह तीसरा कार्यकाल है।

जिला स्तरीय रोजगार दिवस पर हितग्राहियों को प्रशस्ति पत्र वितरित किये गये

सागर, देशबन्धु। जिला स्तरीय रोजगार दिवस कार्यक्रम का आयोजन गुरूवार को जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी पीसी शर्मा की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभा कक्ष में किया गया। कार्यक्रम में केंद्र एवं राज्य शासन की विभिन्न स्वरोजगार योजना मुख्यमंत्री उद्यम क्रांन्ति योजना, प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम, प्रधानमंत्री मुद्रा योजना, प्रधानमंत्री जिला पंचायत स्वनिधि योजना, राष्ट्रीय शहरी ग्रामीण आजीविका मिशन, मुख्यमंत्री पथकर योजना, टंटया मामा आर्थिक कल्याण योजना, संतरविदास स्वरोजगार योजना, डॉ. भीमराव अंबेडकर आर्थिक कल्याण योजना, भगवान बिरसा मुण्डा स्वरोजगार योजना के लाभान्वित हितग्राहियों को मंच से प्रशस्ति पत्र वितरित किये गए। कार्यक्रम में लीड बैंक कार्यालय के महेंद्र सिंह, उद्यमिता विकास केंद्र के जिला संयोजक नरेन्द्र तोमर, जिला व्यापार एवं उद्योग केंद्र के सहायक प्रबंधक महेश पाल द्वारा उपस्थित युवाओं को बैंकिंग प्रक्रिया, उद्यमिता एवं रोजगार तथा शासकीय योजनोओं की जानकारी दी गयी तथा युवाओं को रोजगार प्रदाता बनने के लिए प्रेरित किया गया। माह जून से अगस्त तक विभिन्न स्वरोजगार योजनाओं के माध्यम से कुल 36181 हितग्राहियों को राशि रु. 17306.82 लाख के ऋण स्वीकृत वितरित किये गए।

मास्टर ट्रेनर द्वारा लाड़ली बहना सेना को दिया गया प्रशिक्षण

सागर, देशबन्धु। महिला एवं बाल विकास परियोजना शहरी 2 अंतर्गत गठित लाड़ली बहना सेनाओं को मास्टर ट्रेनर द्वारा प्रशिक्षित करने हेतु झूलेलाल धर्मशाला, संतकबरराम वार्ड में ब्लॉक स्तरीय प्रशिक्षण का आयोजन किया गया। जिसमें परियोजना अंतर्गत 24 वार्डों से लाड़ली बहना सेना प्रभारी, सह प्रभारी एवं सदस्यों ने प्रशिक्षण प्राप्त किया। प्रशिक्षण में परियोजना अधिकारी साधना खटीक ने लाड़ली बहना सेना के गठन संबंधी एवं सेनाओं को बनाने के पीछे सरकार के कल्याणकारी उद्देश्यों में बारे में जानकारी दी। साथ ही पर्यवेक्षक उर्मिला सरवैया, ममता निषाद एवं संध्या दाण्डी द्वारा लाड़ली सेना के कार्य, साइबर क्राइम, घरेलू हिंसा आदि के बारे में जानकारी दी गई। प्रशिक्षण के साथ ही संबंधित अन्य विभागीय योजनाओं जैसें लाड़ली लक्ष्मी योजना, प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना, पोषण ट्रेकर एप आदि के संबंध में जानकारी दी गई।

छात्र की साईकिल हुई चोरी, जिम्मेदार है वे खबर

विकलांग पिता ने कहा साइकिल स्कूल परिसर से चोरी हुई, कई बार स्कूल गया पर नहीं हुई कोई खोजबीन

केसली, देशबान्धु। विकासखंड केसली के शास.उ.माध्यमिक विधालय में कक्षा दसवी के अध्ययनरत छात्र प्रशांत रजक ने बताया कि करीब छह माह पूर्ण होने जा रहे पर मेरी गुम हुई साइकिल अभी तक नहीं मिली। मेरे पिताजी विकलांग हैं में ग्राम समनापुर का निवासी हूं ग्राम से स्कूल की दूरी लगभग 3 किलोमीटर पड़ती है जो दूरी में साईकिल से 15 मिनिट में तय करता लेता था अब साइकिल न होने के कारण में पैदल चलकर 45 मिनिट और एक घंटे में स्कूल की दूरी तय कर पाता हूं। साइकिल चोरी होने पर तुरंत स्कूल प्राचार्य और कंम्पयूटर आपरेटर को जानकारी दी गई पर साइकिल चोरी होने का कोई भी सुराग नहीं मिला इतना ही नहीं लगे हुए कैमरे भी शो पीस बनकर रह गये स्कूल परिसर से छात्र प्रशांत रजक की साईकिल माह जनवरी में गुम हुई महीने बीत गये पर आज तारीख तक साईकिल नहीं मिली वहीं विकलांग पिता ने मायूस होकर बताया कि निगरानी के लिए सरकार चाहे कुछ भी प्रयास कर ले कितने भी सीसी टीवी कैमरा आदि लगवा दे पर चोरी पर नियंत्रण विफल साबित हो रहा है।

> मैं विकलांग हूं मेरा पुत्र प्रशांत रजक कक्षा दसवी में अध्ययन करता है उसकी साइकिल गुम हुए लगभग 6 महीने बीत गये पर साइकिल आज तक नहीं मिली लगे हुए सीसी टीवी कैमरे में साइकिल ले जाने वाले का कोई फुटेज नहीं आखिर कार इसमें जिम्मेदार कौन है
>
> -चन्द्रभान रजक, पालक

स्वामी पत्रकार प्रकाशन प्रा.लि.के लिए प्रकाशक गिरिराज चाचा मुद्रक गिरिराज चाचा द्वारा दैनिक भास्कर प्रेस (डी बी कार्प लि.) प्लाट नं. 36 इंडस्ट्रीयल एरिया सागर म.प्र. सागर से मुद्रित एवं 56 अग्रवाल बिल्डिंग एक्सिस बैंक के पीछे 10 सिविल लाईन्स, सागर मप्र से प्रकाशित, संपादक: पलाश सुरजन, कार्यकारी संपादक: ज़ाकिर अली *
प्रबंध संपादक डॉ. योगेश दत्त तिवारी फोन 07582-228742 ई-मेल. deshbandhusgr@yahoo.in प्रेस पंजीयन- MPHIN/2016/69061 समाचार चयन के लिए पी.आर.बी. एक्ट के तहत जिम्मेदार।